शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकारी अस्पतालों को निजी अस्पतालों के मानकों से मेल खाने का .... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 18 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-17

### फिल्म अभिनेता पर हमला : हवा में लाठियां भांज रहा शातिर तंत्र

# साफ नहीं हैं सैफ... काले हिरण की 'आत्मा' पीछा तो नहीं कर रही!

**बॉलीवुड अभिनेता** सैफ अली खान को बीती रात एक शख्स ने मुंबई के बांद्रा स्थित उनके घर में घुसकर ताबड़तोड़ चाकू मार कर जख्मी कर दिया। सैफ को चाकू के 6 घाव लगे। हमलावर ने सैफ की रीढ़ के पास चाकू का वार इतने जोर से किया कि चाकू की नोंक टूट कर रीढ़ की हड्डी के पास फंस गई। उस टुकड़े को सर्जरी करके निकाला गया। घर में चार-पांच लोगों के बीच हुई चाकूबाजी के बीच हमलावर अपना काम अंजाम देकर भाग भी निकला, लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने कैमरे के सामने आकर अपने चाटुकार होने की सनद दी। डॉक्टर ने मीडिया के समक्ष कहा, सैफ अली खान जख्मी होने के बावजूद शेर की तरह अस्पताल आए। डॉक्टर का यह बयान ऐसे गंभीर मौके पर भी फूहड़ हास्य प्रस्तुत करने वाला था। मुंबई पुलिस की दर्जनों टीमें फिल्म अभिनेता पर हमला करने वाले को पकड़ने में लग गईं। फिर एक शख्स के पकड़े जाने की खबर उड़ी। लेकिन उसके बारे में भी मुंबई पुलिस ने कहा कि असली हमलावर अभी नहीं पकड़ा गया है। पुलिस टीमें जुटी पड़ी हैं, जो राष्ट्रीय चरित्र की पहचान

**सैफ के पिता भी थे काला हिरण की हत्या के नामजद अभियुक्त**

है। आम आदमी के लिए तंत्र नहीं, खास आदमी के लिए ही तंत्र है। यही तो राष्ट्र का चरित्र है!और भारत में मीडिया तो भांडों की टोली है। लग पड़े सैफ के जख्मी होने पर तमाम संवेदनाएं प्रकट करने में। इसी तरह सलमान खान की जांच की फिक्र उनसे ज्यादा मीडिया को रहती है। कोई भी अंदर झांकने की कोशिश नहीं करता। न पुलिस और न मीडिया। फिल्म अभिनेता के दुरूह किले जैसे घर में घुस कर कोई हमलावर जान लेने की कोशिश करे, यह कोई साधारण बात थोड़े ही है। कोई न कोई गंभीर कारण है इसके पीछे। जो भी कारण हो, उसका पता लगाना पुलिस तंत्र का प्राथमिक कर्तव्य है, लेकिन यह कर्तव्य प्राथमिकता पर नहीं है।

**शुभ-लाभ प्रसंग**

फिल्म अभिनेता पर हमला हुआ है तो फिल्मी अंदाज में कुछ पिछले सीन देखना भी जरूरी है। थोड़ा फ्लैशबैक में चलते हैं। कहीं यह हमला भी काले हिरण (ब्लैक बक) की हत्या वाले कांड से तो नहीं जुड़ा है? यह एक ऐसा सवाल है जिससे केवल सलमान खान ही नहीं सैफ अली खान भी जुड़े हैं और सैफ अली खान के पिता मरहूम नवाब पटौदी भी ब्लैक बक की हत्या के मामले से जुड़े रहे हैं। नवाब पटौदी पर हम बाद में बात करेंगे। पहले उनके बेटे सैफ अली खान पर करते हैं। मामला सितंबर-अक्टूबर 1998 का है। उस समय राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म -हम साथ साथ हैं- की शूटिंग राजस्थान के जोधपुर में हो रही थी। इस फिल्म के अभिनेता सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम कोठारी शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान इन लोगों ने दो चिंकारा और तीन काले हिरणों (ब्लैक-बक) का शिकार किया था। काले हिरण बिश्नोई समाज में पवित्र माने जाते हैं। बिश्नोई समाज काले हिरणों की पूजा करते हैं।

सलमान खान और सैफ अली खान सहित अन्य अभिनेता एवं अभिनेत्रियों पर 27-28 सितंबर 1998 की रात को ▶10पर

---

### भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में बोले प्रधानमंत्री मोदी

# भारत में जितनी गाड़ियां बिक रहीं कई देशों की उतनी आबादी नहीं

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शनी और ऑटो एक्सपो का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में जितनी गाड़ियां बिक रही हैं, उतनी कई देशों की आबादी भी नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री जबरदस्त भी है और भविष्य के लिए तैयार भी है। भारत की ऑटो इंडस्ट्री पिछले साल में लगभग 12 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप कल्पना करें जब भारत विश्व की सबसे बड़ी तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा, तब भारत का ऑटो मार्केट कहां होगा। विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी सेक्टर की भी अभूतपूर्व विस्तार की यात्रा होने वाली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप कल्पना करें जब भारत विश्व की सबसे बड़ी तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा, तब भारत का ऑटो मार्केट कहां होगा। विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी सेक्टर की भी अभूतपूर्व विस्तार की यात्रा होने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कभी भारत में गाड़ियां न खरीदने का एक कारण अच्छी और चौड़ी सड़कों का अभाव था। पिछले वर्ष के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रखे गए थे। आज भारत में मल्टी लेन हाईवे का, एक्सप्रेस-वे का जाल बिछ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था, तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे। उस दौरान मैंने आपके सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी मैं भारत मोबिलिटी एक्सपो में जरूर आऊंगा। देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया, आप सभी ने मुझे यहां बुलाया, इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। ▶10पर

**विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी क्षेत्र को भी अभूतपूर्व गति देने वाली है**

**सोचें, जब भारत तीसरी बड़ी अर्थशक्ति बनेगा, तब ऑटो बाजार कहां होगा!**

---

### भारत और अमेरिका के प्रगाढ़ होते संबंधों की सनद

# बेंगलुरु में खुला अमेरिका का वाणिज्य दूतावास

**बेंगलुरु, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

भारत और अमेरिका के रिश्ते लगातार गहरे होते जा रहे हैं। इसी क्रम में, बेंगलुरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास खोला गया है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दूतावास का उद्घाटन किया। इस मौके पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, बेंगलुरु बहुत महत्वपूर्ण शहर है और यह जरूरी था कि यहां अमेरिकी राजनयिकों का स्थायी दूतावास हो। मैं जब-जब इस शहर में आया तो लोगों ने मुझसे पूछा कि कब दूतावास खुलेगा और मेरा जवाब होता था कि मैं पूरी कोशिश कर रहा हूं। यह काफी समय से लंबित था। बेंगलुरु को लेकर मेरी एक शर्त थी कि आप यहां अपना वाणिज्य दूतावास खोलो और मैं गार्सेटी के गृह नगर लॉस एंजिल्स में दूतावास स्थापित करूंगा। तो मैं आपको बता दूं कि हम अपना दूतावास लॉस एंजिल्स में खोलने वाले हैं। एक वाणिज्य दूतावास कई उद्देश्यों को पूरा करता है। इसका एक बड़ा हिस्सा यात्रा को सुविधाजनक बनाना है। जयशंकर ने कहा, आज जब हम एआई, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और ड्रोन जैसे क्षेत्रों के बारे में सोचते हैं, तो हमारे रिश्ते अब पहले से कहीं अधिक तकनीकी आधार पर होंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र अब विकसित हो रहा है, इसलिए इसमें और अधिक सहयोग होगा। रक्षा भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दो दशकों पहले हमारे पास अमेरिकी हथियार नहीं थे, लेकिन आज हम सी-17 ▶10पर

**इसी तरह भारत लॉस एंजिल्स में भी खोलेगा दूतावास: जयशंकर**

**यह अमेरिका और भारत के लिए शानदार दिन है: एरिक गार्सेटी**

---

### नाजायज दबाव के आगे नहीं झुके जस्टिस शेखर यादव

# मुस्लिमों को रूढ़ियों से मुक्त होने की सलाह पर क्यों मांगें माफी?

**प्रयागराज, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शेखर यादव ने माफी मांगने के नाजायज दबाव के आगे झुकने से साफ मना कर दिया है। उन्होंने कुछ दिनों पहले एक कार्यक्रम में मुसलमानों को कुरीतियों और रूढ़ियों से मुक्त रहने की सलाह दी थी। इसपर छद्मी सेकुलर जमातों ने बड़ा तूल खड़ा किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट भी शामिल हो गई और जस्टिस शेखर यादव पर यह आधिकारिक दबाव बनाया गया कि वे माफी मांग लें। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जस्टिस शेखर यादव पर माफी मांगने का औपचारिक रूप से दबाव बनाया। लेकिन जस्टिस यादव ने माफी मांगने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने इस बारे में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य ▶10पर

**जस्टिस शेखर यादव ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र**

---

### दिल्ली चुनाव के लिए जारी भाजपा के घोषणा-पत्र का खास नुक्ता

# सभी योजनाएं भ्रष्टाचार से मुक्त रहेंगी : नड्डा

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर दिया है। उन्होंने दिल्ली वासियों से वादा कि दिल्ली में जन कल्याण की चल रही वर्तमान योजनाएं उनकी सरकार (भाजपा) बनने के बाद भी जारी रहेंगी। योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा और उनमें सुधार किया जाएगा। उनको भ्रष्टाचार मुक्त भी किया जाएगा। भाजपा अपना संकल्प पत्र तीन चरणों में लागू करेगी। यह इसका पहला हिस्सा है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 रुपए देने का वादा किया है। इसके अलावा गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में 500 की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना को लागू किया जाएगा, योजना के तहत दिल्ली सरकार अलग से 500000 का बीमा करेगी जबकि 5 लाख का बीमा केंद्र सरकार देगी।

जेपी नड्डा ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के मोहल्ला क्लीनिक को फर्जी स्वास्थ्य सेवा करार दिया। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़ा हुआ है और 300 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। ▶10पर

**महिलाओं को 2500 मासिक और गैस सिलेंडर में 500 की छूट**

**दिल्ली में चल रही जन-कल्याण की योजनाएं पूर्ववत जारी रहेंगी**

---

### भारत सरकार का बड़ा रणनीतिक कदम

# निजी क्षेत्रों को भी परमाणु ऊर्जा सेक्टर में मौका मिलेगा

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र प्राइवेट सेक्टर से अछूता रहा है। यह विभाग सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के द्वारा कंट्रोल किया जाता है। लेकिन, अब भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने परमाणु क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोलने का फैसला किया है। इसके तहत देश की एकमात्र परमाणु ऊर्जा ऑपरेटर कंपनी भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीस-ीआईएल) ने प्रस्तावों के लिए एक अनुरोध जारी किया है। इसके तहत उद्योगों के कैप्टिव उपयोग के लिए 220 मेगावाट भारत लघु रिएक्टरों के प्रस्तावित बेड़े के निर्माण और भारत सरकार के नियमों के तहत बिजली बेचने के लिए आमंत्रित किया है। इसके लिए सरकार ने 31 मार्च तक के डेडलाइन तय की है। आधिकारियों का कहना है कि ऐसे परमाणु रिएक्टरों की स्थापना करके 2070 तक कार्बन फुटप्रिंट को शून्य तक करने का लक्ष्य रखा गया है। ▶10पर

---

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,890/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,950/- (प्रति किलोग्राम)

### मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : $29^0$

न्यूनतम : $21^0$

---

### सेकुलरिज्म का छद्म ओढ़े कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

# मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जरूरी है पूजा स्थल कानून का बचाव

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

मुगल और इस्लामी शासन के दौरान कब्जाए गए मंदिरों को वापस लेने से रोकने वाले कानून पूजा स्थल विधेयक (प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट) के बचाव और अपने छद्म सेकुलरिज्म को बनाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी मैदान में उतर आई है। कांग्रेस के कुछ पिछलग्गू दल भी उसके साथ हैं। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल कानून के समर्थन में एक याचिका दाखिल की है। कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में इस कानून की वैधता पर चल रही सुनवाई में एक पक्षकार बनने के लिए पहुंची है। कांग्रेस ने कहा है कि यह कानून देश में धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिज्म) बचाने के लिए जरूरी है। उसने कहा है कि यदि कानून में कोई बदलाव हुआ तो इससे देश का सेकुलरिज्म खतरे में आ जाएगा। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका उन याचिकाओं के विरोध में दाखिल की हैं, जिसमें इस अधिनियम को खारिज करने की मांग की गई है।

पूजा स्थल अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 17 फरवरी से सुनवाई करने जा रहा है, जिससे इन पार्टियों को ऐतराज है। इन सभी पार्टियों की संयुक्त रूप से अगुवाई कर रही है कांग्रेस। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं केसी वेणुगोपाल, उन्होंने ही शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है। अपने आवेदन में कांग्रेस ने तर्क दिया है कि पूजा स्थल अधिनियम धार्मिक समूहों के बीच समानता को बढ़ावा देने के लिए अहम है। कांग्रेस दावा करती है कि ये अधिनियम किसी भी प्रकार से धर्म की स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं करता है। कांग्रेस समेत कई दलों के द्वारा आवेदन में ये तर्क दिया गया है कि भारत में धर्मनिरपेक्षता के लिए पीओडब्ल्यू अधिनियम बहुत ही जरूरी है। इन पार्टियों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल अधिनियम को चुनौती देना धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को कमजोर करने की कोशिश है। ये तो सभी धार्मिक समूहों के बीच समानता को बढ़ावा देता है।

अब जरा उन पार्टियों के बार में भी जान लीजिए, जिन्होंने पूजा स्थल अधिनियम-1991 का विरोध कर रहे याचिकाकर्ताओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इन पार्टियों में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट), एआईएमआईएम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, आरजेडी समेत जितेंद्र आह्वाड़, मनोज कुमार झा, थोल थिरुमावलवन समेत कई अन्य सांसद शामिल हैं, जिन्होंने आ-वेदन दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पूजा स्थल अधिनियम-1991 को खत्म करने की मांग को लेकर भाजपा नेता ▶10पर

**पूजा स्थल कानून खत्म करने की मांग पर पहले से दाखिल है याचिका**

---

### कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

# तुष्टीकरण की नीति से कानून-व्यवस्था पूरी तरह खराब : विजयेंद्र

## चामराजपेट में गायों के थन काट दिए गए

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने शिकायत की कि सरकार की अल्पसंख्यकों को खुश करने की नीति के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं। गुलबर्गा में एक लड़की के साथ बलात्कार हुआ। चामराजपेट में गायों के थन काट दिए गए। उन्होंने आलोचना की कि बीदर में भी एटीएम डकैती हुई है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार इस पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है।

दूसरी ओर भ्रष्टाचार भी व्याप्त है। गुलबर्गा में एक ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली। बाद में पुलिस की गुंडागर्दी हुई। सभी को पता है कि शिकायत करने गईं ठेकेदार की बहनों के साथ उन्होंने कैसा व्यवहार किया। सिद्धरामैया की सरकार विकास का स्तर भी नहीं बढ़ा रही है। इससे पहले येदियुरप्पा जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने मैसूरु जिले को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने बताया कि सर्वांगीण विकास के लिए उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया ने इस जिले को कितने करोड़ दिए हैं। सिद्धरामैया किसी भी कारण से अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकते। कांग्रेस में जंग शुरू हुए 15 दिन हो गए हैं। कौन हथौड़ा लेकर आता है, कौन हंसिया लेकर आता है? इस बारे में जल्द ही पता चल जायेगा। सीएम पद को लेकर खींचतान जारी है। डीके शिवकुमार सीएम बनने की लड़ाई लड़ रहे हैं। आइए इंतजार करें और देखें कि यह क्या मोड़ लेगा। उन्होंने जवाब दिया कि सिद्धरामैया किसी भी वक्त अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। डी.के.शिवकुमार के साथ, 8 से 10 मंत्री महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री के रूप में कतार में हैं। उन्होंने कहा कि विकास के बिना राज्य गरीब है। कियोनिक्स के संबंध में ठेकेदार ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इच्छामृत्यु की मांग की थी। यहां ऐसी राज्य सरकार है जो विकास के बारे में सोचती ही नहीं है।

किसान भी इस सरकार को कोस रहे हैं। दूसरी ओर, सिद्धरामैया की बुद्धिमत्ता को जातीय जनगणना के नाम पर घोटाला माना जा रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर किया जा रहा है। पूर्व में जब उनकी सरकार थी तो उन्होंने 2016 में ही जातिगत जनगणना रिपोर्ट आनन-फानन में तैयार की थी। उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया खुद सीएम हैं फिर भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया। लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के उद्देश्य से जातीय जनगणना को सामने लाया जा रहा है। यह एक अवैज्ञानिक रिपोर्ट है। साथ ही उन्होंने बताया कि वीरशैव समाज समेत अन्य समाजों ने इसका विरोध किया है। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार द्वारा जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश न किए जाने पर मचे बवाल के बीच कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने गुरुवार को कहा था कि उन्होंने पाया है कि लिंगायत समुदाय की कुछ उपजातियाँ आरक्षण नीति के कारण हिंदू के रूप में पंजीकृत हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि यह राज्य सरकार द्वारा किया गया एक जाति सर्वेक्षण था और जाति जनगणना करना केंद्र सरकार का विशेषाधिकार था। कुछ भी गलत नहीं हुआ है। हमें नहीं पता कि जाति जनगणना (रिपोर्ट) में क्या है। सबसे पहले, यह जाति जनगणना नहीं है। यह केवल भारत सरकार द्वारा किया जा सकता है। यह केवल एक जाति सर्वेक्षण है। जहाँ तक लिंगायत समुदाय का सवाल है, हमने पाया है कि समुदाय में कई उपजातियाँ हैं। आरक्षण के कारण उपजातियाँ हिंदू के रूप में पंजीकृत हैं, लेकिन वे लिंगायत समुदाय का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि लिंगायत समुदाय की उपजातियों को गिनती के लिए एक छत के नीचे लाने की जरूरत है, नहीं तो यह अन्यायपूर्ण होगा। मंत्री ने कहा कि अगर रिपोर्ट सही तरीके से तैयार की गई होती, तो कोई समस्या नहीं होती। उन्होंने कहा अन्यथा, हम मुख्यमंत्री से इसे सही करने के लिए कहेंगे। हमें उन्हें एक छत के नीचे लाने और उनकी गिनती करने की जरूरत है और तभी सही तस्वीर सामने आएगी। यह मेरी मांग है। अन्यथा, यह अन्याय होगा। अगर लिंगायतों की संख्या (65,000) में उन्हें (हिंदू के रूप में पंजीकृत लोगों) को शामिल नहीं किया जाता है, तो यह गलत बात है। अगर रिपोर्ट सही तरीके से तैयार की गई है, तो हमें कोई समस्या नहीं है।

# जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स रेफरल समूह द्वारा व्यायसायिक दर्शन का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स रेफरल समूह द्वारा व्यायसायिक दर्शन का आयोजन किया गया, जिसे बड़ी खूबसूरती से रेफरल लीड नीलम साड ने अपने कार्यालय मनोरंजन फैब्रिक्स, जयनगर में आयोजित किया। इस विशेष आयोजन में जेबीएन के कुल 17 सदस्य, पूर्व जीतो बेंगलूरु साउथ महिला विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी और जेएलडब्ल्यू की सदस्य निशा जैन की उपस्थिती रही। नीलम ने अपनी यात्रा के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने एक कार्यालय से शुरूआत करके बेंगलूरु में पांच कार्यालय तक का विस्तार किया। मनोरंजन फैब्रिक्स तीन दशकों से भी अधिक पुरानी है। उन्होंने आगे बताया कि उनकी कपड़ों की शुरुआत 50 से शुरू होकर 10,000 प्रति मीटर तक जाती है।

कार्यालय में डिजाइनों, रंगों और गुणवत्ता का शानदार चयन मौजूद है, जो हर किसी की जरूरतों को पूरा करता है। उनके पास आंतरिक उत्पादन और डाइंग की सुविधा है। साथ ही वे भारत के बाहर से भी आयात करते हैं। विशेष आवश्यकता होने पर वे किसी भी प्रकार का कपड़ा प्राप्त करवा सकते हैं। कार्यालय यात्रा ने एक समृद्ध अनुभव प्रदान किया, जिसमें कपड़ों का व्यापक संग्रह प्रदर्शित किया गया। यह संग्रह न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पुरुषों और बच्चों के लिए भी था। प्रतिभागियों ने व्यापारिक जानकारियों के साथ-साथ एक गर्मजोशी भरे वातावरण का आनंद लिया। स्वादिष्ट भोजन परोसा गया, और नीलम ने सभी को उपहार भी भेंट किए, जो इस आयोजन में एक व्यक्तिगत और खास अहसास लेकर आया। इस कार्यालय यात्रा की सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सेक्रेटरी ज्योति कोचट्टा ने नीलम को इस आयोजन को इतनी खूबसूरती से आयोजित करने और इसे यादगार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। यह आयोजन जुड़ने, सीखने और साझा रुचियों को मनाने का एक शानदार अवसर साबित हुआ।

# राजस्थान परिषद की नव गठित टीम का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद की नवगठित टीम का शपथ ग्रहण समारोह तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में आयोजित किया गया।

केयरटेकर कमेटी के सदस्य सुशील चौरडिया, सूरज चिंडालिया और विकास लोढ़ा ने नवमनोनीत अध्यक्ष संजय बैद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। संजय बैद ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष आलोक सेठिया, पन्नालाल लुनिया, विक्रम श्रीमाल, मंत्री रजत बैद, सहमंत्री ऋषभ बरडिया, तरुण पटावरी, संगठन मंत्री राजेश छाजेड़, कोषाध्यक्ष पंकज बैद सहित परामर्शक मंडल एवं कार्यसमिति सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। साथ ही शिक्षा चिकित्सा संपोषण समिति का दायित्व सुनील सुराणा, सांस्कृतिक कार्यक्रम का दायित्व राकेश छाजेड़, मीडिया संबंधी दायित्व दिनेश मरोठी व खेलकूद कमेटी का दायित्व सूरज चिंडालिया और डायरेक्टरी का दायित्व सुशील चोरड़िया को प्रदान गया। नवमनोनीत अध्यक्ष संजय बैद ने सभी के सहयोग की कामना की एवं परिषद् की गरिमा की अभिवृद्धि का प्रण लिया। सान्निध्य प्रदाता मुनि मोहजीतकुमारजी ने नव मनोनीत टीम को प्रेरणा देते हुए फरमाया कि शपथ पत्र में उल्लेखित सूत्रों के अनुसार अगर संस्थागत कार्य करें तो कोई भी संस्था शिखर का आरोहण कर सकती है। मुनि ने सभी को नशामुक्त रहने की भी प्रेरणा प्रदान की। मुनि भव्य कुमार जी ने गीतिका द्वारा परिषद के प्रति दायित्वबोध करवाया। मुनि जयेशकुमारजी ने एक कथानक के माध्यम से सामंजस्यता और आपसी सौहार्द का मंत्र कार्यकारिणी को प्रदान किया। कार्यक्रम में जीतो नॉर्थ विंग के अध्यक्ष विमल कटारिया, अर्हम् मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, विजयनगर परिषद अध्यक्ष मनोज बैद, पूर्व अध्यक्ष बालचंद चंडालिया ने अपनी शुभकामनाएं संप्रेषित की।

# सीएम सिद्धरामैया ने धन आवंटन को लेकर एनडीए सरकार की आलोचना की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को एनडीए सरकार पर कर्नाटक को धोखा देने का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्यों को आवंटित 1,73,030 करोड़ रुपये में से कर्नाटक को केवल 6,310 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले आवंटन से काफी कम है। सिद्धरामैया ने इसे चौंकाने वाला अन्याय करार दिया, जो कर्नाटक के लोगों की कड़ी मेहनत का मजाक उड़ाता है। उन्होंने कहा एनडीए सरकार का कर्नाटक के साथ विश्वासघात पूरे जोरों पर जारी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय बजट में कर्नाटक का हिस्सा स्थिर हो गया है। यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, 2018-19 में राज्य को 46,288 करोड़ रुपये मिले, लेकिन 2024-25 में उसे केवल 44,485 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें अतिरिक्त 15,299 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है। उन्होंने कहा भारत की आबादी का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, कर्नाटक देश की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत का योगदान देता है। हम जीएसटी संग्रह में दूसरे स्थान पर हैं और 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ जीएसटी वृद्धि में देश का नेतृत्व करते हैं। हालांकि, कर्नाटक के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, केंद्रीय बजट 2018-19 में 24.42 लाख करोड़ रुपये से दोगुना होकर 2024-25 में 48.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है, फिर भी कर्नाटक का हिस्सा स्थिर है। 2018-19 में, कर्नाटक को 46,288 करोड़ रुपये मिले, लेकिन 2024-25 में इसे केवल 44,485 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें अतिरिक्त 15,299 करोड़ रुपये का अनुदान है। इतना योगदान देने वाले कर्नाटक को सालाना कम से कम 1 लाख करोड़ रुपये मिलने चाहिए, लेकिन उसे उसका वाजिब हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आगे सवाल उठाया कि सालाना 4.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान देने के बावजूद राज्य को कर में केवल 45,000 करोड़ रुपये और अनुदान में 15,000 करोड़ रुपये ही मिले। उन्होंने कहा कर्नाटक, जो राष्ट्रीय खजाने में सालाना 4.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है, उसे कर में केवल 45,000 करोड़ रुपये और अनुदान में 15,000 करोड़ रुपये क्यों मिलने चाहिए, जो हमारे द्वारा दिए गए हर एक रुपये के लिए मात्र 13 पैसे है? 15वें वित्त आयोग ने कर्नाटक के कर में कटौती की है। उन्होंने कहा कर में हिस्सेदारी 4.713 प्रतिशत से घटकर 3.647 प्रतिशत हो गई, जिससे हमें पांच साल में 79,770 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इन नुकसानों की भरपाई के लिए 5,495 करोड़ रुपये के अनुशंसित विशेष अनुदान को भी मोदी सरकार ने अस्वीकार कर दिया।

सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि कर्नाटक अपने कर योगदान का उचित हिस्सा पाने का हकदार है और राज्य के लिए न्याय की मांग करता है। उन्होंने सभी कन्नड़ लोगों से जाति, धर्म या राजनीति की परवाह किए बिना एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आग्रह किया। कर्नाटक अपने अद्वितीय योगदान के बावजूद, अपने दम पर संघर्ष करने के लिए छोड़ दिया गया है। जबकि हमारे कर के पैसे से यूपी, बिहार और एमपी में भाजपा नेताओं के खजाने भरते हैं, हमारे लोग बाढ़, सूखे और अन्य संकटों के दौरान पीड़ित होते हैं। यह अन्याय एक जवाब की मांग करता है। कर्नाटक अब इस पक्षपात को बर्दाश्त नहीं करेगा। हम जाति, धर्म और राजनीति से ऊपर उठकर हर कन्नड़ व्यक्ति से इस भेदभाव के खिलाफ उठने का आह्वान करते हैं।

# गृह मंत्री ने जन प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं के साथ की बैठक

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने विधानसौधा हॉल में चिक्कमगलूरु जिले के विधायकों, जन प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं के साथ एक परामर्श बैठक की। बैठक में गृह मंत्री ने चिक्कमगलूरु जिले के जन प्रतिनिधियों, धार्मिक नेताओं और विभिन्न संगठनों के नेताओं से सलाह ली और कहा कि रिकॉर्ड स्थायी हैं। इस संबंध में कानूनी सलाह ली जानी चाहिए।

कर्नाटक का देश में अच्छा नाम है। इस मुद्दे को ज्यादा दिनों तक आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। शांति एवं सद्भाव स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस समस्या का स्थायी समाधान करने का निर्णय लिया है। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चंद्रद्रोण पर्वत पर स्थित दत्तात्रेय बाबा बुदनगिरी दरगाह कर्नाटक में प्रेरणा का स्थान है। उन्होंने कहा कि अगर 1975 तक किसी तरह के कार्यक्रम होते थे तो उसके बाद के दिनों में हमने कई तरह के भ्रम देखे। सरकार ने समस्या के समाधान के लिए कई प्रयास किये हैं।

हमने देखा है कि हिंदू और मुस्लिम समुदायों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। कैबिनेट की समिति और उप-समितियों का गठन किया गया है और दस्तावेजों की समीक्षा की गई है और अदालत को सूचित किया गया है और निर्णय आए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दत्तात्रेय बाबा बुदनगिरी दरगाह विवाद को सुलझाने के लिए कैबिनेट उप समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा कि अब तक चार बैठकें हो चुकी हैं, कई दस्तावेजों की जांच की जा चुकी है और मुकदमे के लिए जरूरी जानकारी कोर्ट को दी जा चुकी है।

7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को 24 मार्च तक अपनी राय पेश करने का निर्देश दिया था।

इस पृष्ठभूमि में, चिक्कमगलूरु जिले के जन प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं से परामर्श किया गया है और उनकी राय और सुझाव प्राप्त किए गए हैं। अगले सप्ताह हम कैबिनेट उपसमिति की बैठक बुलाकर जन प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं द्वारा दिए गए सुझावों और दस्तावेजों की समीक्षा करेंगे और अदालत को सूचित करेंगे।

उसके बाद न्यायालय से जो निर्णय आएगा उसके अनुसार कार्य करेंगे। इस अवसर पर परिवहन और मुजराई मंत्री रामलिंगारेड्डी, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, आवास और वक्फ मंत्री जमीर अहद खान, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, विधायक एचडी तम्माया, नयना, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि और धार्मिक नेता शामिल थे। बैठक में जिले के अधिकारी भी उपस्थित थे।

# निराश्रितों को कराया भोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए गुरुकुल विद्यापीठ, केंगेरी में निवासित 88 निराश्रितों को स्वर्गीय मोहिनी देवी बैद की तृतीय पुण्य तिथि पर हनुमानमल, संजय, मनोज बैद परिवार (नोखा) बेंगलूरु के सहयोग से मध्याह्न भोजन करवाया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ हुआ। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत कर कहा कि परिषद द्वारा समय समय पर इस प्रकार की सेवा कार्य कर जरूरतमंदों की मदद की जाती है। संजय बैद ने तेयुप द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सेवा कार्य करवा कर मन में प्रसन्नता होती है। इस अवसर पर परिषद् से अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, मंत्री सुपार्श पटावरी, सेवा कार्य सहप्रभारी पंकज बैद, निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने अपने समय का विसर्जन कर सेवा कार्य में सहयोग किया। सेवा कार्य सहप्रभारी पंकज बैद ने बैद परिवार का आभार व्यक्त किया।

## मेंगलूरु में आरजीयूएचएस क्षेत्रीय केंद्र की आधारशिला रखी

# सरकारी अस्पतालों को निजी अस्पतालों के मानकों से मेल खाने का प्रयास करना चाहिए: सीएम

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को आबकारी भवन के पास मैरीहिल में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) क्षेत्रीय केंद्र की आधारशिला रखी। समारोह के दौरान, सीएम ने आरजीयूएचएस क्षेत्रीय केंद्र के लिए स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैंने 2024-2025 के बजट में इस परियोजना की घोषणा की थी, जो अब आज के शिलान्यास समारोह में समाप्त हो गई है। क्षेत्रीय केंद्र से क्षेत्र के छात्रों और अभिभावकों को बहुत लाभ होगा क्योंकि उन्हें बेंगलूरु जाने की आवश्यकता नहीं होगी। राजीव गांधी विश्वविद्यालय एशिया के सबसे बड़े संस्थानों में से एक है, और यह विकास इसकी पहुँच को बढ़ाता है। उन्होंने आगे विशेष रूप से वंचित समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा सरकारी अस्पतालों को निजी अस्पतालों के मानकों से मेल खाने का प्रयास करना चाहिए। दक्षिण कन्नड़ एक शिक्षा और चिकित्सा केंद्र होने के बावजूद, इसमें एक सरकारी मेडिकल कॉलेज की कमी है। हमें आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को डॉक्टर बनने में मदद करने के लिए एक स्थापित करना चाहिए। अन्य सरकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, सीएम ने उल्लेख किया युवा निधि योजना के तहत दो लाख स्नातकों ने नामांकन किया है। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 5,000 मरीज किडनी प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए अंग दान प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी। प्रस्तावित क्षेत्रीय केंद्र, जिसकी लागत 50 करोड़ रुपये है, में आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी और सीएम ने इसके निर्माण में गुणवत्ता का आग्रह किया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ शरण प्रकाश पाटिल ने पहल की प्रशंसा करते हुए कहा यह क्षेत्रीय केंद्र छात्रों को बेंगलूरु की यात्रा करने की आवश्यकता को कम करेगा और इसमें एक कौशल विकास केंद्र भी शामिल होगा। सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार, अस्पतालों को बढ़ाने और कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रमुख उपस्थित लोगों में स्पीकर यू टी खादर, जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव, आरजीयूएचएस के प्रो-कुलपति डॉ शरण प्रकाश पाटिल, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधायक डॉ भरत वाई शेट्टी, एमएलसी मंजूनाथ भंडारी, मेयर मनोज कुमार, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. सुजाता राठौर और आरजीयूएचएस के कुलपति डॉ एम के रमेश शामिल थे। इस कार्यक्रम में लगभग 1,500 छात्र और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर शामिल हुए। कुलपति डॉ एम के रमेश ने स्वागत भाषण दिया, जबकि चेतन शेट्टी ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। 1996 में स्थापित, बेंगलूरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एशिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसमें कर्नाटक भर में 1,200 से अधिक संबद्ध संस्थान शामिल हैं। विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान सहित विविध विषयों में नैदानिक प्रथाओं में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करता है। आरजीयूएचएस ने स्थानीय छात्रों, शिक्षकों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई क्षेत्रीय केंद्र शुरू किए हैं। इन केंद्रों को संचालन को विकेंद्रीकृत करने, संसाधनों तक पहुँच में सुधार करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। मेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य सेवा शिक्षा को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसमें सिमुलेशन लैब, अनुसंधान केंद्र और मनोरंजक सुविधाएँ शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में नए मानक स्थापित करता है।

## फॉरेंसिक जांच में हुई पुष्टि

# सीटी रवि ने सदन में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर का किया अपमान

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

एमएलसी सीटी रवि ने कथित तौर पर सदन में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। सीआईडी सूत्रों ने यह जानकारी दी। मूल वीडियो अब सीआईडी के पास उपलब्ध है। मामला सीआईडी को सौंप दिया गया। जब राज्य प्रशासन और कार्मिक सुधार विभाग द्वारा दिए गए सदन के वीडियो की जांच की गई, तो पाया गया कि फोरेंसिक जांच में सीटी रवि द्वारा गैर-भाषण के उपयोग की पुष्टि की गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चार घंटे की वीडियो रिकॉर्डिंग में कुल सात बार नॉन-स्पीच का इस्तेमाल हुआ, सीआईडी ने नॉन-स्पीच के इस्तेमाल का पता लगाने के लिए सीटी रवि की आवाज का नमूना लेने का फैसला किया है। लेकिन सीटी रवि कह रहे हैं कि उन्होंने अनकहे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने वॉयस सैंपल देने से भी इनकार कर दिया। ऐसे में सीआईडी ने कोर्ट के माध्यम से पूछताछ कर आवाज का नमूना हासिल करने का फैसला किया है। सीआईडी सीटी रवि की आवाज का नमूना लेने के लिए तैयार थी। हालांकि, सीटी रवि ने इनकार कर दिया। अंततः सीआईडी को डीपीएआर से मूल वीडियो मिल गया। सीआईडी ने राज्य प्रशासन और कार्मिक सुधार विभाग (डीपीएआर) से बेलगावी सत्र के दौरान उच्च सदन में हुई घटनाओं का वीडियो-ऑडियो रिकॉर्ड प्रदान करने का अनुरोध किया, 4 घंटे का वीडियो जो दुर्व्यवहार के दौरान फिल्माया गया था, को सीआईडी को सौंप दिया गया। बेलगावी शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन 19 दिसंबर को विधान परिषद में भाजपा और कांग्रेस सदस्यों के बीच नोकझोंक हो गई। सिटी रवि पर आरोप है कि उन्होंने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के साथ गाली-गलौज के दौरान असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। इस संबंध में हिरेबगेवाड़ी पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

# बीदर एटीएम डकैती मामले में हैदराबाद से एक संदिग्ध गिरफ्तार

**बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।**

पुलिस ने कथित तौर पर हैदराबाद के उन बदमाशों की पहचान कर ली है, जिन्होंने बीदर में एटीएम से पैसे निकालने के दौरान व्यक्ति की हत्या और लूट कर कर्नाटक को दहला दिया था। साथ ही एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी का बीदर में डकैती से कोई संबंध है? इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने बदमाशों से पूछताछ की है और सच्चाई बाद में सामने आएगी। गुरुवार सुबह 10 बजे बीदर में एटीएम में पैसे भरने के लिए गाड़ी ले जाते वक्त लुटेरे अचानक घुस आए और पैसों से भरा बक्सा छीन ले गए। इस समय तक, एक सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दूसरे को भी गोली मार दी गई और उसका हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पैसे लूटने वाले लुटेरे बीदर से हैदराबाद और वहां से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर जाने की तैयारी में थे। उसकी निशानदेही पर बीदर से पुलिस की एक टीम हैदराबाद गई। उन्होंने रोशन ट्रैवल्स से हैदराबाद से रायपुर के लिए रात का टिकट बुक किया था। इसी दौरान जब वह एक बड़ा बैग लेकर संदिग्ध बस में चढ़ने ही वाले थे तभी ट्रैवल्स मैनेजर जांच करने के लिए आगे आया। इससे परेशान लुटेरों ने ट्रैवल मैनेजर पर गोली चला दी और भागने की कोशिश की। इशारा पाकर पुलिस ने छिपने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी को बीदर लाया गया है और यह पता लगाया जाएगा कि उसका डकैती मामले से कोई संबंध है या नहीं। यह मामला इसलिए प्रकाश में आया क्योंकि हैदराबाद से रायपुर के लिए निकलते समय लुटेरों ने ट्रैवल मैनेजर से उस समय झगड़ा कर लिया जब उसने बैग की जांच करने की सलाह दी। जब आरोपियों की मैनेजर से बहस हुई तो स्टाफ ने बैग चेक किया। जिसमें भारी मात्रा में नकदी मिली। इसका संबंध बीदर घटना से है या नहीं, इसकी जांच के दौरान ही एक हमलावर ने गोली मारकर भागने की कोशिश की। हालांकि पुलिस और ट्रैवल स्टाफ एक को गिरफ्तार करने में कामयाब रहे। मालूम हो कि वह हैदराबाद की अफजलगंज पुलिस की हिरासत में था और बाद में उसे बीदर पुलिस को सौंप दिया गया। यह घटना बीदर के मध्य में शिवाजी सर्कल के पास एसबीआई बैंक के मुख्य कार्यालय के पास हुई। जिला कलेक्टर का कार्यालय भी पास में ही संचालित है। इस घटना में वेंटाकागिरी नाम के एक स्टाफ सदस्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य स्टाफ सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। जिले के प्रभारी और वन मंत्री ईश्वर खंड्रे गुरुवार रात हैदराबाद के लिए रवाना हुए और घटना में घायल हुए कर्मचारियों को उचित इलाज मुहैया कराने के लिए अस्पताल के डॉक्टरों से बात की है।

## भाजपा द्वारा प्रायोजित झूठी खबरों पर विश्वास न करें

# डीके शिवकुमार राज्य प्रमुख के रूप में बने रहेंगे: सुरजेवाला

**बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को राज्य पार्टी के नेतृत्व में किसी भी बदलाव से इनकार करते हुए कहा कि डीके शिवकुमार पद पर बने रहेंगे। बेलगावी सांबरा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि राज्य इकाई में कोई अंदरूनी कलह नहीं है और राज्य पार्टी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। मुझे मंत्री जारकीहोली को नोटिस जारी किए जाने के बारे में पता नहीं है। मुझे नहीं पता कि इस संबंध में झूठी खबर कौन फैला रहा है। किसी भी मंत्री या नेता को नोटिस जारी करने का कोई कारण नहीं है। मंत्री जारकीहोली ने शिवकुमार को राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में बदलने की मांग की थी। सुरजेवाला ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा नेता कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह के बारे में अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा भाजपा द्वारा प्रायोजित झूठी खबरों पर विश्वास न करें। सूत्रों ने बताया कि सुरजेवाला मंत्री जारकीहोली के साथ बैठक करने जा रहे हैं, जो नेतृत्व परिवर्तन के बारे में बयान दे रहे हैं और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटाने की जोरदार मांग कर रहे हैं। गृह मंत्री जी. परमेश्वर, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना और समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा भी बिना किसी झिझक के बयान दे रहे हैं, जिससे उपमुख्यमंत्री शिवकुमार नाराज हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस साल नवंबर में मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा पेश करना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से नाराज मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खेमे ने शिवकुमार को प्रदेश पार्टी अध्यक्ष पद से हटाने की मांग शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खेमे ने विधायकों की डिनर पार्टियों का आयोजन शुरू कर दिया है, लेकिन शिवकुमार उन्हें रोकने में सफल रहे हैं। हालांकि, वरिष्ठ मंत्री परमेश्वर और सतीश जारकीहोली मांग कर रहे हैं कि अगर नेतृत्व परिवर्तन होता है तो उन्हें मौका दिया जाना चाहिए, क्योंकि वे दलित समुदाय से आते हैं और राज्य ने आज तक कभी दलित मुख्यमंत्री नहीं देखा है। सूत्रों के अनुसार मंत्री एमबी पाटिल दावा कर रहे हैं कि लिंगायत समुदाय पर विचार किया जाना चाहिए। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा कि सिद्धरामैया के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का समय आ गया है। विजयेंद्र ने कहा मेरे सूत्रों के अनुसार, सीएम सिद्धरामैया के लिए कर्नाटक के सीएम पद से इस्तीफा देने का समय आ गया है। मुझे बताया गया कि सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच उनके हाईकमान स्तर पर एक आंतरिक समझौता हुआ है। लेकिन, सिद्धरामैया राज्य के सीएम के रूप में बने रहना चाहते हैं। वह शिवकुमार या किसी अन्य नेता को सीएम का पद देने के मूड में नहीं हैं। विजयेंद्र ने कहा कि राजन्ना या अन्य मंत्री शिवकुमार को राज्य कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

### हालिया घटनाक्रम पर गहरी नाराजगी

इससे पहले केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने गुरुवार को कहा था कि यदि किसी को पद की आवश्यकता हो तो उसे हाईकमान के संज्ञान में लाया जाए। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि मीडिया के माध्यम से बयान देने से अवसर नहीं मिलेगा। शहर में हवाई अड्डे के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस के हालिया घटनाक्रम पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा अब तक किसी भी नेता के बचाव में लगभग शांति से बोलने वाले डी.के.शिवकुमार ने पहली बार सतीश जारकीहोली के रवैये की आलोचना की है। उन्होंने कहा मीडिया कोई नौकरी नहीं देता। पार्टी के नेता उनके काम को देखते हैं और अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा है कि मीडिया में बयान देना ठीक नहीं है। पार्टी के नेता दर्जा पहचानते हैं और पुरस्कार देते हैं। क्या कोई मीडिया के माध्यम से पोस्ट मांगता है? मंत्री सतीश जारकीहोली और केएन राजन्ना के विवादित बयानों पर टिप्पणी करने से इनकार करने वाले डीके शिवकुमार मीडिया से संबंधित मंत्री से सवाल पूछने की बात कहकर गुस्से में चले गए। हाल के दिनों में जारकीहोली, के.एन.राजन्ना ने खुलेआम डी.के.शिवकुमार के खिलाफ बयान दिया था। उन्होंने दावा किया कि केपीसीसी अध्यक्ष को बदलना चाहिए और एक व्यक्ति के लिए केवल एक ही पद है।

## भाजपा द्वारा दायर मानहानि मामला

# कोर्ट ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर लगाई रोक

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मई 2023 में राज्य विधानसभा के चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यधारा के समाचार पत्रों में अपमानजनक विज्ञापन जारी करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई द्वारा दर्ज मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने शुक्रवार को गांधी द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया, जिन्होंने मानहानि मामले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें उन्हें आरोपी नंबर 4 के रूप में आरोपित किया गया है। विवादास्पद विज्ञापन में भाजपा सरकार पर राज्य में अपने 2019-23 के शासन के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। जून 2023 में, गांधी कर्नाटक के पूर्व और वर्तमान सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के लिए मजिस्ट्रेट की विशेष अदालत के समक्ष अदालत के निर्देश पर व्यक्तिगत रूप से पेश हुए क्योंकि वे कई समन का जवाब देने में विफल रहे थे। दिसंबर 2024 में विशेष अदालत ने शर्तें लगाकर मानहानि मामले की सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से उन्हें स्थायी छूट दे दी थी। विशेष अदालत ने शर्तें लगाईं कि गांधी को यह वचन देना होगा कि वह आरोपी के रूप में अपनी पहचान पर विवाद नहीं करेंगे, उनके अधिवक्ता कार्यवाही की सभी तिथियों पर उपस्थित रहेंगे और उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। यह भी वचन देना होगा कि उनकी अनुपस्थिति में साक्ष्य लेने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। विशेष अदालत ने यह स्पष्ट किया कि जब भी अदालत उन्हें निर्देश दे, उन्हें पेश होना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता के रूप में उनकी भूमिका और जिम्मेदारी को देखते हुए छूट दी गई थी। जून 2023 में दायर अपनी शिकायत में भाजपा ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान कर्नाटक के सभी मुख्यधारा के समाचार पत्रों में 5 मई, 2023 को आरोपी व्यक्तियों द्वारा जारी विज्ञापनों में 'भ्रष्टाचार दर कार्ड' शीर्षक के तहत 'झूठे, निराधार और लापरवाह' आरोप लगाए गए थे।

# कर्नाटक सरकार 2,500 करोड़ की लागत से स्थापित करेगी उत्कृष्टता केंद्र

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

नए नवाचारों और उभरती प्रौद्योगिकियों की जरूरतों के अनुरूप उच्च शिक्षा को आकार देने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने लगभग 2,500 करोड़ की लागत से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। राज्य मंत्रिमंडल ने उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए विश्व बैंक के ऋण को मंजूरी दे दी है, और सरकार ने बैंक को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी प्रस्तुत की है। केंद्र का स्थान अभी तय नहीं हुआ है। केंद्र का उद्देश्य उच्च शिक्षा में कौशल विकास पर जोर देना, उद्योगों की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना और शिक्षा के साथ-साथ उद्यमिता विकसित करना है। उदाहरण के लिए, विभिन्न कारणों से, सिविल, मैकेनिकल और अन्य इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम वर्तमान में बंद होने की प्रक्रिया में हैं। हालांकि, ये बुनियादी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अभी भी प्रासंगिक हैं।

सरकार का लक्ष्य उद्योग विकास और नए नवाचारों के अनुसार नए कौशल को अपनाकर इन पाठ्यक्रमों को छात्रों के लिए अधिक प्रासंगिक और आकर्षक बनाना है। उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर ने कहा उत्कृष्टता केंद्र मुख्य रूप से उच्च शिक्षा से संबंधित है, और इसमें कौशल विकास को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, पाठ्यक्रम को कौशल विकास के आधार पर लागू किया जाएगा और छात्रों को गंभीर अध्ययन के लिए जगह प्रदान करने के लिए क्रेडिट सिस्टम अपनाया जाएगा। इंटर्नशिप मॉडल में कौशल विकास को लागू करने के बजाय, इसे उद्योगों की जरूरतों के अनुसार पहले सेमेस्टर से ही पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कुल 2,500 करोड़ रुपये में से, राज्य सरकार लगभग 750 करोड़ रुपये प्रदान करेगी। शेष राशि विश्व बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त की जाएगी। यह परियोजना चार साल के भीतर लागू की जाएगी। केंद्र को पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग और मानविकी छात्रों को लाभान्वित करने के लिए विकसित किया जाएगा। मंत्री ने बताया, इन केंद्रों में सभी विभागों के लिए 60 प्रतिशत मानक टेम्पलेट्स का उपयोग करने की अनुमति होगी। शेष 20 प्रतिशत का उपयोग उभरती हुई प्रौद्योगिकी नवाचार और अन्य 20 प्रतिशत का उपयोग स्टार्ट-अप के लिए किया जाएगा। यह छात्रों के लिए अधिक फायदेमंद होगा।

## बलात्कार के आरोपी ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की, पैर में लगी गोली

**बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।** जिले के तोरांगल कस्बे में गुरुवार को बलात्कार के एक आरोपी को पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश करते समय पैर में गोली मार दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुलिस कर्मियों पर तब हमला किया, जब उसे महाजर (अपराध स्थल की जांच के विवरण से संबंधित अभिलेखों का दस्तावेजीकरण) करने के लिए अपराध स्थल पर लाया गया था। आरोपी की पहचान विजयनगर जिले के कमलापुरा निवासी 26 वर्षीय मंजूनाथ के रूप में हुई है। बलात्कार की घटना सोमवार को हुई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तीन टीमें बनाईं और मंजूनाथ को कोप्पल जिले के हुल-ागी से गिरफ्तार कर लिया गया। जब उसे जांच प्रक्रिया के तहत अपराध स्थल पर लाया गया, तो उसने पुलिस कांस्टेबल रघुपति पर हमला किया और भागने की कोशिश की। पुलिस उपनिरीक्षक डाकेश ने आरोपी पर गोली चलाई और उसके दाहिने पैर में गोली लगी। आरोपी को अस्प-ताल में भर्ती कराया गया था। 13 जनवरी को, आरोपी ने नशे की हालत में नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी मंजूनाथ ने लड़की की हरकतों पर नजर रखी और जब वह अपने घर के सामने खेल रही थी, तो उसे अपने साथ ले गया। आरोपी की हरकतें सीसीटीवी में कैद हो गई थीं। बच्ची को अंदरूनी चोटें लगी थीं और बहुत ज्यादा खून बह रहा था। लड़की को खोजने के बाद, लोगों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया और डॉक्टरों ने उसकी सर्जरी की।

# बीदर में दो सुरक्षा गार्डों की हत्या के आरोपी की पहचान हुई, पकड़ने की कोशिश जारी: गृह मंत्री

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बताया कि गुरुवार को बीदर में सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या करने और एसबीआई एटीएम में भरने के लिए रखी 93 लाख रुपये की नकदी लूटने वाले दो लुटेरों की पहचान कर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को पकड़ने की कोशिश जारी है। पुलिस की टीमों मध्य प्रदेश के इंदौर और अन्य संभावित स्थानों पर गई है, जहां से आरोपी संबंधित हो सकते हैं। राज्य गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस मामले में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा दोनों की पहचान कर ली गई है। उनका पीछा किया जा रहा है। उनके अनुसार, आरोपी अपराध के बाद हैदराबाद भाग गए। आरोपी मौके से बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। वह अपने साथ नकदी से भरा ट्रंक भी ले गए। परमेश्वर ने कहा, आमतौर पर जब इतनी बड़ी मात्रा में नकदी ले जाया जाता है तो बंदूकधारी साथ रहते हैं। दुर्भाग्य से, गुरुवार का वाहन में कोई बंदूकधारी नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि आर-ोपी ने लंबे समय तक कैश ट्रांसपोर्टेशन मेकानिज्म की निगरानी की होगी और अपराध को अंजाम दिया होगा। गुरुवार को बीदर में एसबीआई एटीएम में भरने के लिए रखी गई नकदी को लूटने के लिए उन्होंने सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों सुरक्षा गार्डों की पहचान गिरि वेंकटेश और शिव काशीनाथ के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि दोनों गार्ड सीएमएस एजेंसी के स्टाफ थे। स्टाफ सुबह के 11:30 बजे एटीएम में पैसे भरने आए थे। सूत्रों ने बताया कि लूटेरों ने उन पर आठ गोलियां चलाई।

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *अविनाश योगा एंड एरोबिक इंस्टीट्यूट द्वारा हेब्बाल स्थित यूएएस सभागार में आयोजित नेशनल योगासन चैंपियनशिप 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को स्वामी विवेकानंद आइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के कई पदाधिकारी मौजूद थे।*

## बैडमिंटन खेलते समय युवक की गिरकर मौत

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** एक दुखद घटना में, अड्डुर के मूल निवासी और आइवरी टॉवर, अत्तावर के वर्तमान निवासी शरीफ के बेटे शहीम (20) की बुधवार शाम को फ्लिर में खेलते समय गिरकर मौत हो गई। यह घटना बुधवार शाम को हुई जब शहीम दोस्तों के साथ बैडमिंटन खेल रहा था। वह अचानक कोर्ट पर गिर गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने घोषणा की कि जब तक वह पहुंचा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शहीम शहर के एक निजी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था।

# पंपसेट चोरी मामला : किसानों ने पुलिस लापरवाही के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
पंप सेट की चोरी की जांच में कोनाजे पुलिस द्वारा लापरवाही का आरोप लगाते हुए कर्नाटक राज्य रायता संघ (हसिरू सेने) प्रतिनिधिमंडल ने मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना उल्लाल तालुक के हरेकल गांव के कुट्टीमोगारू में हुई, जहां 10 दिन पहले सुजाता टी नाइक का 50 वर्षीय 10 एचपी का इलेक्ट्रिक पंप उसके खेत से चोरी हो गया था। कोनाजे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अधिकारी अपराधियों को पकड़ने में विफल रहे हैं, जिससे अन्य किसानों में भय का माहौल है।

कुट्टीमोगारू इलाका, जो अपने धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है, कथित तौर पर स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी निगरानी की कमी के कारण नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों का केंद्र बन गया है। कहा जाता है कि युवा रात 11 बजे के बाद यहां इकट्ठा होते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की चिंता बढ़ जाती है। दिन में अनियमित वोल्टेज के कारण पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को रात में अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

इन मुद्दों के जवाब में, प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त से न केवल पंप चोरी में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने बल्कि क्षेत्र में ड्रग माफिया को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया है। प्रतिनिधिमंडल में राज्य सचिव मनोहर शेट्टी नादिकम्बलगुट्टू, जिला अध्यक्ष श्रीधर शेट्टी बैलुगुट्टू, भास्कर राय संपीगेड्डी, भास्कर सफालिगा तुम्बे और सुदेश मैया बंटवाल शामिल थे।

## जबरन शारीरिक संबंध बनाने पर नौवीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या की

**गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।**
जले में दो युवकों द्वारा कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के बाद नौवीं कक्षा की छात्रा द्वारा आत्महत्या करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मृतक लड़की (15) नौवीं कक्षा की छात्रा थी। पीड़िता ने अपने घर पर उस समय फांसी लगा ली, जब घर पर कोई मौजूद नहीं था। घटना गदग जिले के गंजेंद्रगढ़ कस्बे के बनगरा कॉलोनी में हुई। परिवार ने आरोप लगाया है कि 18 वर्षीय मुत्तुराज म्यागेरी और 19 वर्षीय जुनैदसाब कंडागल ने पीड़िता को प्यार में फंसाने और संबंध बनाने के लिए प्रताड़ित किया। यातना बर्दाश्त न कर पाने पर उसने आत्महत्या कर ली। दोनों आरोपियों ने दावा किया कि वे खुशी से प्यार करते थे और उसे परेशान करते थे। जब उन्होंने उसे संबंध बनाने के लिए मजबूर किया, तो खुशी ने परिवार से शिकायत की। बुजुर्गों ने आरोपियों को खुशी को परेशान न करने की चेतावनी दी। चेतावनी के बावजूद दोनों आरोपियों ने उसका पीछा किया और उसे प्रताड़ित करना जारी रखा। यातना बर्दाश्त न कर पाने पर लड़की ने अपनी जान दे दी। खुशी के परिजनों ने गजेंद्रगढ़ थाने में मुत्तुराज म्यागेरी और जुनैद साहब कंदागल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पूर्व मंत्री और भाजपा नेता कलकप्पा बंदी ने घटना की निंदा की है और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। परिवार और हिंदू कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि यह लव जिहाद का मामला है और पुलिस को इस एंगल से घटना की जांच करनी चाहिए। कर्नाटक के हुब्बल्ली शहर में कॉलेज परिसर में धोखा खाए प्रेमी फैयाज कोंडीकोप्पा द्वारा एमसीए छात्रा नेहा हिरेमठ की हत्या की सनसनीखेज घटना ने कर्नाटक में लव जिहाद पर बहस छेड़ दी है। 18 अप्रैल, 2024 की शाम को फैयाज ने उस पर चाकू से हमला किया, उसे बार-बार चाकू मारा और उसकी हत्या कर दी। हालांकि, कर्नाटक पुलिस ने एमसीए छात्रा नेहा हिरेमठ हत्या मामले में हुब्बल्ली कोर्ट में पेश किए गए अपने आरोप पत्र में लव जिहाद के एंगल को खारिज कर दिया और कहा कि शादी से इनकार करने के कारण उसकी हत्या हुई। आरोप पत्र में पूरी तरह से लव जिहाद का जिक्र नहीं किया गया है।

## हथियारबंद गिरोह ने कोटेकर बैंक में दिनदहाड़े लूटा सोना और नकदी

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कोटेकर कोऑपरेटिव सोसाइटी बैंक के के.सी. रोड शाखा में दिनदहाड़े पांच हथियारबंद लोगों के एक गिरोह ने डकैती की। फिएट कार में सवार होकर आए लुटेरों ने हथियार दिखाकर बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों को धमकाया। बैंक से सोने के सारे गहने और नकदी लूटकर वे मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि गिरोह मेंगलूरु की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस दुस्साहसिक अपराध में शामिल अपराधियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

## बस में अनाधिकृत टिकट काटने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
केएसआरटीसी बस में बिना अनुमति के टिकट बेचते हुए रेवंत नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। वह बस कंडक्टर नवीन टी एन की टिकट मशीन का इस्तेमाल कर रहा था। रेवंत ने महिलाओं को मुफ्त टिकट दिए और पुरुषों को टिकट दिए बिना उनसे पैसे लिए। यह 14 जनवरी, 2025 को हुआ। एक यात्री ने देखा कि रेवंत ने वर्दी नहीं पहनी है और उससे इस बारे में पूछा। रेवंत ने तब कहा कि अधिकारियों को इन समस्याओं को अनदेखा करने के लिए पैसे दिए जाते हैं। इससे लोग नाराज हो गए। कंडक्टर नवीन को नियम तोड़ने के लिए निलंबित कर दिया गया और रेवंत को उसके कृत्य के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। केएसआरटीसी ने जांच करने और यह सुनिश्चित करने का वादा किया है कि ऐसी गलतियाँ दोबारा न हों। उन्होंने कंडक्टर को यह भी कहा है कि जब तक वे मामले की जांच नहीं करते, तब तक वह काम से दूर रहे।

## कार पलटने से तीन लोग घायल

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** यहां मुंदकुर-जरीगेकाटे चर्च के पास शुक्रवार की सुबह करीब 3 बजे एक लग्जरी कार पलट गई। यह घटना तब हुई जब ड्राइवर ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। कार कथित तौर पर शिवमोग्गा से मेंगलूरु जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। कार में सवार दो लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं। कतील पैदल मार्च में भाग लेने वाले तीर्थयात्रियों ने तुरंत सामाजिक कार्यकर्ता केडिंजे सुप्रीथ शेट्टी को दुर्घटना के बारे में सूचित किया। सुप्रीथ शेट्टी तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए घटनास्थल पर पहुंचे और घायल व्यक्तियों को चिकित्सा के लिए किन्निगोली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

# फॉल्स डैम टूटने से सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूबी, बर्बादी से किसानों में हताशा

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।**
मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखंड के बसघट्टा क्षेत्र में फॉल्स डैम के टूटने से सैकड़ों एकड़ खेतों में पानी भर गया है। इससे हुई बर्बादी से किसानों में गहरी मायूसी छा गई है। इस घटना में करीब 80 एकड़ खेतों में लगी गेहूं की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। पहले से ही कर्ज और प्राकृतिक आ-पदाओं से जूझ रहे किसानों पर यह एक और बड़ा संकट बनकर टूटा है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, इस साल खेती के लिए उन्होंने महाजन से कर्ज लिया था। लेकिन फॉल्स डैम टूटने से उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। हाल ही में हुई बाढ़ से प्रभावित होने के बाद किसान किसी तरह से उबरने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन अब ठंड में बाढ़ जैसे हालात ने उनकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है। बसघट्टा के भवानीपुर नवादा और आसपास के क्षेत्रों में पानी का फैलाव ज्यादा हुआ है। रबी की फसल, खासकर गेहूं बुरी तरह प्रभावित हुई है।

किसानों ने इस संकट के लिए मिट्टी खनन करने वाले माफियाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि इन माफियाओं ने अवैध खनन के चलते नदी किनारे कमजोर फॉल्स डैम बनाया था, जो अब टूट गया है। किसानों ने पहले भी इस समस्या को प्रशासन के सामने उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक किसान ने बताया कि हमने प्रशासन को कई बार अवगत कराया कि खनन माफिया के कारण फॉल्स डैम कमजोर हो गया है। अब हमारी गेहूं की फसल डूब गई है। हमारा कर्ज कैसे चुकता होगा, यह सोचकर डर लग रहा है।

कटरा प्रखंड के अंचल अधिकारी ने बताया कि किसानों से फसल डूबने की जानकारी मिली है। डैम के टूटने से नदी का पानी खेतों में भर गया है।

जलभराव को रोकने और पानी निकालने के लिए लघु सिंचाई और जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम पानी निकालने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभावित किसानों की क्षति का आकलन किया जाएगा और नियमानुसार राहत प्रदान की जाएगी।

घटनास्थल पर मौजूद किसानों ने प्रशासन से जल्द मुआवजे और स्थायी समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि अगर अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह समस्या बार-बार सामने आएगी। स्थानीय लोग जल निकासी की तेज प्रक्रिया और क्षतिपूर्ति के लिए राहत पैकेज की मांग कर रहे हैं।

## लापता बच्चे का शव तालाब में डूबा हुआ मिला

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
बेंगलूरु के दक्षिण-पूर्वी बाहरी इलाके सरजापुर में अपने घर से लापता हुआ सात वर्षीय लड़का करीब एक किलोमीटर दूर एक तालाब में मृत पाया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरजापुर के पास मतनहल्ली का निवासी एल्विन गुरुवार दोपहर को लापता हो गया था। उसके माता-पिता ने उसी दिन बाद में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। सरजापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह मतनहल्ली में एक छोटे से तालाब के पास एल्विन की साइकिल और चप्पलें मिलीं। संदेह है कि वह डूब गया होगा, इसलिए पुलिस ने तालाब की तलाशी ली और कुछ ही देर बाद उसका शव बरामद किया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि एल्विन अपने माता-पिता की जानकारी के बिना साइकिल चला रहा था, तभी वह गलती से तालाब में गिर गया। हालांकि, पुलिस अभी भी घटना की परिस्थितियों की पुष्टि कर रही है। सरजापुर पुलिस ने लड़के के माता-पिता द्वारा दर्ज की गई गुमशुदगी की शिकायत को अप्राकृतिक मौत के मामले में बदल दिया है।

# बिहार सरकार ने फिर किया आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर, स्वास्थ्य विभाग के सचिव भी बदले

**पटना (एजेंसियां)।**
बिहार सरकार में एक बार फिर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। उन अधिकारियों में 1995 बैच के आईएएस अधिकारी बी राजेन्द्र, 2001 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार, 2006 बैच के आईएएस अधिकारी दयानिधान पाण्डेय, 2008 बैच के आईएएस अधिकारी प्रणव कुमार, 2009 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह और 2009 बैच की ही आईएएस अधिकारी सीमा त्रिपाठी शामिल हैं।

1995 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ बी राजेंदर अभी सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और साथ ही जन शिकायत के अपर मुख्य सचिव, प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के निदेशक और खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी हैं। इन्हें अब ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह फिलहाल अवकाश पर हैं।

2001 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार को कोसी प्रमंडल सहरसा का आयुक्त बनाया गया है। उन्हें पूर्णिया की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वह अब तक बिहार मानवाधिकार आयोग के सचिव की भूमिका निभा रहे थे। 2006 बैच के आईएएस अधिकारी दयानिधान पांडेय को राजस्व परिषद का अपर सदस्य बनाया गया है। वह इस समय कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार के सचिव थे और बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में भी थे।

प्रणव कुमार पूर्व की जिम्मेदारी के साथ-साथ कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव पद को भी संभालेंगे

2008 बैच के आईएएस अधिकारी प्रणव कुमार को कला संस्कृति एवं युवा विभाग का सचिव बनाया गया है। वह अब गृह विभाग के सचिव, कारा एवं सुधार सेवा के महानिरीक्षक, सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त और बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम पटना के प्रबंध निदेशक अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। अब तक वह गृह विभाग के सचिव के अलावा कारा एवं सुधार सेवाओं के महानिरीक्षक और सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त की जिम्मेदारी ही देख रहे थे।

# दिल्ली में अभी लागू नहीं होगी आयुष्मान योजना

## सुप्रीम कोर्ट ने लगाई हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था।

इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर दिया है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की 1, 2 और 18 एंट्री के तहत केंद्र की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है।

सिंघवी ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौते के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। गौरतलब है कि दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना लागू नहीं है। साल 2017 में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटीलेटर्स की उपलब्धता पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही याचिका में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को दिल्ली में भी लागू कराने की मांग की गई थी। ऐसे में उच्च न्यायालय ने योजना को पूरी तरह से लागू करने की बजाय केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता करने का आदेश दिया था।

देश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत की थी। यह योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से इतर है। योजना के तहत 10 उच्च फोकस वाले राज्यों में 17,788 ग्रामीण स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार मदद करेगी। साथ ही योजना के तहत देशभर में 11,024 शहरी स्वास्थ्य एवं जनकल्याण केंद्र भी स्थापित किए जाने हैं।

# शीतकालीन खेलों के रोमांच से जीवंत हो उठा है सोनमर्ग

**जम्मू, 17 जनवरी (ब्यूरो)।** जम्मू कश्मीर का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल, सोनमर्ग शीतकालीन खेलों के रोमांच से जीवंत हो उठा है क्योंकि सात दिवसीय आइस स्केटिंग कार्यक्रम क्षेत्र के शीतकालीन खेल सत्र की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। पर्यटन विभाग और आइस स्केटिंग एसोसिएशन के सहयोग से सोनमर्ग विकास प्राधिकरण (एसडीए) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 18 जनवरी तक चलेगा। पिछले साल एसडीए द्वारा पर्यटन विभाग और आइस स्केटिंग एसोसिएशन के समर्थन से विकसित आइस रिंग का निर्माण स्थानीय एथलीटों और छात्रों को अपने कौशल को सुधारने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए किया गया था।

इस आयोजन में 20 स्केटर्स शामिल हुए हैं, जो सभी आइस स्केटिंग एसोसिएशन के महासचिव मोहम्मद अशरफ के मार्गदर्शन में भाग ले रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल ने स्थानीय निवासियों और पर्यटकों दोनों में उत्साह पैदा किया है आइस स्केटिंग न केवल पर्यटकों के लिए अनुभव को बढ़ाएगी बल्कि हमारे युवाओं को खेल और आतिथ्य क्षेत्रों में नए अवसर भी प्रदान करेगी। पिछले साल के सफल उद्घाटन संस्करण के बाद इस साल का आयोजन आइस स्केटिंग प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण है। एसडीए इस आयोजन की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने पर केंद्रित है, जो इस क्षेत्र में शीतकालीन खेलों का प्रतीक बन गया है। गौरतलब है कि बहुप्रतीक्षित जेड-मोड़ या सोनमर्ग सुरंग, एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है, जिसका उद्घाटन 13 जनवरी को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था, जिससे कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आने और सोनमर्ग में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और विकास को और बढ़ावा मिलेगा।

# 10 हजार किमी पैदल चल कर महाकुंभ पहुंचे बिहार के अक्षत

**महाकुंभ नगर, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** प्रयागराज के महाकुंभ में साधु-संन्यासियों की तहर ही श्रद्धालुओं की दुनिया भी अनोखी है। कोई दंडवत करते हुए पहुंच रहा है तो कोई पैदल ही। बिहार के अक्षत तो 11 महीने 27 दिन की पैदल यात्रा करके महाकुंभ में अमृत स्नान करने पहुंचे हैं। महाकुंभ में पहुंचने के लिए अक्षत ने 10 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा की। अभी तक वह दो धाम और छह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पूरी कर चुके हैं। महाकुंभ में पांच दिनों तक घूमने के बाद वह अगले पड़ाव पुणे के लिए निकलेंगे।

भारत की विविधताओं को नजदीक से जानने की कामना ने अक्षत के मन में पैदल यात्रा का संकल्प पैदा किया। बिहार के वैशाली जिले के पटेरी बेलसर गांव के रहने वाले अक्षत सिंह ने भारत भ्रमण के लिए बैंक, रेलवे और कर्मचारी चयन आयोग की नौकरी भी छोड़ दी। अक्षत ने बताया कि उन्होंने जब नौकरी छोड़कर भारत भ्रमण की तैयारी शुरू की तो माता-पिता ने विरोध किया। मैंने उनको समझाया और उन्होंने मुझे इसकी अनुमति दे दी।

11 महीने 27 दिन पहले मैंने अपने गांव से पैदल यात्रा शुरू की थी। अभी तक मैं 10 हजार किलोमीटर पैदल चल चुका हूं। सबसे पहले मैंने बाबा बैद्यनाथ का दर्शन किया। इसके बाद नागेश्वर, सोमनाथ,ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, त्रयंबकेश्वर के साथ ही जगन्नाथपुरी और द्वारिका की भी यात्रा की। अभी तक मैंने दो धाम और छह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पूरी कर ली है। अक्षत ने बताया कि वह पैदल यात्रा की शुरूआत सुबह आठ बजे से करते हैं। सर्दियों में तो शाम को चार बजे तक और गरमी में शाम को छह बजे तक पैदल चलते हैं। मंदिर और धर्मशाला में रात बिताने के बाद वह अगले पड़ाव की ओर निकलते हैं। रोज वह 35 किलोमीटर पैदल चलने का लक्ष्य लेकर चलते हैं। किसी दिन यह कम या ज्यादा भी हो जाता है। महाकुंभ में 14 जनवरी को मकर संक्रांति का अमृत स्नान करना था इसलिए हर रोज 18 किलोमीटर ज्यादा पैदल चले। रात में पहुंचे और गंगा स्नान भी कर लिया। अब पांच दिनों तक महाकुंभ मेले में पैदल यात्रा करेंगे।

अक्षत का कहना है कि उनके पिता रविंद्र सिंह किसान हैं और माता सावित्री देवी गृहणी हैं। विज्ञान से स्नातक अक्षत ने भारत भ्रमण के लिए तीन-तीन नौकरियां छोड़ दीं। अक्षत का कहना है कि मुझे पूरे देश को देखना था।

# पर्यटकों को लुभा रहे गोगलदारा में बर्फ से ढंके चिल-प्वाइंट

**जम्मू, 17 जनवरी (ब्यूरो)।** उत्तरी कश्मीर के गोगलदारा में बर्फ से ढके देवदार के जंगलों से घिरा एक असामान्य लेकिन आश्चर्यजनक प्राकृतिक संरचना (35-फुट का हिमखंड), जिसे चिल प्वाइंट के नाम से जाना जाता है, अपनी अनूठी सुंदरता के कारण पर्यटकों के लिए एक बढ़ता हुआ आकर्षण बन गया है। टंगमर्ग से सिर्फ 13 किमी दूर, इस प्राकृतिक चिल प्वाइंट ने न केवल पर्यटकों को आकर्षित किया है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी लोगों की दिलचस्पी जगाई है, कई लोगों ने सोशल मीडिया पर लुभावनी तस्वीरें साझा की हैं, जिससे यह गंतव्य सुर्खियों में आ गया है।

इस टूरिस्ट प्लेस पर आने वाले पर्यटकों ने सुरम्य दृश्यों और स्थानीय लोगों के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए अपने प्यार का इजहार किया है। दिल्ली की एक पर्यटक अंजलि वर्मा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में पता चला कि यह जगह मौजूद है। वे कहती हैं कि अनोखी प्राकृतिक संरचना और बर्फ से ढके देवदार के पेड़ किसी सपने से बाहर निकलने जैसा कुछ हैं। यह शांतिपूर्ण है और शहरी जीवन से छुट्टी चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एकदम सही है। जबकि एक अन्य टूरिस्ट, लखनऊ निवासी विशाल मल्होत्रा ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि स्लेजिंग की सवारी और स्थानीय भोजन ने इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया। यह एक छिपे हुए स्वर्ग की तरह है जिस पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस बीच, स्थानीय निवासियों ने भोजन, शौचालय और सवारी के लिए स्लेज उपलब्ध कराकर पर्यटकों की आमद को समायोजित करने के लिए कदम उठाए हैं। हालांकि, उनका मानना है कि इस पर्यटनस्थल में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं और वे प्रशासन से इसे बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं। स्थानीय व्यवसायी मुश्ताक अहमद के बकौल, गोगलदारा में गुलमर्ग या पहलगाम जितना लोकप्रिय बनने के लिए सब कुछ है। अगर सरकार इसके प्रचार और बुनियादी ढांचे में निवेश करती है, तो यह अधिक पर्यटकों को ला सकता है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इसी तरह, स्लेज राइड आपरेटर बासित अहमद कहते थे कि वे पर्यटकों का स्वागत करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उचित बुनियादी ढांचा और आधिकारिक मान्यता इस जगह को एक प्रमुख आकर्षण बना सकती है। उनका कहना था कि यह केवल पर्यटन के बारे में नहीं है; यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के बारे में है। उन्होंने प्रशासन से गोगलदारा की क्षमता का पता लगाने की अपील की, उनका मानना है कि चिल प्वाइंट पर्यटकों के अलावा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ता बन सकता है और घाटी में आने का एक और कारण बन सकता है।

## राजौरी के बुद्धल में फैली रहस्यमय बीमारी

# 16 लोगों की मौत, जांच समिति गठित

**सुरेश एस डुग्गर**
**जम्मू, 17 जनवरी।** राजौरी जिले के बुद्धल गांव में रहस्यमय बीमारी से एक और महिला की मौत के बाद पिछले 45 दिनों में इस रहस्यमय बीमारी से मरने वालों की संख्या 16 हो गई है। मोहम्मद यूसुफ की पत्नी जट्टी बेगम को गुरुवार को जीएमसी राजौरी ले जाया गया था, जहां आज सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि महिला के पति मोहम्मद यूसुफ की मौत भी सोमवार को इसी रहस्यमय बीमारी के कारण हुई थी। यूसुफ और उसकी पत्नी मोहम्मद असलम के रिश्तेदार हैं, जिन्होंने इस रहस्यमय बीमारी के कारण 5 बच्चों को खो दिया।

जम्मू कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू ने इस बात से इन्कार किया है कि ये मौतें किसी वायरस के संक्रमण के कारण हुई हैं। लेकिन पुलिस ने इन रहस्यमय मौतों की जांच के लिए 11 सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। इस रहस्यमयी बीमारी ने अब तक 16 लोगों की जान ले ली है। राजौरी जिले के बुद्धल गांव में बुधवार रात एक 9 साल की बच्ची की इस बीमारी से मौत हो गई। गांव में 7 से 16 दिसंबर 2024 तक दो परिवारों के 9 सदस्यों की जान चली गई थी। 11 जनवरी को मोहम्मद असलम के 6 बच्चे बीमार हुए, जिनमें से चार की मौत हो गई। 12 जनवरी को एक 10 साल की बच्ची की जान गई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद ने गांव में हुई मौतों के लिए रहस्यमय बीमारी होने की आशंका से इनकार किया है। उनका कहना है कि प्रदेश के अंदर और बाहर हुए सभी जांच के रिजल्ट निगेटिव आए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ये बीमारी है क्या और इसमें क्या लक्षण नजर आ रहे हैं। फिलहाल इसका जवाब नहीं मिल पाया है।

मत्री सकीना कहती हैं कि अगर ये मौतें किसी रहस्यमयी बीमारी से हुई होती तो अब तक तेजी से फैल चुकी होती लेकिन यह सिर्फ तीन परिवारों तक ही सीमित है। हालांकि, कुछ हेल्थ एक्सपर्ट्स ने मृतकों के सैंपल में न्यूरोटाक्सिन पाए जाने की बात भी कही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने नेशनल और इंटरनेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट से इस बीमारी पर मदद ली है। जिनमें पुणे, दिल्ली, ग्वालियर, और पीजीआई चंडीगढ़ के चिकित्सा संस्थान भी शामिल हैं। इनमें से किसी भी जांच में नेगेटिव रिजल्ट नहीं मिले हैं। पानी और खाने के सैंपल की जांच में भी किसी जहरीली चीज का पता नहीं चला है।

दरअसल न्यूरोटाक्सिन एक तरह का केमिकल होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। यह खाना, हैवी मेटल्स, कीटनाशक, किसी जीव के काटने या अन्य माध्यमों से शरीर में पहुंच सकता है। यह कितना खतरनाक हो सकता है, यह इसकी मात्रा और प्रकार पर निर्भर करता है। इसकी ज्यादा मात्रा कई खतरनाक बीमारियों को जन्म दे सकता है।

# आतंकी संगठन पीएफआई के सरगना अबु बकर को नहीं मिली जमानत

**नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सरगना अबु बकर को जमानत देने से इन्कार कर दिया। अबु बकर ने सेहत संबंधी कारणों का हवाला देकर कोर्ट से जमानत की गुहार लगाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे जमानत देने से मना कर दिया।

शीर्ष अदालत ने आतंकवाद निरोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज मामले में पीएफआई के पूर्व अध्यक्ष ई. अबु बकर को चिकित्सा आधार पर जमानत देने से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि चिकित्सा रिपोर्ट देखने के बाद अदालत इस चरण में अबु बकर को रिहा करने के इच्छुक नहीं है।

अबु बकर को 2022 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था। निचली अदालत से जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उसने हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि चिकित्सा रिपोर्ट देखने के बाद वह इस चरण में अबु बकर को रिहा करने के इच्छुक नहीं है। केंद्रीय आतंकवाद निरोधी एजेंसी के मुताबिक, पीएफआई, उसके पदाधिकारियों और सदस्यों ने देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी वारदातों को अंजाम देने के इरादे से धन जुटाने के लिए आपराधिक साजिश रची। इसके लिए वे अपने कैडर को प्रशिक्षित करने वाले शिविर भी आयोजित कर रहे थे।

अपनी याचिका में अबु बकर ने दावा किया कि वह 70 वर्ष का है, उसे पार्किंसन रोग है और कैंसर के इलाज के लिए उसकी सर्जरी भी हो चुकी है। उसने दलील दी थी कि गुण दोष के आधार पर भी वह जमानत का हकदार हैं, क्योंकि एनआईए उसके खिलाफ मामला साबित करने में विफल रही है। अबु बकर को 22 सितंबर 2022 को गिरफ्तार किया गया था। उल्लेखनीय है कि पीएफआई से संबद्ध सदस्यों की गिरफ्तारियां केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, दिल्ली और राजस्थान में की गई थीं।

सरकार ने 28 सितंबर 2022 को कड़े आतंकवाद निरोधी कानून के तहत पीएफआई और उसके कई सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। संगठन पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी समूहों से संबंध रखने का आरोप है। अबु कर पर आईपीसी की धारा 120बी और 153ए के अलावा यूएपीए की धारा 17, 18, 18बी, 29, 22बी, 38 और 39 के तहत कार्रवाई हुई है।

पिछले साल भी बेल मांगे जाने पर 12 नवंबर को न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को एक मेडिकल टीम गठित करने का निर्देश दिया था, ताकि अबु बकर की गहन जांच हो और पता लग सके कि अबु बकर को मेडिकल ग्राउंड पर बेल मिलनी चाहिए या नहीं।

इसी रिपोर्ट के आधार पर अबु बकर के वकील ने फिर जमानत मांगी लेकिन अतिरिक्त सॉलिस्टर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि अबु बकर की सभी समस्याएं इलाज से ठीक हो गई हैं इसलिए उसे बेल नहीं मिलनी चाहिए। इसके बाद जस्टिस सुंदरेश और राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि वे इस समय चिकित्सा आधार पर जमानत देने के लिए इच्छुक नहीं हैं और याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट जाने की स्वतंत्रता दी। अबु बकर के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने फिर कहा कि याचिकाकर्ता को घर में नजरबंद रख लिया जाए लेकिन बेल दे दें। इसका भी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विरोध किया और सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

# कश्मीरी हिंदू बुजुर्ग की मुस्लिम परिवार ने की हत्या

**बरेली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के बरेली में मुस्लिम परिवार ने अपने पड़ोसी हिंदू बुजुर्ग की हत्या कर दी। मृतक का परिवार कश्मीर में हिंदुओं के उत्पीड़न के बाद भाग कर बरेली आया था। बुजुर्ग को मांस की गंध नहीं पसंद थी, इसलिए वह अपने घर पर फाइबर की शीट लगवा रहे थे।

इसी को लेकर मुस्लिमों ने विवाद कर दिया और हिंदू बुजुर्ग के साथ मारपीट की। उन्होंने बुजुर्ग को धक्का दिया, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुस्लिम परिवार अब फरार है।

यह घटना बुधवार 15 जनवरी को हुई। बरेली की नीलकंठ कॉलोनी में रहने वाले 79 वर्षीय हरबंस लाल शाम को अपने घर की दीवाल पर फाइबर शीट लगवा रहे थे। उनके बगल में ही सगीर अहमद का घर है। फाइबर शीट को लेकर सगीर अहमद बवाल करने लगा। उसकी बीवी भी आकर हरबंस लाल से विवाद करने लगी। दोनों ने बुजुर्ग हरबंस लाल से मारपीट करना चालू कर दिया, उनको धक्का दिया। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल में ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

हरबंस लाल के परिवार ने इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में पहले गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, यह मामला शांत नहीं हुआ। इस मामले की जानकारी हिंदू संगठनों को दी गई। गुरुवार को हरबंस लाल के शव को रख कर हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। मृतक हरबंस के बेटे हेमंत लाल ने बताया कि उनका परिवार कश्मीरी विस्थापित है। वह कश्मीर में उत्पीड़न से बचने के लिए भागे थे। हेमंत लाल ने आरोप लगाया कि सगीर उनके परिवार को लगातार परेशान करता था।

हेमंत लाल ने आरोप लगाया कि सगीर के घर में रोज मांस पकता था, इससे उनके पिता को दिक्कत थी। हेमंत ने आरोप लगाया कि मना करने पर भी सगीर नहीं माना तो हेमंत के पिता ने फाइबर शीट लगवाने का फैसला किया लेकिन इस बात पर भी सगीर ने उनकी पीट-पीट कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पूरी कॉलोनी में 32 घर हिंदू जबकि केवल सगीर का घर मुस्लिम है। बाकी कोई परिवार विवाद नहीं करता, सगीर अहमद लगातार बवाल काटता रहता था। उसने बुधवार को आखिर में हत्या ही कर दी।

पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। इस मामले में सगीर और उसके बेटे इमरान को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ले ली है। बरेली के एसएसपी मानुष पारीक ने कहा है कि सीसीटीवी की जांच करके आगे कार्रवाई की जाएगी। सगीर का पूरा परिवार घर बंद करके गायब हो गया है।

### मेरठ छावनी के भी दिन गए

# 1200 एकड़ भूमि निगम में हस्तांतरित होगी

**मेरठ, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** कैंट का सिविल एरिया नगर निगम में हस्तांतरित करने का मामला रक्षा मंत्रालय तक गूंजा हुआ है। कैंटोनमेंट बोर्ड सिर्फ नगर निगम को 436 एकड़ भूमि देना चाहता है, जिस पर नगर निगम सहमत नहीं है। निगम अधिकारियों ने मुआयना किया और कैंट की 1200 एकड़ भूमि निगम में हस्तांतरित करने का प्रस्ताव बनाया है। जिसमें कैंट इलाके में रहने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। नगर निगम के प्रस्ताव पर समिति के अधिकांश सदस्यों ने मुहर लगा दी है। अब सिर्फ कैंटोनमेंट बोर्ड का इंतजार है।

कैंट बोर्ड आबूलेन, बॉम्बे बाजार, सदर बाजार समेत 436 एकड़ भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने के लिए तैयार हो गया था। सफाई, पानी की व्यवस्था, सड़क निर्माण और गृहकर सहित कई मामले में निगम को परेशानी हो सकती है। जिसको देखते निगम ने कैंटोनमेंट बोर्ड का प्रस्ताव मानने से इनकार कर दिया था। डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में निगम अधिकारियों ने कैंट की सरकारी बिल्डिंग के अधिकार, प्राइवेट, सिविल एरिया, व्यवसायिक क्षेत्र को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव रखा था। यह मामला रक्षा मंत्रालय तक पहुंच गया। कैंट विधायक अमित अग्रवाल ने भी दोनों पक्षों को सुना था। इसको देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर डीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित हुई।

जिसमें अध्यक्ष डीएम दीपक मीणा, उपाध्यक्ष नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, एडीएम प्रशासन, एसडीएम और कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ सहित सात अधिकारी शामिल हैं। नगर निगम ने कैंट के सिविल क्षेत्र का मुआयना किया और आमजन को मूलभूल सुविधा मुहैया कराने बताकर 1200 एकड़ भूमि को निगम में हस्तांतरित कराने का प्रस्ताव बना लिया। बृहस्पतिवार को नगर आयुक्त, एडीएम और एसडीएम ने प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। बताया गया कि कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ की मुहर का इंतजार है। जिसके बाद कमेटी के अध्यक्ष डीएम ही रक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट भेज देंगे। कैंट का सिविल एरिया नगर निगम में हस्तांतरित हो जाएगा।

नगर आयुक्त सौरभ गंगवार का कहना है कि कैंट का सिविल एरिया निगम में हस्तांतरित होने के बाद वार्डों की संख्या भी बढ़ेंगी। क्योंकि अभी तक महानगर में सिर्फ 90 वार्ड हैं, कैंट का एरिया आने पर वार्डों की संख्या 100 से अधिक पहुंच जाएगी। सरकारी, प्राइवेट बिल्डिंग, बाजार, बंगले व व्यवसायिक के साथ सिविल एरिया सहित कई जगह निगम को मिलेगी, तभी विकास ठीक से हो पाएगा। इसके लिए कैटेगरी भी बनाई जा रही है। कैंटोनमेंट बोर्ड की सहमति के बाद नगर निगम अपना कार्य शुरू कर देगा।

*प्रख्यात आध्यात्मिक व्यक्तित्व एवं ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की*

### मिल्कीपुर उपचुनाव

# भाजपा प्रत्याशी ने एक सेट में फिर दाखिल किया नामांकन

**अयोध्या, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन के आखिरी दिन शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने एक सेट में अपना नामांकन फिर दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि मिल्कीपुर की जनता उन्हें लाखों वोटों से जिताएगी। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद पर आरोप कि लड़ाई बाहर और घरवाले की है पर कहा कि पिछले 10-12 साल से मैं और मेरा परिवार मिल्कीपुर की जनता की सेवा कर रहा है। उनके सुख-दुख में हम शामिल होते आए हैं। अब मिल्कीपुर की जनता को यह तय करना है कि कौन घर का है, कौन बाहर का है। नामांकन करने का आखिरी दिन होने के चलते नामांकन स्थल पर गहमागहमी रही। सुरक्षा को लेकर एसएसपी राजकरण नय्यर ने कहा कि नामांकन के दौरान नामांकन स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह से किसी भी मतदाता को प्रभावित करने की पोस्ट की गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मिल्कीपुर उपचुनाव में मतदान के दौरान सुरक्षा को लेकर कहा कि 20 जनवरी के बाद पैरामिलिट्री फोर्स के साथ बड़े स्केल पर एरिया डोमिनेशन एक्सरसाइज मिल्कीपुर क्षेत्र में की जाएगी।

### सांसद एवं फिल्म अभिनेता रवि किशन ने संगम में लगाई डुबकी

# योगी सरकार ने किया प्रयागराज का काया पलट

**महाकुंभ नगर, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** गोरखपुर के सांसद और बॉलीवुड के सुपरस्टार रवि किशन ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। इस अवसर पर रवि किशन ने कहा की बड़े सौभाग्य से 144 वर्षों के बाद यह महाकुंभ आया है। इस महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए महाराज योगी जी ने बहुत विकास कार्य कराए हैं। यह दिव्य महाकुंभ है और इस दिव्य महाकुंभ में स्नान का अवसर आज मुझे मिला है। जो इस पुण्य अवसर पर महाकुंभ नहीं आया, जिसने यहां संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी नहीं लगाई, मानो उसका जीवन व्यर्थ है। उन्होंने सभी देशवासियों से प्रयागराज में आकर संगम स्नान करने की अपील की।

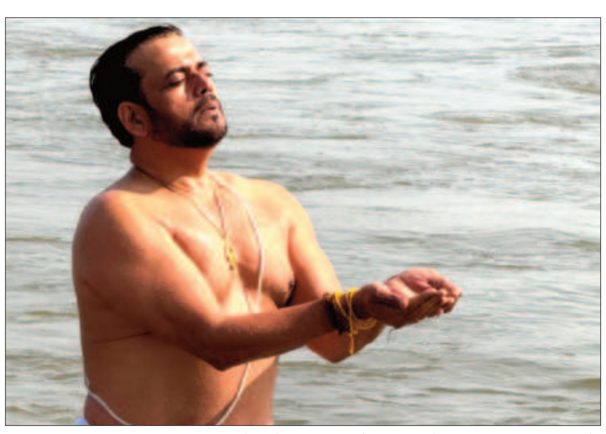

रवि किशन ने कहा की महाकुंभ को लेकर योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को प्रयागराज का विकास स्वत: देखने को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने मिलकर इस बार पूरे प्रयागराज का काया पलट कर दिया है। यह पुण्य अवसर 144 सालों के बाद आया है। इस सुअवसर पर हर देशवासी, हर सनातन धर्मावलंबी को यहां आकर संगम त्रिवेणी में स्नान करना चाहिए। यहां स्नान करने वाले को पुण्य की प्राप्ति होगी।

महाकुंभ में 6 दिन के अंदर 7 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संख्या पर विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर रवि किशन ने कहा कि जो लोग 2027 में हारने जा रहे हैं, वही इस महा आयोजन पर उंगली उठा रहे हैं। यह महाकुंभ आ रहे श्रद्धालुओं का अपमान है, सनातन धर्म का अपमान है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। यहां जो भी आ रहा है वह अपनी आंखों से भीड़ को देख रहा है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के महाकुंभ आने की खबरों पर उन्होंने कहा कि सबको यहां आकर डुबकी लगानी चाहिए

### नारी सशक्तिकरण का महाकुंभ

# सनातन के ध्वज वाहक अखाड़ों में नारी सशक्तीकरण

## 1000 मातृ शक्ति को दी जाएगी अखाड़े में प्रवेश की दीक्षा

**महाकुंभ नगर, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** सनातन की शक्ति है महाकुंभ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुंभ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले अखाड़ों में फिर सनातन की ध्वजा फहराने की तैयारी हो रही है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें भी नारी शक्ति की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है।

प्रयागराज महाकुंभ नारी सशक्तीकरण को लेकर भी नया इतिहास लिखने जा रहा है। महाकुंभ में मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है। इसके परिणाम स्वरूप प्रयागराज महाकुंभ सबसे अधिक महिला संन्यासियों की दीक्षा का इतिहास लिखने जा रहा है। संयासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार महाकुंभ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 200 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा होगी। सभी अखाड़ों को अगर शामिल कर लिया जाय तो यह संख्या 1000 का आंकड़ा पार कर जाएगी। संन्यासी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में इसे लेकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है। आगामी 27 जनवरी को संन्यास दीक्षा का अनुष्ठान संभावित है।

सनातन धर्म में वैराग्य या संन्यास के कई कारण बताए गए हैं जिनकी वजह से गृहस्थ या आम इंसान वैराग्य में प्रवेश करता है। परिवार में कोई दुर्घटना, या आकस्मिक सांसारिकता से मोह भंग या फिर अध्यात्म अनुभूति इसके कारण हो सकते हैं। महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार जो महिलाएं दीक्षा संस्कार ले रही हैं उसमें उच्च शिक्षा प्राप्त नारियों की संख्या अधिक है जो आध्यात्मिक अनुभूति के लिए संस्कार दीक्षित हो संन्यासी बनेंगी।

गुजरात के राजकोट से आई राधेनंद भारती इस महाकुंभ में संस्कार की दीक्षा लेंगी। राधेनंद इस समय गुजरात की कालिदास रामटेक यूनिवर्सिटी से संस्कृत में पीएचडी कर रही हैं। राधे नंद भारती बताती हैं कि उनके पिता बिजनेस मैन थे। घर में सब कुछ था लेकिन आध्यात्मिक अनुभूति के लिए उन्होंने घर छोड़कर संन्यास लेने का फैसला किया। पिछले बारह साल से वह गुरु की सेवा में हैं।

अखाड़े में नारी शक्ति को पहचान दिलाने में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा आगे है। महाकुंभ के पहले जूना अखाड़े की संतो के संगठन माई बाड़ा को नया सम्मानित नाम दिया गया संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना। आधी आबादी के इस प्रस्ताव पर अब मुहर लगा दी गई है। महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि महिला संतों ने संरक्षक महंत हरि गिरि से इसकी मांग की गई थी।उन्होंने महिला संतों से ही नए नाम का प्रस्ताव देने के लिए कहा था। महंत हरि गिरि ने इसे स्वीकार कर लिया है। इस बार मेला क्षेत्र में इनका शिविर दशनाम संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के नाम से ही लगाया गया है।

# पाकिस्तान की महिला बरेली में बन गई सरकारी शिक्षक

**बरेली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** बरेली में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पाकिस्तानी महिला ने फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। जांच में इसका खुलासा हुआ। शिक्षिका को निलंबित कर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

रामपुर जिले में रह रही पाकिस्तानी महिला ने फर्जी दस्तावेजों से बेसिक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। उसने बरेली के फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड क्षेत्र में तैनाती पा ली। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा साबित होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। उसके खिलाफ विभागीय अधिकारियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जल्द उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

रामपुर शहर के बजरोही टोला में गली नंबर चार के मकान नंबर 20 की निवासी शुमायला खान पुत्री एसए खान पर यह कार्रवाई हुई है। फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार ने उसके खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी थाने में धोखाधड़ी से नागरिकता छुपाने व फर्जी दस्तावेजों से नौकरी हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया गया है कि शुमायला खान ने फर्जी दस्तावेज तैयार करके बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। फिलहाल वह यहां प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थी। उसकी नागरिकता को लेकर शिकायत की गई थी। आरोप था कि वह पाकिस्तानी नागरिक हैं।

इस मामले में विभाग ने उसके प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया था।

एसडीएम सदर रामपुर से अपेक्षा की गई थी कि उनके कार्यालय से जारी बताया जा रहा सामान्य निवास प्रमाणपत्र की जांच करके रिपोर्ट दें। एसडीएम की जांच में साफ हुआ कि शुमायला का यह प्रमाणपत्र त्रुटिपूर्ण है, इसे बनवाने में जानकारी छुपाई गई हैं और शुमायला वास्तव में पाकिस्तानी नागरिक है। शुमायला खान का प्रमाण पत्र पिछली साल निरस्त कर दिया गया। बेसिक शिक्षा विभाग ने कई बार शिक्षिका से स्पष्टीकरण मांगा पर प्रमाण पत्र की सत्यता साबित न हो सकी। बीएसए ने 3 अक्तूबर 2024 को शुमायला खान को निलंबित कर दिया। अब बीएसए के निर्देश पर बीईओ भानु शंकर गंगवार ने रिपोर्ट दर्ज करा दी है। फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है, शुमायला की गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

पाकिस्तानी नागरिक शुमायला ने फर्जी दस्तावेजों से 2015 में बरेली में नौकरी हासिल की थी। वह तभी से प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थी। इतने साल से वह लाखों रुपए वेतन ले चुकी थी। अब उसे नियुक्ति तिथि से पद से हटा दिया गया।

# अलीगढ़ की जामा मस्जिद के शिव मंदिर होने का दावा

## कोर्ट ने स्वीकार की याचिका सुनवाई 15 फरवरी को

**अलीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)।** अलीगढ़ शहर में बनी जामा मस्जिद के पहले शिव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका कोर्ट में स्वीकार में हुई है। इसकी सुनवाई 15 फरवरी 2025 को होनी है। कोर्ट में यह याचिका केशव देव गौतम ने दाखिल की है।

हिंदू पक्ष के केशव देव गौतम ने कहा है कि शहर के ऊपरकोट इलाके में पहले राजाओं का बड़ा किला हुआ करता था। उन्होंने कहा कि किले की जगह पर जाली दस्तावेजों से जामा मस्जिद की स्थापना की गई है। उन्होंने आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) से भी इस मामले में जानकारी मांगी है, जिसमें शिव मंदिर, जैन और बौद्ध अवशेषों की बात की गई है। मस्जिद की जमीन पर नगर निगम के पास कोई जवाब नहीं है। ऐसे में यह सार्वजनिक जमीन पर बनी मस्जिद मानी जा रही है।

संपादकीय

# शीतकालीन प्रवास का सेतु

यहां जो आईने बनाता है, उसकी आंखें देखिए, लोगों की नजर पर अपना हुनर चढ़ाता है। हिमाचल की हर सत्ता का हुनर दरअसल इसी नजर का आईना है, जो कांगड़ा की आंखें पहन लेती हैं, लेकिन खुद को नहीं देख पातीं। मुख्यमंत्रियों के शीतकालीन प्रवास दरअसल सरकार को दिखाने का एक जरिया, एक सेतु रहा है और राजनीति पुनः दरिया में बह गए पानी से 'खरा सोना' निकालना चाहती है। यह इसलिए भी कि हर सत्ता को कांगड़ा अपना धर्म बनाता, लेकिन जिला की अपनी सियासत बिखरी रहती है। कमाल यह कि भाजपा और कांग्रेस के बीच कई नेता, कांगड़ा के नेता बनने का भ्रम पालते हैं, लेकिन यहां तो 'न घर के रहे, न घराट के'। कांगड़ा में सरकार बनाने की शक्ति है, लेकिन अपना नेता बनाने का हुनर क्यों नहीं। क्या सत्ता ने कांगड़ा को ऐसे शागिर्द नहीं दिए या दो बार मुख्यमंत्री रहे शांता कुमार खुद ही अवतार बने रहे। ऐसी क्या वजह रही कि शांता की प्रासंगिकता और हैसियत में कांगड़ा की पौध से आगे कोई नहीं निकला। चले तो वाईएस परमार के साथ भी लोग, लेकिन पंडित संत राम से सत महाजन तक कोई क्यों नहीं पहुंचा मुकाम तक। आखिर नेताओं के कोरे कागजों पर क्यों दाग उभरते रहे। स्व. वीरभद्र भी एक गुट में कांगड़ा को नसीब दे पाए, वरना पेड़ तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया और जीएस बाली ने भी अपने-अपने बागीचों में लगाए। प्रेम कुमार धूमल ने कभी रविंद्र सिंह रवि को हर ताकत, हर बख्शीश दी, लेकिन यह तंत्र भी नाकाम रहा। जयराम इन उलझनों से परे सत्ता के जिस पहलू में मंडी को तौलते रहे, वहां कांगड़ा के कमजोर मंत्री सिर्फ देखते रहे। इसलिए अपने तीसरे वर्ष में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का शीतकालीन प्रवास पर आना, इन्हीं प्रश्नों के पुराने खूंटों को खोलने का प्रयास हो सकता है। हालांकि वर्तमान सरकार की पहली वर्षगांठ यहां हुई और इस बार भी बैजनाथ में पूर्ण राज्यत्व दिवस में कांगड़ा, स्वयं में स्वयं के खालीपन को कितना भरेगा, यह देखना होगा। जाहिर तौर पर शीतकालीन सत्र के बाद शीतकालीन प्रवास के कालीन पर जब सरकार चलेगी, तो कुछ कांटे छिप जाएंगे, लेकिन सियासी घाव लिपटे रहेंगे। शीतकालीन प्रवास इतना महत्त्वपूर्ण क्यों हो गया कि न चाहते हुए भी शिमला से सरकार को कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, चंबा और बिलासपुर तक कदम बढ़ाने पड़ते रहे। ऐसा क्यों हुआ कि शिमला विधानसभा तपोवन के सदन में पहुंच गई। क्यों धर्मशाला में दूसरी राजधानी की औकात में सपना देखा गया। यह दीगर है कि यहां हिमाचल भवन की तख्तियां हटाई गईं और आज भी मिनी सचिवालय की गवाही में मंत्रियों के कमरे सूने हैं। हद तो यह कि कांगड़ा के मंत्री भी धर्मशाला के सचिवालय में बैठने से कतराते हैं, क्योंकि वे शायद जिला के नेता न होने का खौफ खाते हैं। आश्चर्य यह भी कि न कांग्रेस और न भाजपा को अब कांगड़ा से पार्टी का कोई प्रदेशाध्यक्ष मिल रहा। अब दौर कुछ ऐसा है कि हिमाचल की सियासत संसदीय क्षेत्रों की विरासत हो गई, इसलिए कांगड़ा में दो कांगड़ा बन गए। एक शीतकालीन प्रवास का और एक राजनीतिक विकास का। सियासत को देहरा अब हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का दस्तावेज नजर आता, लेकिन बाजुओं में दर्द यह है कि बगावत होती नहीं। जब आक्रोश फूटता है, तो सत्ता के कहकहों में नीलाम राजनीति के गुलाम जीत जाते हैं। बहरहाल, एक नया शीतकालीन प्रवास और एक नए मुख्यमंत्री का सियासी इतिहास कांगड़ा के चौखट पर खड़ा है। सुक्खू ने कांगड़ा की इबारत में विकास के शिलालेख बना लिए हैं, इसलिए प्रवास की मंजिलों में कई शिलान्यास और उद्घाटन इंतजार कर रहे हैं।

> मुख्यमंत्रियों के शीतकालीन प्रवास दरअसल सरकार को दिखाने का एक जरिया, एक सेतु रहा है और राजनीति पुन: दरिया में बह गए पानी से 'खरा सोना' निकालना चाहती है। यह इसलिए भी कि हर सत्ता को कांगड़ा अपना धर्म बनाता, लेकिन जिला की अपनी सियासत बिखरी रहती है। कमाल यह कि भाजपा और कांग्रेस के बीच कई नेता, कांगड़ा के नेता बनने का भ्रम पालते हैं, लेकिन यहां तो 'न घर के रहे, न घराट के'। कांगड़ा में सरकार बनाने की शक्ति है, लेकिन अपना नेता बनाने का हुनर क्यों नहीं। क्या सत्ता ने कांगड़ा को ऐसे शागिर्द नहीं दिए या दो बार मुख्यमंत्री रहे शांता कुमार खुद ही अवतार बने रहे। ऐसी क्या वजह रही कि शांता की प्रासंगिकता और हैसियत में कांगड़ा की पौध से आगे कोई नहीं निकला। चले तो वाईएस परमार के साथ भी लोग, लेकिन पंडित संत राम से सत महाजन तक कोई क्यों नहीं पहुंचा मुकाम तक। आखिर नेताओं के कोरे कागजों पर क्यों दाग उभरते रहे। स्व. वीरभद्र भी एक गुट में कांगड़ा को नसीब दे पाए, वरना पेड़ तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया और जीएस बाली ने भी अपने-अपने बागीचों में लगाए। प्रेम कुमार धूमल ने कभी रविंद्र सिंह रवि को हर ताकत, हर बख्शीश दी, लेकिन यह तंत्र भी नाकाम रहा।

### पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाकायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया

# कांग्रेस की इंडिया से लड़ाई की घोषणा

**कुलदीप चंद अग्निहोत्री**

> जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वह इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए, यह बड़ी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गांधी से एक लंबी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने-जुलने से व्यावहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत संपन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरू कर दिया कि राहुल गांधी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातों से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में खुशयां छा गईं।

राहुल गांधी भारतीय संसद में विपक्ष के नेता हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भी नेता हैं। वैसे लोकलाज के लिए कर्नाटक के एक वयोवृद्ध व्यक्ति मल्लिकार्जुन जी को अध्यक्ष के रूप में घोषित किया हुआ है, लेकिन सभी जानते हैं के 'लोकलाज' के बाद असली अध्यक्ष राहुल गांधी ही हैं। राहुल गांधी का एक गुण है। वह अपनी किसी बात को मन में छिपा नहीं पाते। इसलिए लोग उन्हें पप्पू भी कहते थे। जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वह इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए, यह बड़ी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गांधी से एक लंबी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने-जुलने से व्यावहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत संपन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरू कर दिया कि राहुल गांधी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातों से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में खुशयां छा गईं। पचास साल से भी ज्यादा उम्र हो जाने पर भी पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाकायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया। लेकिन उनमें सांसारिक व व्यावहारिक बुद्धि बढ़ी या नहीं, इस पर संदेह बरकरार रहा। व्यावहारिक आदमी या पार्टी जब किसी योजना को बनाती है, खासकर ऐसी योजना जिसका क्रियान्वयन बहुत ही मुश्किल हो, उसका तब तक खुलासा नहीं करती, जब तक उसके लिए पूरी तैयारी, साधन, सहायक इत्यादि जुटा न लिए जाएं। लगता है राहुल गांधी यात्रा के बाद भी नहीं बदले। लेकिन अब उनको पप्पू नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पप्पू से लोग किसी बड़े काम या योजना की आशा नहीं करते। यदि कहना ही हो तो उन्हें 'भोला' कहा जा सकता है, जो बिना किसी छल कपट के अपनी सभी योजनाएं अपने विरोधियों को भी बता देता है। राहुल गांधी ने दो दिन पहले यही काम करके अपनी कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी योजना का खुलासा कर दिया। कांग्रेस ने दिल्ली में अपना पुराना दफ्तर छोड़ दिया है और अब नया दफ्तर खोला है। इस अवसर पर राहुल गांधी

ने एक सच उगल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है, आरएसएस से लड़ रही है। यहां तक तो ठीक था। सभी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है। चुनाव बगैरह में यह देखा ही जाता है। कांग्रेस आरएसएस से भी लड़ रही है, यह भी राहुल गांधी कोई नई बात नहीं बता रहे थे। कांग्रेस तो नेहरु के वक्त से ही आरएसएस से लड़ रही है। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस की भीतर की तैयारी का भी खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस तो 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। अब कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी भोला है, किसी भी बात को छुपा कर नहीं रख पाता। जब राहुल गांधी अपनी पार्टी का यह घोषणापत्र बता रहे थे तो सामने बैठे कांग्रेस के बुजुर्ग नेता सन्नाटे में थे। सारा गुड़-गोबर कर दिया। समय से पहले ही पार्टी की अंदरूनी योजना जगजाहिर कर दी। अब लड़ाई कितनी मुश्किल हो जाएगी? दरअसल इंडिया स्टेट से की जाने वाली यह लड़ाई नई नहीं है। यह लड़ाई आठवीं शताब्दी में अरबों ने शुरू की थी। उसके बाद तुर्कों ने इसे जारी रखा। इसके बाद मुगल आए। उसके साथ ही पुर्तगालियों ने इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई जारी रखी। पुर्तगाल के बाद फ्रांस और ब्रिटेन ने इंडिया स्टेट के खिलाफ लड़ाई जारी रखी। 1947 में अंग्रेज कांग्रेस को सत्ता का हस्तांतरण करने के बाद यहां से चले गए। तब भारत के लोगों ने समझा था कि शताब्दियों से चली आ रही इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई समाप्त हो गई है। लेकिन अब इंडियन नैशनल कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने यह रहस्योद्घाटन करके सबको चौंका दिया है कि कांग्रेस तो वास्तव में इंडियन स्टेट से ही लड़ रही है। सबसे दुख की बात तो यह है कि जिस पार्टी का नाम 'इंडियन' है, वही पार्टी 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। इससे तो लगता है कि पार्टी ने अपने नाम के आगे इंडियन और नैशनल जो दो शब्द लगा रखे हैं, वे आम लोगों को धोखा देने के लिए हैं। वैसे राहुल गांधी ने यह खुलासा नहीं किया कि पार्टी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ जो लड़ाई छेड़ रखी है, वह 1947 से ही चली हुई है या फिर जब से कांग्रेस पर सोनिया गांधी परिवार का कब्जा हुआ है, तब से पार्टी ने अपना ध्येय और रास्ता बदला है। देश में और भी कई संगठन हैं जिन्होंने इंडियन स्टेट से युद्ध की घोषणा कर रखी है। उदाहरण के लिए विविध नक्सलवादी ग्रुप हैं, कुछ चरमपंथी इस्लामी संगठन, मसलन आईएसआईएस हैं। इनके अतिरिक्त 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' का उद्देश्य लेकर काम करने वाले छोटे-छोटे समूह हैं। विदेशों की कुछ नाम-अनाम शक्तियों ने भी इंडियन स्टेट के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। चीन तो सीमा पर हमला ही करता है। इस पृष्ठभूमि में राहुल गांधी का रहस्योद्घाटन सचमुच चिंता पैदा करता है। इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूह व पार्टियां खुल कर काम कर रही थीं। इससे भारतीय उनका मुकाबला भी करते हैं। लेकिन अब राहुल गांधी का कहना है कि उनकी पार्टी भी इसी काम में लगी हुई है। इसलिए यह सारा मामला गंभीर हो जाता है और सरकार को बाकायदा इसकी जांच करवानी चाहिए कि कांग्रेस ने क्या इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूहों से गठजोड़ तो नहीं बना लिया है? यह तो अच्छा हुआ कि राहुल गांधी ने अपने भोलेपन में पार्टी की इस भीतरी नीति का खुलासा समय से पहले ही कर दिया, अन्यथा मामला और गंभीर हो जाता। अमेरिका में बैठे जार्ज सोरोस इंडियन स्टेट से लड़ ही रहे हैं। दो दिन के बाद भूतपूर्व हो जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इस सोरोस को अमेरिका का सबसे बड़ा सम्मान देकर उसका कद भी बढ़ाया है। विदेशों में ऐसे कई सोरोस हैं जो भारत से दुखी हैं।

दृष्टि कोण

# नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं केजरीवाल, राहुल गांधी ने मदद से किया इनकार

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है। अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए

चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा, उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे। कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है। अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा, जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

कुछ अलग

# संकट हरने वाला व्रत

प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है जिसे संकट चौथ, वक्रकुंडी चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। संकष्टी चतुर्थी अर्थात संकटों को हरने वाली चतुर्थी। नारद पुराण के अनुसार प्रत्येक मास में दो चतुर्थी होती हैं और माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के व्रत का बहुत महत्त्व है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी तथा पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस चतुर्थी को माघी चौथ, संकट चौथ तथा तिल चौथ भी कहा जाता है। पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 17 जनवरी को प्रातः 4 बजकर 6 मिनट पर शुरू हो रही है, जिसका समापन 18 जनवरी को प्रातः साढ़े पांच बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी का व्रत 17 जनवरी को किया जाएगा। इस दिन विघ्नहर्ता और संकटों को दूर करने वाले भगवान गणेश की पूजा करने और व्रत रखने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन गणपति बप्पा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-व्रत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस विशेष अवसर पर महिलाएं संतान की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं इस दिन निर्जला व्रत करके रात को चंद्रमा को अघ्र्य देकर व्रत पूर्ण करती हैं और अपने बच्चों के लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्र देव को जल अर्पित करने से संतान को रोग नहीं होता और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह भी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और संतान को लंबी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। संतानों को सभी प्रकार की आपदाओं से बचाने के लिए यह व्रत किया जाता है। मान्यता है कि संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने से रुके हुए मांगलिक कार्य भी सम्पन्न होते हैं और इस दिन चन्द्रमा के दर्शन से भगवान गणेश के दर्शन का भी पुण्य फल मिलता है। भगवान गणेश को बुद्धि के स्वामी तथा चंद्रमा को मन का स्वामी माना गया है और इन दोनों के संयोग के परिणामस्वरूप यह व्रत मानसिक शांति, कार्यों में सफलता, प्रतिष्ठा में बुद्धि और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर करने में सहायक सिद्ध होता है। सभी मुहूर्त ग्रंथों के अनुसार इस व्रत को सविधि सम्पन्न करने के लिए एक ही नियम है कि चंद्रमा का उदय और चतुर्थी दोनों का संयोग होना चाहिए, यानी चंद्रमा को अघ्र्य तभी दिया जा सकता है, जब चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय हो रहा हो और चंद्र देव अघ्र्य तभी स्वीकार करेंगे, जब वे चतुर्थी तिथि में विद्यमान हों क्योंकि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा-पाठ करने से भगवान गणेश जीवन में सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजा-पाठ वर्ष पर्यन्त सुख-शांति और पारिवारिक विकास में सहायक सिद्ध होता है। वैसे तो भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए इस व्रत को कोई भी कर सकता है, लेकिन अधिकांशतः सुहागिन स्त्रियां ही परिवार की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। बहरहाल, इस व्रत को करें और सुख-शांति का आशीर्वाद पाएं।

देश दुनिया से

# भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये। 2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने। बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को शांत कर लिया है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

आप का नजरिया

# दिल्ली चुनाव में आतंकी

अफजल गुरु एक खूंखार आतंकवादी था। वह 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर आतंकी हमले का मास्टर माइंड था। सर्वोच्च अदालत ने बाकायदा सुनवाई के बाद उसे 'अपराधी' करार दिया और मौत की सजा सुनाई। उस दौर में एक जमात ऐसी थी, जो अफजल गुरु को माफ करने की पक्षधर थी। सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंततः कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं। उसने ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया, जो साइबर की महत्वपूर्ण जानकारी रखने वाला शख्स ही कर सकता था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपित नाबालिग की पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी खंगाला, तो यह तथ्य सामने आया कि उसके पिता एक एनजीओ से जुड़े हुए हैं। एनजीओ के एक राजनीतिक दल से पुराने और प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। इस एनजीओ ने अफजल गुरु को फांसी देने का विरोध किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने भी एक ज्ञापन पर बाकायदा दस्तखत कर फांसी की सजा का विरोध किया था। खुद आतिशी और उनके माता-पिता भी किसी एनजीओ से जुड़े रहे हैं। नाबालिग वाले एनजीओ और आतिशी परिवार के एनजीओ के बीच क्या कोई 'साझा सूत्र' है? पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का बुनियादी काम एनजीओ का ही है। उनके एनजीओ का प्रबंधन आजकल किसके हाथों में है, हमें नहीं पता, लेकिन एनजीओ के जरिए और सूचना के अधिकार के लिए केजरीवाल ने जो काम किए थे, उनके लिए उन्हें 'मैगसेसे अवार्ड' से नवाजा गया था। उसे 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाता है। सवाल है कि किसी ने ज्ञापन के जरिए अफजल गुरु या याकूब मेमन की सजा का विरोध किया हो, तो क्या वे भी आतंकी करार दिए जा सकते हैं? क्या वह उनकी 'अभिव्यक्ति की आजादी' नहीं है? यदि एनजीओ और राजनीतिक दल के बीच कोई 'आतंकी सूत्र' है, तो दिल्ली पुलिस ने उसे बेनकाब क्यों नहीं किया? राजनीतिक दल के नाम का खुलासा क्यों नहीं किया? अब भाजपा 'आप' के आतंकी सूत्रों पर सवाल उठा रही है। क्या आरोपित छात्र वाला एनजीओ और राजनीतिक दल 'आप' ही है? यह चुनाव की संवेदनशीलता का दौर है।

# चीन ने दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को अंतरिक्ष में पहुंचाया

**बीजिंग, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को चीन ने शुक्रवार को अंतरिक्ष तक पहुंचा दिया। चीन ने पाकिस्तान के पीआरएससी-ई1 उपग्रह के साथ दो और उपग्रह लॉन्च किए। इनका सफल प्रक्षेपण जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।

खबर के अनुसार पाकिस्तान के उपग्रह पीआरएससी-ईओ1 को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर सात मिनट पर चीन के मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया।

चीन का यह मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट अपने साथ दो और उपग्रह तियानलू-1 और लांतान-1 को भी ले गया है। चीन का यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट सीरीज से जुड़ा 556वां उड़ान मिशन है। पाकिस्तान का यह सैटेलाइट धरती की निगरानी करेगा। साथ ही पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुपार्को के लिए काम करेगा।

हाल के वर्षों में चीन ने पाकिस्तान के कई उपग्रह लॉन्च किए हैं। इनमें पीआएससी-1 भी है। यह पाकिस्तान का पहला ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। दूसरा पीएकेटीईएस 1ए है। यह रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। इसे 2018 में लॉन्च किया गया था। इसका निर्माण सुपार्को ने किया था। यह उपग्रह अभी भी काम कर रहा है।

चीन ने पाकिस्तान के पहले चंद्र मिशन में भी मदद की है। उसने अपने मून मिशन चांग ए-6 के अंतर्गत पाकिस्तान के आईसीयूबीई-क्यू को चंद्रमा की सतह की तस्वीरें लेने और चुंबकीय क्षेत्र के डेटा को इकट्ठा करने के लिए भेजा था। आईसीयूबीई-क्यू एक तरह का नैनोसैटेलाइट है।

## न्यूज ब्रीफ

### एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल

**टेक्सास।** अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल हो गया। स्पेसएक्स ने कहा कि गुरुवार को उड़ान भरने के बाद ही दिक्कतें पेश आने लगी थीं। इस वजह से मिशन का अगला चरण पूरा नहीं हो पाया। स्पेसएक्स ने इस विफलता पर बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा कि स्पेसएक्स ने गुरुवार सुबह अपने स्टारशिप रॉकेट को लॉन्च किया। लॉन्चिंग के कुछ देर बाद अंतरिक्षयान का स्पेसएक्स से संपर्क टूट गया और तबाह होने के बाद अंतरिक्षयान का मलबा हवा में फैल गया। एलन मस्क ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि सफलता अनिश्चित है, लेकिन मनोरंजन की गारंटी है। यह स्टारशिप रॉकेट की सातवीं परीक्षण उड़ान थी। स्पेसएक्स के मिशन कंट्रोल के कम्युनिकेशन मैनेजर ने कहा कि स्टारशिप से संचार टूटने की वजह ऊपरी चरण में हुई तकनीकी खामी रही। कुछ मिनट बाद ही अंतरिक्षयान पूरी तरह से नष्ट हो गया और उसका मलबा आकाश में बिखर गया।

### हॉलीवुड फिल्म निर्माता-निर्देशक डेविड लिंच का 78 वर्ष की आयु में निधन

**लॉस एंजिल्स।** मशहूर हॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक डेविड लिंच नहीं रहे। डेविड लिंच ने 78 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। रेजरहेड, ब्लू वेलवेट और मुल्होलैंड ड्राइव उनकी प्रमुख फिल्में हैं। परिवार ने लिंच के आधिकारिक फेसबुक पेज पर बयान जारी कर उनके निधन की घोषणा की। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, हॉलीवुड ने अपना सबसे बड़ा सितारा खो दिया। उनके निधन पर निर्देशक रॉन हावर्ड, स्टिंग और जुड अपाटो ने श्रद्धांजलि दी है। 2020 में गंभीर बीमारी का पता चलने के बाद लिंच को ऑक्सीजन पर रखा गया था। परिवार ने बयान में कहा, हम दुख के साथ महान व्यक्ति और कलाकार डेविड लिंच के निधन की घोषणा करते हैं। अब वह हमारे बीच नहीं हैं। वह कहा करते थे, अपनी नजर डोनट पर रखो, फासले पर नहीं। फिल्म निर्देशक रॉन हावर्ड ने कहा कि वह दयालु और निडर कलाकार थे। उन्होंने अपनी आत्मा सिनेमा को समर्पित कर दी थी। उन्होंने लोगों को यह मानने पर मजबूर कर दिया कि कुछ अलग कर के नई चीजों का निर्माण किया जा सकता है। लेस्ली लिंका ग्लैटर ने सोशल मीडिया में लिखा, डेविड जैसा कोई नहीं । मैंने 1990 में ट्विन पीक्स के लिए उनके साथ काम किया था। उन्होंने एक युवा निर्देशक के तौर पर मुझे मौका दिया। उन्होंने पूरी तरह से मेरे जीवन को बदल दिया था। मैं उनकी आभारी रहूंगी। लिंच ने अपने 79वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले इस फानी दुनिया से जुदा हो गए। उनके परिवार ने मृत्यु का कारण और स्थान साझा नहीं किया है। लिंच 1970 के दशक में इरेजरहेड फिल्म से सुर्खियों में आए। उन्हें तीन गोल्डन ग्लोब, दो एमी और एक ग्रैमी अवार्ड जीता। निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने एक बयान में लिंच के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दुनिया को दमदार आवाज की कमी खलेगी।

### कुर्रम जिले में आतंकवादी हमले में एक सैनिक की मौत, जवाबी कार्रवाई में 6 आतंकी मारे गए

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के सांप्रदायिक हिंसा से ग्रस्त कुर्रम जिले में गुरुवार को खाद्य और चिकित्सा सामग्री ले जा रहे 35 वाहनों के एक काफिले पर आतंकवादियों ने हमला किया। रॉकेटों से किये गये इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई, जबकि जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने छह आतंकवादियों को मार गिराया। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। जिला प्रशासन और पुलिस के अनुसार, गुरुवार को 35 वाहनों का काफिला थाल शहर से कुर्रम के पाराचिनार के लिए रवाना हुआ था। जैसे ही पहला वाहन बागान बाजार पहुंचा, काफिले पर रॉकेट और स्वचालित हथियारों से हमला किया गया। जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और चार जवान घायल हो गए। अतिरिक्त उपायुक्त शौकत अली के अनुसार, सुरक्षा बलों ने हमले का जवाब दिया, जिसमें छह आतंकवादियों को मार गिराया गया। वहीं, 10 आतंकवादी घायल हुए हैं।

# येओल पर सीआईओ ने कसा कानूनी शिकंजा राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा प्रमुख गिरफ्तार

**सियोल, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

**दक्षिण कोरिया का भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) अब राष्ट्रपति यून सुक येओल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने की तैयारी में है। सीआईओ के शुक्रवार को सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय में नया वारंट दाखिल करने की संभावना है। इस बीच पुलिस ने राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा (पीएसएस) के कार्यवाहक प्रमुख को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उन्होंने येओल को हिरासत में लेने की प्रक्रिया में अवरोध पैदा किया।**

एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि महाभियोगाधीन राष्ट्रपति येओल के मार्शल लॉ मामले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने के लिए वारंट दाखिल करने की औपचारिकता पूरी कर ली है। सीआईओ शुक्रवार रात से पहले इसे सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय में दाखिल करेगा।

सीआईओ ने कहा कि येओल ने हिरासत के दौरान मार्शल लॉ के संबंध में किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। बताया गया है कि येओल ने अपनी हिरासत की वैधता की समीक्षा करने के लिए सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका दायर की थी। उसे अदालत ने गुरुवार रात खारिज कर दिया।

खबर के अनुसार, पुलिस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा (पीएसएस) के कार्यवाहक प्रमुख किम सेओंग-हून को गिरफ्तार कर लिया है। हून पर आरोप है कि उन्होंने येओल को हिरासत में लेने की सीआईओ की कार्रवाई में अड़चन पैदा की।

किम सेओंग-हून ने पिछले हफ्ते पूर्व प्रमुख पार्क चोंग-जून के इस्तीफा देने के बाद पीएसएस के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। किम ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने सिर्फ अपने कर्तव्यों का पालन किया।

## पश्चिमी अफ्रीका से नाव से स्पेन जा रहे पाकिस्तान के 40 से अधिक लोग डूबे

**इस्लामाबाद।** पश्चिमी अफ्रीका से नाव के जरिए स्पेन पहुंचने का प्रयास कर रहे पाकिस्तान के कम से कम 40 से अधिक नागरिकों के समुद्र में डूबने की आशंका है। पाकिस्तान के समाचार पत्र इंटरनेशनल द न्यूज और जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मैड्रिड और नवारा स्थित अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि मोरक्को के अधिकारियों ने बुधवार को एक नाव से 36 लोगों को बचाया। यह नाव दो जनवरी को मॉरिटानिया से रवाना हुई थी। इसमें पाकिस्तान के 66 लोगों सहित 86 प्रवासी थे। समूह का कहना है कि उसने छह दिन पहले लापता नाव के बारे में संबंधित देशों के अधिकारियों को सूचित कर दिया था। वॉकिंग बॉर्डर्स की सीईओ हेलेना मालेनो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डूबने वालों में से 44 लोग पाकिस्तान से थे। उन्होंने क्रॉसिंग पर पीड़ा के 13 दिन बिताए और कोई भी उन्हें बचाने के लिए नहीं आया। वॉकिंग बॉर्डर्स के अनुसार, 2024 में स्पेन पहुंचने की कोशिश में रिकॉर्ड 10,457 प्रवासियों मौत हो गई। इनमें से अधिकांश मॉरिटानिया और सेनेगल जैसे पश्चिम अफ्रीकी देशों से कैनरी द्वीपों तक अटलांटिक मार्ग को पार करने का प्रयास करते समय मारे गए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही नाव दखला के मोरक्को बंदरगाह के पास पलट गई। पाकिस्तान ने नागरिकों की सुविधा और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए रबात दूतावास से एक टीम दखला भेजी है। मंत्रालय में संकट प्रबंधन इकाई को सक्रिय कर दिया गया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संबंधित सरकारी एजेंसियों को प्रभावित पाकिस्तानियों को हर संभव सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। शहबाज ने मानव तस्करी जैसे घृणित कृत्य में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राष्ट्रपति ने भी मानव तस्करी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया है। डूबे हुए पाकिस्तान के लोगों के रिश्तेदारों ने कहा कि नाव दो जनवरी को स्पेन के लिए रवाना हुई। मानव तस्करों ने नाव को समुद्र में खड़ा कर दिया और उनसे और पैसे की मांग की। समुद्र में खोए प्रवासियों के लिए आपातकालीन फोन लाइन प्रदाता गैर सरकारी संगठन अलार्म फोन ने कहा कि उसने 12 जनवरी को स्पेन की समुद्री बचाव सेवा को सतर्क कर दिया था। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने कहा कि उसके पास नाव के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

# समझौते की घोषणा के बाद इजराइल ने किया गाजा में हमला

**गाजा, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

हमास की सैन्य शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने दावा किया कि इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में फिर बमबारी की है, जहां एक इजराइली बंदी को रखा गया था, जिसे आगामी समझौते के तहत पहले चरण में रिहा किया जाना था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल-कसम के प्रवक्ता अबू उबैदा ने कहा कि समझौते की घोषणा के बाद इजराइली सेना ने विनिमय सौदे के शुरुआती चरण में रिहा होने वाले बंदियों में से एक को निशाना बनाया। उनका मानना था कि इस समय दुश्मन द्वारा किया गया कोई भी आक्रमण या बमबारी, बंदी की स्वतंत्रता को त्रासदी में बदल सकती है। बयान में इजराइली बंदी की स्वास्थ्य स्थिति या लक्षित स्थान के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया गया है। रिपोर्ट में गाजा में फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने दावा किया कि युद्ध विराम समझौते की घोषणा के बाद से गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में 73 आम फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। संघर्षविराम समझौते की घोषणा के बाद से इजराइली सेना ने शुक्रवार सुबह तक 73 लोगों को हमला कर मार डाला, जिसमें अकेले गाजा के 61 लोग शामिल हैं। पीड़ितों में 20 बच्चे और 25 महिलाएं शामिल हैं तथा 230 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले मिस्र, कतर और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान में घोषणा की थी कि गाजा में संघर्ष के दोनों पक्षों ने कैदियों की अदला-बदली और स्थायी शांति की वापसी के लिए एक समझौता किया है, जिससे स्थायी युद्धविराम का मार्ग प्रशस्त होगा। यह समझौता 19 जनवरी से प्रभावी होने वाला है। मिस्र, कतर और अमेरिका गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। 7 अक्टूबर, 2023 से हमास और इजराइल एक विनाशकारी युद्ध लड़ रहे हैं, जिसमें गाजा में 46,700 से ज्यादा आम नागरिकों की जान जा चुकी है और व्यापक विनाश हुआ है। यह संघर्ष तब शुरू हुआ, जब हमास ने दक्षिणी इजराइल के शहरों पर अचानक हमला कर दिया था जिसमें 1,200 इजराइली मारे गए और करीब 250 बंधक बना लिए थे। इस बीच इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हमास के साथ युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताने के एक दिन बाद गुरुवार को गाजा पट्टी में करीब 50 स्थलों पर हमले किए। सेना ने कहा कि हमलों में एक आतंकवादी को निशाना बनाया गया, जिसने अक्टूबर 2023 में इजराइली समुदायों पर हमास के नेतृत्व वाले हमले में भाग लिया था। बयान के मुताबिक इसने हमास और इस्लामिक जिहाद के अन्य सैन्य परिसरों, हथियार भंडारण और विनिर्माण सुविधाओं, प्रक्षेपण चौकियों और निगरानी चौकियों पर भी हमला किया।

**हमास का दावा- इजराइल ने पहले चरण में रिहा होने वाले बंदियों को निशाना बनाया**

## माउंट इबू ज्वालामुखी से उठता हुआ लावा

इंडोनेशिया उत्तरी मलूकू प्रांत में नेशनल डिसास्टर मैनेजमैंट एजेंसी ने इस तस्वीर जारी की। इसमें माउंट इबू ज्वालामुखी से उठता हुआ लावा नजर आ रहा।

# बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में लगी आग, बच्चे की मौत, 100 घर राख

**ढाका, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के टेकनाफ के मोचनी रोहिंग्या शिविर में गुरुवार रात भीषण आग लग गई। इस दौरान एक बच्चे की मौत हो गई और 100 से अधिक कच्चे-पक्के घर राख हो गए। चटगांव से 150 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित कॉक्स बाजार में लगभग 10 लाख रोहिंग्या शरणार्थी रहते हैं। इसे दुनिया की सबसे बड़ी रोहिंग्या शरणार्थी बस्ती कहा जाता है।

16वीं सशस्त्र पुलिस बटालियन (एपीबीएन) के अतिरिक्त उप महानिरीक्षक एमडी कौसर सिकदर ने रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लगने से बच्चे की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। कुछ लोग झुलसे भी हैं पर उनकी सही संख्या की जानकारी अभी नहीं मिल आई है। कौसर ने कहा कि आग हनीला यूनियन में रोहिंग्या शिविर के ब्लॉक पी-3 के भीतर एक घर पर लगी और तेजी से फैल गई। रोहिंग्या शिविर में रहने वालों ने एपीबीएन कर्मियों के साथ आग बुझाने में सहयोग किया। सूचना मिलते ही टेकनाफ फायर सर्विस स्टेशन से दो गाड़ियां पहुंची। कुछ देरबाद आग बुझा दी गई।

टेकनाफ अग्निशमन सेवा संचालन दल के प्रमुख मुकुल कुमार नाथ ने कहा कि आग की लपटों ने कम से कम 100 घरों को चपेट में ले लिया। देखते-देखते ही प्रभावित क्षेत्र मलबे के ढेर में बदल गया। आग बुझने के बाद मलबे के ढेर से एक बच्चे का शव बरामद किया गया।

# इमरान खान और बुशरा बीबी को अल-कादिर ट्रस्ट केस में 14 और सात साल जेल की सजा

**इस्लामाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के बहुचर्चित अल-कादिर ट्रस्ट केस में आखिरकार अदालत ने फैसला सुना दिया। इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर करीब 50 अरब रुपयों (लगभग 190 मिलियन पाउंड) की हेराफेरी करने का आरोप है।

दालत ने इमरान खान को 14 साल और बुशरा को सात साल जेल की सजा सुनाई। इमरान लंबे समय से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं।

इस्लामाबाद की भ्रष्टाचार विरोधी अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने अदियाला जेल में बनाए गए एक अस्थायी अदालत कक्ष में फैसले की घोषणा की।

अदालत ने इमरान और बुशरा पर क्रमशः 10 लाख रुपये और 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। फैसले के मद्देनजर अदियाला जेल के बाहर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया। आम चुनाव के फौरन बाद 27 फरवरी, 2024 को इस मामले में दंपति को दोषी ठहराया गया था।

फैसला आने से पहले अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बातचीत में पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा, आप पिछले दो वर्षों में हुए अन्याय का अनुमान लगा सकते हैं। अगर निष्पक्ष फैसला हुआ तो इमरान और बुशरा बरी हो जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि इस केस में आरोप है कि इमरान और बुशरा बीबी ने 50 अरब रुपये को वैध बनाने के लिए बहरिया टाउन लिमिटेड से अरबों रुपये और सैकड़ों कनाल की जमीन प्राप्त की। दिसंबर 2023 में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अल-कादिर ट्रस्ट के संबंध में इमरान और उनकी पत्नी सहित सात अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था।

## श्रीलंका ने अंडर वर्ल्ड सरगना पोडी लेस्सी को भारत से सौंपने का किया आग्रह

**कोलंबो।** श्रीलंका का अंडर वर्ल्ड सरगना अरुमहंडी जेनिथ मदुशंका सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी भारत में पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। श्रीलंका ने आधिकारिक रूप से भारत से उसे सौंपने का आग्रह किया है। लेस्सी को 16 जनवरी को मुंबई में गिरफ्तार किया गया। जेनिथ मदुशंका डी सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी कुख्यात ड्रग तस्कर है। वह श्रीलंका में संगठित अपराधियों के गिरोहों का नेतृत्व करता है। श्रीलंका की कार्यवाहक आईजीपी प्रियंता वीरसूर्या ने भारत से आधिकारिक तौर पर पोडी लेस्सी को सौंपने का अनुरोध किया है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित श्रीलंकाई उच्चायोग से इस संबंध में भारतीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने को कहा है। श्रीलंका पुलिस के प्रवक्ता बुद्धिका मनतुंगा ने कहा कि पोडी लेस्सी को पिछले साल नौ दिसंबर को बालापिटिया मजिस्ट्रेट की अदालत से सशर्त जमानत मिलने पर जेल से रिहा किया गया था। अदालत ने उसकी विदेश यात्रा पर रोक लगा दी थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लेस्सी चकमा देकर देश से भाग गया। कुछ दिन बाद उसके भारत में होने की सूचना मिली। इसे इंटरपोल के साथ से साझा कर भारतीय अधिकारियों से सहायता मांगी गई थी।

# निक पोथास ने बांग्लादेश के सहायक कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सहायक कोच निक पोथास ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। 2023 में बांग्लादेश के कोचिंग स्टाफ़ में शामिल होने वाले पोथास को शुरू में मार्च 2026 तक काम करने के लिए अनुबंधित किया गया था। हालाँकि, पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पद छोड़ने का फैसला किया।

पोथास ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, सभी अच्छी चीजों की तरह, यह भी खत्म होना चाहिए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ रहते हुए मैंने कुछ बेहतरीन लोगों के साथ शानदार समय बिताया है।

हमने इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इतिहास रचा है और अद्भुत यादें बनाई हैं। अब घर पर कुछ बेहतरीन समय बिताने और यह देखने का समय है कि अगला अध्याय क्या लेकर आता है।

मैं बांग्लादेश क्रिकेट के सभी लोगों को आने वाले रोमांचक वर्ष के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको मिस करूंगा। एक दशक से ज़्यादा लंबे कोचिंग करियर में पोथास वेस्टइंडीज़ (2018-2019) और श्रीलंका (2017-2018) दोनों के लिए मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने इन टीमों के लिए सहायक कोच, फ़ील्डिंग कोच और मुख्य फ़ील्डिंग कोच के तौर पर भी काम किया है। बांग्लादेश में शामिल होने से पहले, वे हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में विकेटकीपिंग कोच थे। अपने खेल करियर के दौरान, दाएं हाथ के बल्लेबाज़ पोथास ने तीन वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया और प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए क्रिकेट में 16,000 से ज़्यादा रन बनाए।

हाल ही में, बीसीबी ने मोहम्मद सलाहुद्दीन को वरिष्ठ सहायक कोच नियुक्त किया। सलाहुद्दीन ने बांग्लादेश के वेस्टइंडीज़ दौरे के दौरान बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी काम किया।

## न्यूज़ ब्रीफ

### ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: चोटिल ओसाका तीसरे दौर में बेनसिक के खिलाफ हुईं रिटायर

**मेलबर्न।** जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में

महिला एकल के तीसरे दौर में स्विट्ज़रलैंड की बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ अस्वस्थ होने के कारण रिटायर हो गईं। पूर्व विश्व नंबर 1 ने पहला सेट टाईब्रेक में 6-7 (3-7) से गंवा दिया और फिर असुविधा के कारण मैच से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को पहले सेट में 6-5 के स्कोर पर ट्रेनर से अपने पेट के इलाज की आवश्यकता पड़ी, जिसे अंततः वह अपने स्विस प्रतिद्वंद्वी से टाईब्रेक में हार गईं। कुछ ही देर बाद उन्होंने बेनसिक से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चली गईं। यह 2022 के बाद पहली बार था जब ओसाका किसी ग्रैंड स्लैम में तीसरे दौर में पहुंचीं थीं। वह पिछले कुछ समय से टेनिस से दूर थीं, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया और बाद में अपनी गर्भावस्था के दौरान टेनिस कोर्ट से दूर हो गईं। उनकी बेटी शाई का जन्म जुलाई 2023 में हुआ था। ओसाका ने इस सीज़न की जोरदार शुरुआत की और 5 जनवरी को ऑकलैंड, न्यूज़ीलैंड में एक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। हालाँकि, पेट की चोट के कारण खिताबी मुकाबले के दौरान उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

### ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में वाराणसी के रोशन मौर्य ने जीता कांस्य पदक

**वाराणसी।** महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में चल रहे ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में वाराणसी के रोशन मौर्य ने कांस्य पदक जीता है। एमडीयू के खेल परिसर स्थित डॉ. मंगल सेन मल्टीपर्पज हॉल में 15 जनवरी से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का समापन 18 जनवरी को होगा। रोशन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र हैं और टूर्नामेंट में इसी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में 60 किलोग्राम भार के व्यक्तिगत कुमिते वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया है। टीम के कोच सेंसेइ अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि रोशन मौर्य ने पहले मैच में श्री बालाजी यूनिवर्सिटी, पुणे के खिलाड़ी ओंकार मापारी को हराया। दूसरे मैच में उन्होंने तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ के खिलाड़ी आदित्य काले को हरा कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। हालांकि सेमीफाइनल में रोशन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी रिषभ से हार गए, जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ टीम के मैनेजर डॉ. राजेश प्रसाद एवं प्रभारी डॉ. अमरेंद्र सिंह हैं।

### महिला प्रीमियर लीग 2025 की मेजबानी करेंगे बड़ौदा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को बहुप्रतीक्षित टाटा महिला प्रीमियर लीग

(डब्ल्यूपीएल) 2025 के कार्यक्रम की घोषणा की। दुनिया की प्रमुख महिला टी20 लीग का तीसरा संस्करण चार शहरों - बड़ौदा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट 14 फरवरी को बड़ौदा के नवनिर्मित बीसीए स्टेडियम में शुरू होगा, जहां गुजरात जायंट्स (जीजी) गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ एक हाई-ऑक्टेन सीजन ओपनर में भिड़ेगा। बड़ौदा कुल छह मैचों की मेजबानी करेगा, इससे पहले कि कार्रवाई बेंगलुरु में स्थानांतरित हो जाए, जहां आरसीबी अपना पहला घरेलू मैच 21 फरवरी को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहले डब्ल्यूपीएल संस्करण की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ खेलेगी। आरसीबी के पास अपने घरेलू दर्शकों का मनोरंजन करने के तीन और अवसर होंगे, क्योंकि वे 24 फरवरी को यूपी वारियर्स (यूपीडब्लू), 27 फरवरी को गुजरात और 1 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की मेज़बानी करेंगे। रोमांच को और बढ़ाते हुए, लखनऊ इस सीजन में डब्ल्यूपीएल स्थल के रूप में अपनी शुरुआत करेगा, जिसमें लखनऊ की टीम 3 मार्च से अपने घरेलू मैदान पर तीन मैच खेलेगी। टूर्नामेंट का अंतिम चरण मुंबई में होगा, जिसमें प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) अंतिम दो लीग मैचों और दो उच्च-दांव प्लेऑफ़ खेलों की मेज़बानी करेगा। मुंबई इंडियंस 10 और 11 मार्च को क्रमशः गुजरात और आरसीबी के खिलाफ़ बैक-टू-बैक घरेलू खेलों के साथ लीग चरण का समापन करेगी। प्लेऑफ़ में वर्चस्व की लड़ाई अपने चरम पर पहुँच जाएगी, जिसमें तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें सीधे फ़ाइनल में प्रवेश करेंगी।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : बोपन्ना झांग मिश्रित युगल के दूसरे दौर में

मेलबर्न, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

**भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग ने शुक्रवार को यहां इवान डोडिग और क्रिस्टीना म्लादेनोविक पर 6-4, 6-4 की शानदार जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष युगल से जल्दी बाहर हुए पूर्व विश्व नंबर 1 भारतीय ने झांग के साथ अपना कौशल दिखाया, और एक घंटे और 12 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। प्री-क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और झांग का सामना अमेरिका के टेलर टाउनसेंड और मोनेगास्क के ह्यूगो निस की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी और मैडिसन इंगलिस और जेसन कुबेर की वाइल्ड कार्ड ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।**

इंडो-चाइनीज जोड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि क्रोएशियाई डोडिग और फ्रांसीसी महिला म्लादेनोविक ने झांग की सर्विस तोड़कर अंतर को 3-2 से कम कर दिया, लेकिन बोपन्ना दबाव में डटे रहे और पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट की शुरुआत दोनों जोड़ियों के कड़े मुकाबले में ब्रेक के आदान-प्रदान के साथ हुई।

3-4 से पिछड़ने पर, इंडो-चाइनीज जोड़ी ने डोडिग और म्लादेनोविक की गलतियों का फायदा उठाया, जिसमें दो महंगे डबल फॉल्ट भी शामिल थे। उन्होंने अगले दो गेम जीतने का साहस बनाए रखा, जिसमें झांग और बोपन्ना ने स्थिर सर्विस और तेज फोरहैंड प्रदर्शन के साथ एक-दूसरे का साथ दिया।

जबकि डोडिग और म्लादेनोविक ने पूरे मैच में 17 ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन महत्वपूर्ण अवसरों को भुनाने में उनकी विफलता उनके लिए महंगी साबित हुई। दूसरी ओर, बोपन्ना और झांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नौ ब्रेक प्वाइंट में से पांच को भुनाया।

डोडिग/म्लादेनोविक की तुलना में इंडो-चाइनीज जोड़ी ने निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए 48 में से 31 सर्विस प्वाइंट जीते, जबकि रिटर्न के मामले में वे कुशल रहे और अपने विरोधियों के 48 में से 17 रिटर्न प्वाइंट की तुलना में 34 में से 10 रिटर्न प्वाइंट जीते।

बोपन्ना और झांग ने चार वॉली विनर्स के साथ नेट पर अच्छा प्रदर्शन किया और चार पासिंग शॉट लगाने में सफल रहे। उनकी ग्राउंडस्ट्रोक सटीकता स्पष्ट थी, जिसमें उन्होंने तीन फोरहैंड विनर्स लगाए, जबकि डोडिग/म्लादेनोविक असफल रहे।

बोपन्ना ने 2023 में सानिया मिर्जा के साथ फाइनल में जगह बनाई थी और वह इस बार हार की भरपाई करना चाहेंगे।

मैथ्यू एब्डेन के साथ 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला बड़ा युगल खिताब जीतने के बाद बोपन्ना युगल में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए, 43 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

# राजकोट से केन्या होते हुए खो-खो विश्व कप तक दिलचस्प रही है डॉ. हिरेन पाठक की यात्रा

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में चल रहे उद्घाटन खो-खो विश्व कप में केन्या का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. हिरेन पाठक की यात्रा प्रेरणादायक और दिलचस्प है। राजकोट से शुरू हुआ यह सफर उन्हें केन्या ले गया और अब विश्व कप के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचा है।

डॉ. हिरेन, जो एक चिकित्सक होने के साथ-साथ खेल प्रेमी भी हैं, ने अपनी यात्रा के बारे में कहा, हम भारतीय खेल खेलते हुए बड़े हुए हैं और खो-खो उनमें से एक है। करीब दो दशक पहले डॉ. हिरेन अपने परिवार के साथ केन्या चले गए, जब उनके पिता को वहां रोजगार मिला।

केन्या में भारतीय खेलों के प्रचार-प्रसार में हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, मैं 20 साल पहले खो-खो से जुड़ा था। एचएसएस ने भारतीय खेलों के लिए अभ्यास के क्षेत्र और सहायता प्रदान की। हम कबड्डी और अन्य पारंपरिक खेल भी खेलते हैं। हालांकि शुरुआत में औपचारिक टूर्नामेंट नहीं होते थे, लेकिन हमने खो-खो को जिंदा रखा।

केन्या में खो-खो को औपचारिक रूप से 2020 में संरचित ढांचा मिला। वहां की काउंटियों की प्रणाली ने होनहार खिलाड़ियों की पहचान और टीम चयन को आसान बनाया। डॉ. हिरेन बताते हैं, काउंटियों से खिलाड़ियों की पहचान कर टीम बनाई गई। छोटे क्लब उभर रहे हैं, जो खेल को बढ़ावा देंगे। उद्घाटन विश्व कप में शामिल होने पर डॉ. हिरेन ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, यह पहला खो-खो विश्व कप है, और हम इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह अनुभव अद्भुत है।

यह विश्व कप खेल के प्रति समर्पण का जश्न मनाने का एक अद्वितीय अवसर बन गया है, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

## ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में महिलाओं के युगल मुकाबले में भाग लेती हुई जियू यीफान व यांग जोएकसन।

# साकिब महमूद को इंग्लैंड के भारत दौरे के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

**साकिब महमूद को आखिरकार भारत में इंग्लैंड की आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपना वीजा मिल गया है, जिसका अर्थ है कि वह बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच से पहले शुक्रवार को टीम के साथ कोलकाता जा सकेंगे। पाकिस्तानी मूल के महमूद को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में भाग नहीं ले सके। हालांकि आदिल राशिद और रेहान अहमद को पहले ही अपना वीजा मिल गया था।**

लंकाशायर के इस तेज गेंदबाज को पहले भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जब 2019 में इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी। 2024 में, वीजा की धीमी प्रक्रिया के कारण इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच चूक गए थे।

महमूद को भारत दौरे से पहले अबू धाबी में तेज गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के नेतृत्व में एक तेज गेंदबाजी शिविर में भाग लेना था, जिसमें जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

27 वर्षीय महमूद ने नवंबर में कैरिबियन में इंग्लैंड की टी20आई सीरीज के दौरान 10.55 की औसत से नौ विकेट लिया था, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट कैप सहित सभी प्रारूपों में 29 प्रदर्शनों के साथ, महमूद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को प्रभावित करने के लिए उत्सुक होंगे जो अब इंग्लैंड की रेड- और व्हाइट-बॉल टीमों के प्रभारी हैं।

# फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारत ने पाक को 5 विकेट से हराया

कोलंबो, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत का अपराजेय क्रम गुरुवार को चौथे दिन पाकिस्तान पर 5 विकेट की जीत के साथ जारी रहा। यह मैच एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड, कटुनायके में आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय टीम ने एक और उल्लेखनीय जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जीतेंद्र वी.एन. ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि नरेंद्र मंगोर और सनी ने एक-एक विकेट लेकर टीम का बहुमूल्य साथ दिया। सैफ उल्लाह ने 51 गेंदों पर 58 रनों की ठोस पारी खेलकर पाकिस्तान की पारी को संभाला। भारत की ओर से राजेश कन्नूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 52 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली और भारत को 18 ओवर में 141/5 का स्कोर बनाने में मदद की। नियमित अंतराल पर विकेट खोने के बावजूद, कन्नूर के संयमित रवैये ने सुनिश्चित किया कि टीम आसानी से लक्ष्य तक पहुँच जाए। उनके असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। स्वयम की संस्थापक-अध्यक्ष स्मिनू जिंदल ने कहा, इस टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन असाधारण रहा है। प्रत्येक मैच उन क्रिकेटरों की क्षमता को दर्शाता है जो चुनौतियों से ऊपर उठते हैं और जुनून के साथ प्रदर्शन करते हैं।

डीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, और टीम की सफलता दर्शाती है कि जब अवसर सुलभ हों तो क्या संभव है। उनकी उपलब्धियाँ देश भर में अनगिनत व्यक्तियों को प्रेरित करेंगी। मैन ऑफ़ द मैच राजेश कन्नूर ने कहा, मैं जीत में अहम भूमिका निभाकर रोमांचित हूँ। इस टूर्नामेंट में टीम की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे गेंदबाजों ने पाकिस्तान को रोकने का शानदार काम किया, जिससे हमें लक्ष्य का पीछा करने के लिए ध्यान केंद्रित करने का आत्मविश्वास मिला। मैं बस शांत रहना चाहता था, अपने शॉट्स चुनना चाहता था और टीम को जीत दिलाना चाहता था। हर खेल आगे बढ़ने और अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है, और मैं इस फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक हूँ। भारतीय कप्तान विक्रांत केनी ने कहा, हमारा प्रदर्शन इस टीम की ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। पाकिस्तान को नियंत्रण में रखने में जीतेंद्र की गेंदबाजी अहम रही और राजेश की बल्लेबाजी बेहतरीन रही। उनकी पारी ने न केवल लक्ष्य का पीछा करने में हमारी मदद की बल्कि हमें आत्मविश्वास के साथ खेल खत्म करने की गति भी दी। टीम इस जीत की लय को बनाए रखने के अपने लक्ष्य को लेकर एकजुट है और हम आगे की चुनौतियों को लेकर उत्साहित हैं। लगातार चार जीत के साथ भारत ने खुद को चैंपियनशिप के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर लिया है।

# डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 279-294 रुपए प्रति शेयर

**मुंबई/नई दिल्ल,17 जनवरी (एजेंसियां)।** जल एवं अवसंरचना समाधान कंपनी डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 22 जनवरी, 2025 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 279-294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर 29 जनवरी को लिस्ट होगा।

कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 22 जनवरी को सब्सिक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 जनवरी, 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशक इसमें 21 जनवरी को दांव लगा पाएंगे। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 50 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 50 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से 75 लाख इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। इसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 220.5 करोड़ रुपये है। कंपनी नए निर्गम से 150 करोड़ रुपये की इनकम का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जो लागू कानूनों के अधीन है।

उल्लेखनीय है कि 2016 में स्थापित डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी जल इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण सेवाओं के क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरा है। डेन्टा वाटर्स ने 32 जल प्रबंधन परियोजनाएं पूरी की हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### इरेडा, एसजेवीएन, जीएमआर और एनईए ने नेपाल में जलविद्युत परियोजना के लिए समझौता किया

**नई दिल्ली।** भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने नेपाल में 900 मेगावाट की अपर करनाली जलविद्युत परियोजना के लिए एसजेवीएन लिमिटेड, जीएमआर एनर्जी लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौता किया है। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और अक्षय ऊर्जा विकास में तेजी लाना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता शुक्रवार को नई दिल्ली में इरेडा, एसजेवीएन और जीएमआर एनर्जी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस संयुक्त उद्यम समझौते में निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण (बीओओटी) मॉडल के तहत परियोजना विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई है। वाणिज्यिक संचालन तिथि से परियोजना की अवधि 25 वर्ष तय की गई है। इस अवसर पर इरेडा के सीएमडी प्रदीप कुमार दास ने कहा कि यह समझौता क्षेत्र में सतत ऊर्जा विकास के हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अपर कर्णाली परियोजना, हाइड्रोपावर की विशाल क्षमता का लाभ उठाकर सीमा पार सहयोग के एक मॉडल के रूप में काम करेगी, जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों तरह के लाभ मिलेंगे।

### सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना चांदी की कीमत में भी उछाल

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है। के कारोबार में सोना

500 रुपये से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,770 रुपये से लेकर 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,050 रुपये से लेकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आई तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

### एनसीएलएटी ने एटिवो में आईएफआईएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को किया बहाल

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विस

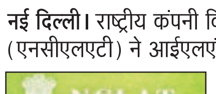


(आईएफआईएन) के 593 करोड़ रुपये के दावों को बहाल कर दिया है। इस फैसले से एटिवो इकोनॉमिक जोन्स की मौजूदा दिवाला समाधान प्रक्रिया में ऋणदाताओं की समिति के मतदान अधिकार भी बहाल कर दिए गए हैं। इससे पहले, कोलकाता स्थित श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस (एसआईएफएल) का हिस्सा और औद्योगिक पार्कों के विकास, प्रबंधन व विपणन के व्यवसाय में शामिल एटिवो इकोनॉमिक जोन्स के अंतरिम समाधान पेशेवर ने 12 सितंबर 2023 को आईएलएंडएफएस समूह इकाई के दावों को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने यह निर्णय लेते समय कहा कि इससे आईएफआईएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को खारिज करने वाले 12 सितंबर 2023 के पत्र को जारी करने की आवश्यकता नहीं है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने इस निर्णय का समर्थन किया। एनसीएलएटी ने आईआरपी द्वारा 12 सितंबर 2023 का पत्र रद्द कर दिया गया है और 39.14 प्रतिशत मतदान अधिकार को एटिवो इकोनॉमिक जोन (मुंबई) प्राइवेट लिमिटेड के सीआईआरपी में बहाल किया गया है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### साफ नहीं हैं ...

हिरणों का शिकार करने का आरोप लगा। यह भी कहा गया था कि इन लोगों ने कांकाणी गांव में 1 अक्टूबर 1998 को 2 काले हिरणों का शिकार किया था। तब इस घटना से नाराज बिश्नोई समाज ने इन अभिनेताओं पर दो मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा लगभग 20 साल तक चला और आखिर में इन सभी अभिनेताओं को आरोप से बरी कर दिया गया। हालांकि, इस मामले के चश्मदीद गवाह रहे हीरालाल ने बताया था कि उन्होंने हिरण का शिकार करने वाले अभिनेताओं का पीछा किया था। बाद में पुलिस ने भी इन्हें पकड़ा था। हीरालाल ने कहा था, जिस दिन उन्हें पकड़ा गया उस रात वे सभी 3 बजे तक जेल में थे। उनके साथी, वन विभाग के लोग और सलमान खान जेल के अंदर थे। तब्बू, सोनाली बेंद्रे, सैफ अली खान को मिलाकर पांच आदमी जेल में थे। इस बात के गवाह उनके परिवार के लोग हैं। अगर उन्होंने कोई शिकार नहीं किया तो उन्हें दो-तीन मुकदमों में सजा क्यों हुई? बिश्नोई समाज का कहना है कि सलमान खान ने तीन हिरण मारे थे।

बिश्नोई समाज के लोगों ने कहा था, हम सबने देखा था कि सलमान खान के हाथ में पिस्तौल थी। रात के 12 बजे हम सबने सलमान खान का पीछा किया था। बिश्नोई समाज के एक और व्यक्ति ने बताया था कि दिन में ये अभिनेता फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने वहां हिरणों की टोली देखी थी। इसके बाद शाम को आकर उनका शिकार किया था। इन सभी को घोड़ा फार्म हाउस में हिरण का मांस पकाते पकड़ा गया था। इस मामले में जोधपुर कोर्ट ने साल 2018 में सलमान खान को पांच साल की सजा सुनाई थी। वहीं, सोनाली बेंद्रे, सैफ अली खान, नीलम कोठारी और तब्बू को बरी कर दिया था। कांकाणी हिरण शिकार मामले में सीजेएम ग्रामीण कोर्ट ने भी सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी और तब्बू को बरी कर दिया था।

सैफ अली खान सलमान खान से अधिक सार्थ्यवान निकले या मासूम (इन्नोसेंट)? यह दोनों ही बातें सैफ अली खान पर लागू होती हैं। साल 2018 में ही सैफ अली खान पर जंगली सुअर का शिकार करने के मामले में बुल्गारिया सरकार ने एक्शन लिया था। इस मामले में इंटरपोल ने नोटिस भी जारी किया था। इसके बाद मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सैफ अली खान का बयान दर्ज किया था। बुल्गारिया की सरकार ने इंटरपोल को एक जंगली सुअर के शिकार के मामले में सैफ अली खान का बयान लेने को कहा था। सैफ अली खान का बयान गवाह के तौर पर दर्ज किया गया। इस मामले में बुल्गारिया की पुलिस ने एक एजेंट को गिरफ्तार किया था। उस एजेंट ने सैफ अली के लिए जंगली सुअर का शिकार किया था। शिकार के लिए जरूरी लाइसेंस और परमिट नहीं लिए गए थे। बुल्गारिया पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी और सैफ अली खान को इसमें गवाह बनाया गया था। स्पष्ट है कि सलमान खान से ज्यादा शौक (शिकार का) सैफ अली खान पालते हैं, क्योंकि यह शौक उन्हें नस्लगत प्राप्त हुआ है।

सैफ अली खान के पिता मंसूर अली पटौदी यानी नवाब पटौदी भी शिकार करने के काफी शौकीन थे। नवाब पटौदी ने भी साल 2005 में काले हिरणों का शिकार किया था। उन्होंने हरियाणा के झज्जर में हिरणों का शिकार किया था। जिस दिन मंसूर अली खान पटौदी ने हिरणों को मारा था, उस दिन 5 जून यानी विश्व पर्यावरण दिवस था। तब झज्जर के थाना प्रभारी ने नवाब पटौदी और उनके शिकारी टीम के 6 सदस्यों को पकड़ा था। इनकी गाड़ियों से एक मादा काला हिरण और खरगोश के शव बरामद किए गए थे। पुलिस ने उनके पास .22 बोर की राइफल भी बरामद की थी। यह राइफल मंसूर अली खान पटौदी की बेटी और सैफ खान की बहन सोहा अली खान के नाम पर पंजीकृत थी। बाद में साल 2009 में गुड़गांव के डीएम ने इस लाइसेंस को रद्द कर दिया था।

इस मामले में फरीदाबाद की विशेष पर्यावरण अदालत ने जनवरी 2015 में सभी 6 लोगों को तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। सैफ अली खान के पिता मंसूर अली खान पटौदी का इंतकाल हो गया, इसलिए वे इस सजा से बच गए। साल 2011 में नवाब पटौदी की मौत हो गई, उसके बाद नामजद दोषियों की लिस्ट से मंसूर अली खान का नाम हटा दिया गया था।

लब्बोलुबाव यह है कि सैफ अली खान के घर में घुस कर हुआ कातिलाना हमला कोई मामूली घटना नहीं, बल्कि अत्यंत गंभीर घटना के रूप में देखी जानी चाहिए और वन्य जीवों का शिकार करने की वासना पालने वाले सामर्थ्यवानों को इस हमले से सीख लेनी चाहिए। वन्यजीवों के शिकार का शौक अब उनकी जान पर भारी पड़ने वाला है। यह बदले हुए समय की अनिवार्यता है।

### भारत में जितनी...

उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत मोबिलिटी एक्सपो का दायरा काफी बढ़ गया है। पिछली बार 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने विजिट किया। इस बार भारत मंडपम के साथ-साथ द्वारका के यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में भी ये एक्सपो चल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, आने वाले 5-6 दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे। अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं। ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिटी के भविष्य को लेकर कितनी सकारात्मकता है। आज का भारत आकांक्षाओं से भरा हुआ है, युवा ऊर्जा से भरा हुआ है। यही आकांक्षाएं हमें भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में दिखाई देती है। बीते साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री करीब 12 प्रतिशत की ग्रोथ से आगे बढ़ी है। मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र पर चलते हुए अब निर्यात भी बढ़ रहा है। विकसित भारत की यात्रा, मोबिलिटी सेक्टर के भी अभूतपूर्व ट्रांसफॉर्मेशन की, कई गुना विस्तार की यात्रा होने वाली है।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मैंने मोबिलिटी से जुड़े एक कार्यक्रम में 7-सी के विजन की चर्चा की थी। हमारे गतिशीलता समाधान ऐसे हैं, जो आम हो, कनेक्टेड हो, सुविधाजनक हो, भीड़ से मुक्त हो, चार्ज्ड हो, साफ हो और कटिंग एज हो। आज हरित प्रौद्योगिकी, ईवीएस, हाइड्रोजन ईंधन, जैव ईंधन और ऐसी ही प्रौद्योगिकी के विकास पर हमारा काफी फोकस है। ऑटोमोटिव उद्योग नवाचार और प्रौद्योगिकी संचालित है। इनोवेशन हो, टेक हो, स्किल हो या फिर डिमांड, आने वाला समय पूर्व का है, एशिया का है, भारत का है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करता है, जिसमें पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी और सस्टेनेबल मोबिलिटी समाधानों पर जोर दिया जाता है। सस्टेनेबल परिवहन समाधानों को अपनाकर हम सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य बना सकते हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि अगले वर्ष तक यह विश्व का सर्वप्रथम सर्वश्रेष्ठ और पूरे सेक्टर के लिए दुनिया में वन स्टॉप डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है, जो इन्वेस्टमेंट्स और हमारे निर्यात को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाहनों की वैश्विक प्रदर्शनी के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर के साथ नई गाड़ियों, कलपुर्जों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 100 से अधिक नई पेशकश किए जाने की उम्मीद है। वाहनों की यह प्रदर्शनी 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार के वाहनों के साथ-साथ गाड़ियों से जुड़ी हर चीज देखने को मिलेगी। यानी इसमें वाहन विनिर्माताओं के साथ-साथ कलपुर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, टायर और ऊर्जा भंडारण बनाने वालों से लेकर वाहन सॉफ्टवेयर कंपनियों के उत्पाद देखने को मिलेंगे। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम, द्वारका में यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में ऑटो एक्सपो हो रहा है। करीब दो लाख वर्ग मीटर के दायरे में फैले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में दुनियाभर की नामचीन ऑटोमोटिव और मोबिलिटी कंपनियां शिरकत कर रही हैं।

### बेंगलुरु में ...

और सी-130 जैसे विमान उड़ा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा, शिक्षा और शोध में भी अब और सहयोग की संभावनाएं खुल गई हैं, खासकर नई शिक्षा नीति के साथ। मुझे उम्मीद है कि हम संयुक्त रूप से कैंपस बनाएंगे, छात्रों का आदान-प्रदान होगा और अमेरिकी शिक्षा क्षेत्र का प्रभाव भी बढ़ेगा। दूतावास का उद्घाटन इस बात का और संकेत है कि हम अपने इतिहास की झिझक पर काबू पा रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा, आज यह हमारे लिए संभव है कि हम भारत-अमेरिका रिश्तों की पूरी क्षमता को समझ सकें और इसे साकार कर सकें। बेंगलुरु को भी इस रिश्ते में अपनी भूमिका समझनी जरूरी है। यह शहर में 12वां विदेशी वाणिज्य दूतावास है। हम देश के तौर पर नए दूतावासों को खुलवाने का समर्थन कर रहे हैं, ताकि हमारी दुनिया से और गहरी जुड़ाव हो सके। इसके साथ ही हम और देशों को बेंगलुरु में दूतावास खोलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे और मौके आएंगे जहां अधिक देश बेंगलुरु में अधिक वाणिज्य दूतावास खोलेंगे। इससे भारत, कर्नाटक और बेंगलुरु के हितों को बेहतर तरीके से फायदा होगा।

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा, आज का दिन बहुत खास है। कर्नाटक के लिए यह महान दिन है। यह अमेरिका और भारत के लिए शानदार दिन है। यह शहर भारत-अमेरिका रिश्ते की असली पहचान है। यह एक नई शुरुआत है। हम अब और भी मजबूत हैं और एक साथ हैं। अमेरिका को भारतीय कामकाजी लोगों से बहुत फायदा हुआ है और भारत को अमेरिकी पर्यटकों से। आज भारतीय-अमेरिकी लोग विश्वविद्यालय चला रहे हैं और महत्वपूर्ण पदों पर चुनाव लड़ रहे हैं। मेरे लिए, जितना हम इस रिश्ते को बढ़ावा देंगे, उतना ही अच्छा होगा। यही मेरा भविष्य के लिए संदेश है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भारत बेंगलुरु के माध्यम से देखा जाता है। कर्नाटक के युवा कड़ी मेहनत कर रहे हैं, दुनिया भर में जा रहे हैं। यह एक अच्छी शुरुआत है, हम बहुत लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, आज बेंगलुरु के लिए एक उल्लेखनीय दिन है। मैं समझता हूं कि इससे न केवल व्यक्तियों की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सकेगा बल्कि उन व्यापारिक घरानों की भी आकांक्षाएं पूरी होंगी जो यह सुनिश्चित करने के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं कि यह भारत-अमेरीका व्यापार संबंधों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण हो। मुझे लगता है कि यह सही दिशा में एक और कदम आगे

### निजी क्षेत्रों ...

हालांकि, परमाणु ऊर्जा अक्षय ऊर्जा नहीं है, लेकिन यह स्वच्छ ऊर्जा अवश्य है। इसके लिए केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 के बजट में भी ऐलान किया था, जिसके तहत सरकार अमेरिका समेत दूसरे अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को सकारात्मक संदेश देना चाहता है। इसीलिए सरकार अब बीएसआर को निजी पूंजी के साथ स्थापित करने की तैयारी कर रही है, जो कि स्वीकृत व्यावसायिक मॉडल और मौजूदा कानूनी ढांचे के अंतर्गत ही काम करेगी। निजी कंपनियों के पास बिजली उत्पादन का अधिकार होगा।

अधिकारियों का कहना है कि निजी क्षेत्र के अंतर्गत शुरू की जाने वाली परियोजना का पूर्व चरण, रखरखाव, क्षति की स्थिति में संपत्ति बहाली और डी कमीशनिंग ये सभी चीजें होगी, जिसे प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों द्वारा ही पूरा किया जाएगा। ये सारी गतिविधियां एनपीसीआईएल की निगरानी में ही की जाएंगी। बाद में इन सारी चीजों के पूरा होने के बाद संचालन के लिए एनपीसी-आईएल को सौंप दिया जाएगा।

### सभी योजनाएं ...

भाजपा सरकार बनने पर इस संबंध में जांच की जाएगी। आम आदमी पार्टी संजीवनी योजना पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि वह यह योजना अपनी सरकार बचाने के लिए लाए हैं।

भाजपा के पहले संकल्प पत्र की बड़ी घोषणाओं के मुताबिक महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 दिए जाएंगे। गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में 500 की सब्सिडी दी जाएगी। गरीब परिवारों को होली और दिवाली पर एक सिलेंडर मुक्त दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को 21000 दिए जाएंगे। 70 साल से अधिक आयु के लोगों को 10 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा। 60 से 70 साल के लोगों की पेंशन में 500 की बढ़ोतरी की जाएगी। 70 साल से अधिक उम्र के लोगों और दिव्यांग व विधवा महिलाओं को 2500 के बजाय 3000 पेंशन दी जाएगी। दिल्ली में अटल कैंटीन योजना लॉन्च की जाएगी, इसके तहत झुग्गी झोपड़ी इलाके में 5 में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा

### मुस्लिमों को..

न्यायाधीश अरुण भंसाली को एक पत्र भी लिखा है।

जस्टिस यादव ने अपने संबोधन को नियमों के अनुसार बताया है। जस्टिस शेखर यादव ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली को पत्र लिख कर कहा है कि उनके संबोधन को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि न्यायपालिका को उनका संरक्षण करना चाहिए क्योंकि उनके जैसे लोग अपना बचाव नहीं कर सकते। जस्टिस शेखर यादव ने अपने पत्र में लिखा है कि उनका संबोधन संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूप था। यह उनकी सामाजिक मुद्दों पर विचारों की अभिव्यक्ति थी, न कि किसी समुदाय के प्रति घृणा पैदा करने वाली बात। उन्होंने कहा है कि यह संबोधन किसी भी तरह से न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन नहीं करता।

जस्टिस यादव ने यह जवाब 17 दिसंबर 2024 को उनकी सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की बैठक के बाद दिया है। इस कॉलेजियम की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना कर रहे थे। इसके बाद जनवरी 2025 में मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस भंसाली से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी थी। इसी के बाद जस्टिस शेखर ने यह जवाब भेजा।जस्टिस शेखर यादव ने मुस्लिमों में फैली रूढ़िवादिता और दकियानूसीपन को लेकर प्रश्न खड़े किए थे। उन्होंने कहा, हमारे हिंदू धर्म में बाल विवाह, सती प्रथा और बालिकाओं की हत्या जैसी कई सामाजिक कुरीतियां थीं, राम मोहन राय जैसे सुधारकों ने इन कुरीतियों को खत्म करने के लिए संघर्ष किया। लेकिन जब मुस्लिम समुदाय में हलाला, तीन तलाक और गोद लेने से जुड़े मुद्दों जैसी सामाजिक कुरीतियों की बात आती है, तब उनके पास इनके खिलाफ खड़े होने की हिम्मत नहीं थी।

### मुस्लिम तुष्टिकरण...

और वकील अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की है। उन्होंने इस अधिनियम की धारा 2,3,4 को समाप्त करने की मांग की है। इसी तरह से वरिष्ठ वकील सुब्रमण्यम स्वामी ने भी याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने मांग की है कि विवादित अधिनियम के कुछ हिस्सों को खत्म कर दिया जाए। इससे हिंदुओं को काशी, मथुरा पर दावा करने में आसानी होगी।

इस कानून को हिंदुओं की तरफ से सुब्रमण्यम स्वामी, अश्विनी उपाध्याय और बाकी संगठनों ने चुनौती दी है। वहीं मुस्लिमों की तरफ से आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत ने याचिका दायर की है। इस मामले में नई याचिका ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी ने दायर की है। उसका कहना है कि वह भी प्रभावित है। मुस्लिम चाहते हैं कि इस कानून के खिलाफ दायर की गई याचिका खारिज कर दी जाएं और कानून को पूरी तरह से लागू किया जाए। उनका कहना है कि कानून के तहत अब किसी भी मुस्लिम मजहबी स्थल पर दावा नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस कानून के जरिए उन सभी धार्मिक स्थलों को कानूनी मान्यता दे दी गई जिनका स्वरूप 1947 से पहले बदल दिया गया था। हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस कानून की धारा 2,3 और 4 को रद्द कर दिया जाए। हिंदू पक्ष ने कहा है कि कानून के चलते उन धार्मिक स्थलों को भी वह वापस नहीं ले सकते, जिनको आक्रांताओं ने तोड़ा था। हिंदू पक्ष ने इस कानून को संसद में पास किए जाने का भी विरोध किया है। हिंदू पक्ष का कहना है कि यह ऐसा कानून है जो लोगों को न्यायालय के दरवाजे खटखटाने से रोकता है ऐसे में यह असंवैधानिक है। हिंदू पक्ष ने इसके अलावा कानून की संवैधानिकता पर भी प्रश्न उठाए हैं।

इस मामले को लेकर 12 दिसंबर, 2024 को सुनवाई की थी। इसकी सुनवाई मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की बेंच ने की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस सुनवाई में आदेश दिया था कि अब देश की अदालतों में कोई भी ऐसी याचिका स्वीकार नहीं की जाएगी, जिसमें किसी मजहबी स्थल की स्थिति को लेकर चुनौती दी गई हो। सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट मामले में केंद्र सरकार से एक हलफनामा दायर करने को कहा था।

पूजास्थल अधिनियम, 1991 या फिर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 पीवी नरसिम्हा राव की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार 1991 में लेकर आई थी। इस कानून के जरिए किसी भी धार्मिक स्थल की प्रकृति यानी वह मस्जिद है मंदिर या फिर चर्च-गुरुद्वारा, यह निर्धारित करने को लेकर नियम बनाए गए हैं। इस कानून के अनुसार, देश के आजाद होने के दिन यानी 15 अगस्त, 1947 को जिस धार्मिक स्थल की स्थिति जैसी थी, वैसी ही रहेगी। यानि इस दिन यदि कोई स्थान मस्जिद था तो वह मस्जिद रहेगा। कानून में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति किसी धार्मिक स्थल का स्वरूप बदलने की कोशिश करेगा तो उसकी 3 वर्ष तक का कारावास हो सकता है।

इसी कानून में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति यदि किसी धार्मिक स्थल के स्वरूप के बदलने को लेकर याचिका कोर्ट में लगाएगा तो वह भी नहीं मानी जाएगी। यानि कोई भी व्यक्ति किसी मस्जिद के मंदिर होने का दावा नहीं कर सकता या फिर किसी मंदिर के मस्जिद होने का दावा नहीं किया जा सकता। कानून में यह भी स्पष्ट तौर पर कहा है कि यदि यह स्पष्ट तौर पर साबित हो जाए कि इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की प्रकृति में बदलाव किए गए थे तो भी उसका स्वरूप नहीं बदला जाएगा। यानी यह सिद्ध भी हो जाए कि किसी मंदिर को इतिहास में तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी तो भी उसे अब दोबारा मंदिर में नहीं बदला जा सकता।

कुल मिलाकर यह कानून कहता है कि 1947 के पहले जिस भी धार्मिक स्थल में जो कुछ बदलाव हो गए या फिर उस दिन जैसे थे, वह वैसे ही रहेंगे। उनके ऊपर अब कोई दावा नहीं किया जा सकेगा। इसी कानून में राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद को छूट दी गई थी। इस कानून में कई छूट भी दी गई हैं। यह कानून कहता है कि यदि किसी धार्मिक स्थल में बदलाव 15 अगस्त, 1947 के बाद हुए हैं तो ऐसे में कानूनी लड़ाई हो सकती है। इसके अलावा आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा संरक्षित स्मारकों को लेकर भी इसमें छूट दी गई है।

# मासिक कृष्ण जन्माष्टमी 21 को

## मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर ऐसे करें कृष्ण चालीसा का पाठ

पंचांग के अनुसार, माघ माह में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी 21 जनवरी को है। इस शुभ मौके पर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही शुभ फल पाने के लिए व्रत भी किया जाता है।

इस दिन पूजा के दौरान कृष्ण चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए। इसका पाठ करने से घर में खुशियों का आगमन होता है और वैवाहिक जीवन सुखी होता है। साथ ही सभी कष्ट दूर होते हैं।

**ऐसे करें कृष्ण चालीसा का पाठ**

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह जल्दी में उठें।

स्नान करने के बाद पीले कपड़े पहनें।

मंदिर की सफाई करने के बाद पूजा की शुरुआत करें।

देसी घी का दीपक जलाकर श्रीकृष्ण की आरती करें।

विधिपूर्वक कृष्ण चालीसा का पाठ करें।

कान्हा जी को माखन-मिश्री, खीर, पंजीरी का भोग लगाएं।

आखिरी जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।

लोगों में प्रसाद बाटें।

**इन बातों का रखेंध्यान**

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा के दौरान किसी के बारे में गलत न सोचें। साथ ही किसी से वाद-विवाद न करें। ऐसा करने से पूजा का पूरा फल नहीं मिलेगा और कृष्ण जी नाराज हो सकते हैं।

**।।कृष्ण चालीसा का पाठ।।**

**।। दोहा ।।**

बंशी शोभित कर मधुर,नील जलद तन श्याम।
अरुण अधर जनु बिम्बा फल,पिताम्बर शुभ साज।।
जय मनमोहन मदन छवि,कृष्णचन्द्र महाराज।
करहु कृपा हे रवि तनय,राखहु जन की लाज।।

**।। चौपाई ।।**

जय यदुनन्दन जय जगवन्दन।
जय वसुदेव देवकी नन्दन।।
जय यशुदा सुत नन्द दुलारे।
जय प्रभु भक्तन के दृग तारे।।
जय नट-नागर नाग नथैया।
कृष्ण कन्हैया धेनु चरैया।।
पुनि नख पर प्रभु गिरिवर धारो।
आओ दीनन कष्ट निवारो।।
वंशी मधुर अधर धरी तेरी।
होवे पूर्ण मनोरथ मेरो।।
आओ हरि पुनि माखन चाखो।
आज लाज भारत की राखो।।
गोल कपोल, चिबुक अरुणारे।
मृदु मुस्कान मोहिनी डारे।।
रंजित राजिव नयन विशाला।
मोर मुकुट वैजयंती माला।।
कुण्डल श्रवण पीतपट आछे।
कटि किंकणी काछन काछे।।
नील जलज सुन्दर तनु सोहे।
छवि लखि, सुर नर मुनिमन मोहे।।
मस्तक तिलक, अलक घुंघराले।
आओ कृष्ण बाँसुरी वाले।।
करि पय पान, पुतनहि तारयो।
अका बका कागासुर मारयो।।
मधुवन जलत अग्नि जब ज्वाला।
भै शीतल, लखितहिं नन्दलाला।।
सुरपति जब ब्रज चढ़यो रिसाई।
मसूर धार वारि वर्षाई।।
लगत-लगत ब्रज चहन बहायो।
गोवर्धन नखधारि बचायो।।
लखि यसुदा मन भ्रम अधिकाई।
मुख महं चौदह भुवन दिखाई।।
दुष्ट कंस अति उधम मचायो।
कोटि कमल जब फूल मंगायो।।
नाथि कालियहिं तब तुम लीन्हें।
चरणचिन्ह दै निर्भय किन्हें।।
करि गोपिन संग रास विलासा।
सबकी पूरण करी अभिलाषा।।
केतिक महा असुर संहारयो।
कंसहि केस पकड़ि दै मारयो।।
मात-पिता की बन्दि छुड़ाई।
उग्रसेन कहं राज दिलाई।।
महि से मृतक छहों सुत लायो।
मातु देवकी शोक मिटायो।।
भौमासुर मुर दैत्य संहारी।
लाये षट दश सहसकुमारी।।
दै भिन्हीं तृण चीर सहारा।
जरासिंधु राक्षस कहं मारा।।
असुर बकासुर आदिक मारयो।
भक्तन के तब कष्ट निवारियो।।
दीन सुदामा के दुःख टारयो।
तंदुल तीन मूंठ मुख डारयो।।
प्रेम के साग विदुर घर मांगे।
दुर्योधन के मेवा त्यागे।।
लखि प्रेम की महिमा भारी।
ऐसे श्याम दीन हितकारी।।
भारत के पारथ रथ हांके।
लिए चक्र कर नहिं बल ताके।।
निज गीता के ज्ञान सुनाये।
भक्तन हृदय सुधा वर्षाये।।
मीरा थी ऐसी मतवाली।
विष पी गई बजाकर ताली।।
राना भेजा सांप पिटारी।
शालिग्राम बने बनवारी।।
निज माया तुम विधिहिं दिखायो।
उर ते संशय सकल मिटायो।।
तब शत निन्दा करी तत्काला।
जीवन मुक्त भयो शिशुपाला।।
जबहिं द्रौपदी टेर लगाई।
दीनानाथ लाज अब जाई।।
तुरतहिं वसन बने नन्दलाला।
बढ़े चीर भै अरि मुँह काला।।
अस नाथ के नाथ कन्हैया।
डूबत भंवर बचावत नैया।।
सुन्दरदास आस उर धारी।
दयादृष्टि कीजै बनवारी।।
नाथ सकल मम कुमति निवारो।
क्षमहु बेगि अपराध हमारो।।
खोलो पट अब दर्शन दीजै।
बोलो कृष्ण कन्हैया की जै।।

।। दोहा ।।

यह चालीसा कृष्ण का,पाठ करै उर धारि।
अष्ट सिद्धि नवनिधि फल,लहै पदारथ चारि।।

## लड्डू गोपाल को घर लाने का बना रहे हैं मन, तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

लड्डू गोपाल को भगवान कृष्ण का ही बाल अवतार माना जाता है। कई लोग लड्डू गोपाल को घर के सदस्य या किसी बालक की तरह ही रखते हैं। ऐसे में यदि आप भी अपने घर में लड्डू गोपाल को स्थापित करने का मन बना रहे हैं, तो इससे पहले कुछ बातों को जान लेना जरूरी है, ताकि आपको इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलें।

**रोजाना करें ये काम**

लड्डू गोपाल को रोजाना स्नान करवाना जरूरी माना गया है। यदि आप लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के लिए शंख का इस्तेमाल करते हैं, तो ऐसा करना बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसके बाद रोजाना लड्डू गोपाली जी के वस्त्र बदलें। इस दौरान ध्यान रखें कि वस्त्र साफ-सुथरे होने चाहिए और एक बार पहना हुआ वस्त्र उन्हें दोबारा नहीं पहनना चाहिए। उस वस्त्र

या पोशाक को धोने के बाद ही लड्डू गोपाल जी को दोबारा पहनाएं।

**जरूरी है श्रृंगार**

भगवान कृष्ण की तरह ही उनके बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को भी श्रृंगार प्रिय माना गया है। ऐसे में स्नान करवाने के बाद सबसे पहले लड्डू गोपाल को चंदन का तिलक लगाए और इसके बाद आभूषण पहनाएं।

**कितनी बार लगाएं भोग**

लड्डू गोपाल को दिन में चार बार भोग लगाना चाहिए। इस बार का ध्यान रखें कि उनका भोजन एकदम सात्विक होना चाहिए। जितनी बार भोग लगाएं उतनी बार आरती भी करें। साथ ही हमेशा स्नान करने के बाद ही लड्डू गोपाल के लिए भोग बनाएं।

**रखें इन बातों का ध्यान**

अगर आप कहीं घर से बाहर जाते हैं, तो कभी भी लड्डू गोपाल जी को घर में अकेला न छोड़ें। आप उन्हें किसी जानकार व्यक्ति को सौंप सकते हैं या फिर उन्हें भी अपने साथ ही ले जा सकते हैं।

## लड्डू गोपाल को चाय और बिस्किट का भोग लगाना सही है या गलत?

लड्डू गोपाल को भगवाम श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में पूजा जाता है। माना जाता है कि जिस घर में लड्डू गोपाल विराजमना होते हैं, और रोजाना विधिवत से इनकी पूजा-अर्चना की जाती है, वहां हमेशा सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। कई बार लोग घर में जो बनाते हैं, उसका भोग लड्डू गोपाल को भी लगाते हैं। लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों का भोग लगाया जा सकता है।

**लगाया जाता है इन चीजों का भोग**

कई लोग अपने घर में जो भी खाने की वस्तु बनाते हैं, उसका भोग पहले लड्डू गोपाल को लगाते हैं। इस क्रम में लोग केक,

चाय, बिस्किट और नमकीन जैसी चीजों का भोग भी लड्डू गोपाल को अर्पित करते हैं। लेकिन इससे पहले कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, वरना आपको भोग लगाने का पूर्ण फल नहीं मिलता।

**क्या कहते हैं नियम**

आप घर में जो भी खाते या बनाते हैं, पहले उसका भोग लड्डू गोपाल को लगाना चाहिए। ऐसा करना काफी शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि आप जिस भी चीज का भोग लड्डू गोपाल को लगाते हैं, वह पूरी तरह से सात्विक होनी चाहिए।

साथ ही स्नान करने के बाद भोग लगाना चाहिए और इस दौरान स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। अगर आप बाहर से खरीदी हुई वस्तु का भोग लड्डू गोपाल को लगा रहे हैं, तो इससे पहले पैकेट पर लिखी हुई साम्रगी को जरूर पढ़ लेना चाहिए।

**करें इस मंत्र का जाप**

लड्डू गोपाल को भोग लगाते समय आप इस मंत्र का जप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से भगवान आपके भोग को जल्दी स्वीकार करते हैं।

**त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाणे सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।**

इस मंत्र का अर्थ है हे ईश्वर, जो भी मेरे पास है, वह सब आपका ही दिया हुआ है और मैं उसी को भोग के रूप में आपको अर्पित कर रहा हूं। इसे ग्रहण करें और अपनी कृपा मुझपर बनाएं रखें।

## लड्डू गोपाल की मूर्ति पुरानी होने पर करें ये काम, नहीं लगेगा दोष

हिंदू धर्म में माना गया है कि लड्डू गोपाल की रोजाना विधिवत पूजा से साधक के घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। इस बात का जरूर ध्यान रखें कि घर में कभी भी लड्डू गोपाल की खंडित मूर्ति नहीं रखनी चाहिए, वरना इससे नकारात्मक परिणाम मिलने लगते हैं।

**करें ये काम**

अगर आपके लड्डू गोपाल की मूर्ति बहुत ही पुरानी हो गई है या फिर खंडित हो गई है, तो इसके लिए आप इस तरह से लड्डू गोपाल की पुरानी मूर्ति का विसर्जन कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले लड्डू गोपाल की पुरानी मूर्ति की विधिवत रूप से करनी चाहिए और उन्हें भोग लाना चाहिए। इसके बाद हाथ जोड़कर लड्डू गोपाल जी क्षमा याचना करें। अब आप मूर्ति को किसी साफ या पवित्र जलाशय, नदि आदि में वसर्जित कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको पुरानी मूर्ति हटाने का दोष नहीं लगता और आप लड्डू गोपाल की नई मूर्ति स्थापित कर सकते हैं।

**इन बातों का भी रखें ध्यान**

लड्डू गोपाल के पास-पास कभी भी टूटी-फूटी मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने लगता है। इसी के साथ जहां आपके लड्डू गोपाल विराजमान हैं, वहां कभी भी गंदे कपड़े, जूते-चप्पल, जूठे बर्तन आदि नहीं रखने चाहिए। लड्डू गोपाल के सामने भोग भी ज्यादा देर तक न रखें।

**करें इन मंत्रों का जाप**

लड्डू गोपाल जी की आराधना के दौरान आप इन मंत्रों का जप कर सकते हैं। इससे लड्डू गोपाल की विशेष कृपा आपके व आपके परिवार पर

बनी रहती है।

* हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे
* ॐ श्री कृष्णः शरणं ममः
* ॐ देव्किनन्दनाय विधमहे वासुदेवाय धीमहि तन्नो कृष्ण:प्रचोदयात
* ॐ नमो भगवते तस्मै कृष्णाया कुण्ठमेधसे। सर्वव्याधि विनाशाय प्रभो माममृतं कृधि।।
* ॐ नमो भगवते श्री गोविन्दाय
* हे कृष्ण द्वारकावासिन् क्वासि यादवनन्दन। आपद्भिः परिभूतां मां त्रायस्वाशु जनार्दन।।
* ऊं श्रीं नमः श्रीकृष्णाय परिपूर्णतमाय स्वाहा
* त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।'

(भोग लगाने का मंत्र)

## लड्डू गोपाल के पास भूलकर भी न रखें ये चीजें, वरना पूजा का नहीं मिलेगा फल

लड्डू गोपाल की जी पूजा भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप में की जाती है। लड्डू गोपाल दी की सेवा साधक एक छोटे बालक की तरह ही करते हैं। बाल-गोपाल की सेवा से संबंधित कुछ नियम भी बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने पर ही आप पूजा का फल प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि लड्डू गोपाल के पास किन चीजों को नहीं रखना चाहिए, वरना इससे आपके जीवन की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

**दूर कर दें ऐसी मूर्ति**

लड्डू गोपाल के पास-पास कभी भी टूटी-फूटी मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता का वास होता है। ऐसे में आप देवी-देवताओं की खंडित मूर्ति को किसी पवित्र नदी या जलाशय में प्रवाहित कर सकते हैं।

**न रखें ये चीजें**

घर के मंदिर या जिस स्थान पर आप लड्डू गोपाल जी को रखते हैं, वहां कभी भी गंदे कपड़े, जूते-चप्पल आदि नहीं रखने चाहिए। साथ ही लड्डू गोपाल जी के आस-पास कबाड़ आदि भी इकट्ठा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से लड्डू गोपाल नाराज हो सकते हैं, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि की कमी होने लगती है।

**फैल सकती है नेगेटिविटी**

लड्डू गोपाल जी को भोग लगाने के लगभग 10 मिनट बाद उसे हटा लेना चाहिए, वरना वह चीज जूठी मानी जाती है। इसी के साथ लड्डू गोपाल के पास जूठे बर्तन आदि भी नहीं रखने चाहिए। वरना इसके आपको नकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

**ध्यान रखें ये बातें**

लड्डू गोपाल जी के उतारे हुए कपड़े भी दोबारा धोने के बाद ही मंदिर में रखने चाहिए। इसी के साथ पूजा के दौरान अगर आप अगरबत्ती, धूपबत्ती या दीपक जला रहे हैं, तो उसे लड्डू गोपाल जी के बहुत पास न रखें। क्योंकि लड्डू गोपाल जी को एक बालक ही माना जाता है, ऐसे में इन चीजों से उन्हें परेशानी हो सकती है।

## घर में लड्डू गोपाल की कैसी मूर्ति रखनी चाहिए? जरूर जान लें सेवा के नियम

हिंदू धर्म में लड्डू गोपाल की सेवा को लेकर कई नियम बताए गए हैं। यदि इन नियमों का ध्यान रखा जाए, तो व्यक्ति को लड्डू गोपाल जी की सेवा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। इसी प्रकार लड्डू गोपाल की मूर्ति को लेकर भी कई नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान जरूर रखना चाहिए।

**कैसी होनी चाहिए मूर्ति**

लड्डू गोपाल की मूर्ति बहुत ज्यादा बड़ी नहीं होनी चाहिए। आप अपने अंगूठे के आकार की या फिर लगभग 3 इंच की मूर्ति घर में रख सकते हैं। इसी के साथ लड्डू गोपाल की पीतल, तांबा, कांसा चांदी या फिर सोने से बनी मूर्ति घर में रखनी चाहिए। वहीं अगर आप अष्टधातु से बनी मूर्ति घर लेकर आते हैं, तो यह और भी शुभ माना जाता है।

**इस तरह करें सेवा**

लड्डू गोपाल को नियमित रूप से स्नान करवाना चाहिए और प्रतिदिन उनके वस्त्र बदलने चाहिए। स्नान के बाद उनके माथे पर चंदन का तिलक लगाएं और शृंगार करें। सुबह-शाम लड्डू पूजा कर गोपाल जी की आरती करें। लड्डू गोपाल को दिन में काम-से-कम चार बार भोग लगाना चाहिए। ध्यान

रहे कि उनका भोग हमेशा स्नान के बाद और सात्विक रूप से बनाना चाहिए। भोग लगाने के लिए कभी भी प्लास्टिक के बर्तनों का इस्तेमाल न करें। इसके स्थान पर धातु के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

**इन बातों का ध्यान**

घर में हमेशा लड्डू गोपाल की एक ही मूर्ति रखनी चाहिए। अगर आपके घर में एक से अधिक मूर्ति रख है, तो उनकी पूजा अलग-अलग रूप में करनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि लड्डू गोपाल जी को कभी भी घर में अकेला न छोड़ें। लड्डू गोपाल की पूजा के दौरान नकारात्मक विचार मन में न लाएं और न ही नकारात्मक बातें बोलें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

## नए साल के 14 दिन के अंदर ही मलयालम फिल्म आईडेंटिटी ने बनाया रिकॉर्ड

### बनी साउथ की सबसे बड़ी हिट मूवी

2025 की शुरुआत मलयालम सिनेमा के लिए धमाकेदार रही। टोविनो थॉमस, तृषा कृष्णन और विनय राय की फिल्म आईडेंटिटी ने दर्शकों के दिलों को जीत लिया है। यह थ्रिलर फिल्म 2 जनवरी को रिलीज हुई और पहले चार दिनों में ही 23।20 करोड़ रुपए की जबरदस्त कमाई की। अब तक यह फिल्म 40।23 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है और जल्द

ही 50 करोड़ क्लब में शामिल होने की उम्मीद है।2024 मलयालम सिनेमा के लिए बेहद सफल साल रहा। मंझुम्मल बॉयज, एआरएम, आवेशम, किष्किंधा कांडम, गुरुवायूर अंबलनाडयिल, वाझा, आडू जीवनम, जैसी फिल्मों ने न केवल केरल में बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी मलयालम सिनेमा का परचम लहराया। इन फिल्मों ने 50 करोड़ और 100 करोड़ से अधिक का कारोबार किया। ऐसे में आईडेंटिटी भी उसी सफलता की राह पर है।

आपको बता दें कि यह फिल्म तमिल में भी रिलीज हुई और वहां भी हिट रही। आने वाले हफ्तों में फिल्म को तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा, जिससे इसके कलेक्शन और बढने की संभावना है।फिल्म को अखिल पॉल और अनस खान ने लिखा और निर्देशित किया है। राजू मल्लियाथ और डॉ। सीजे रॉय ने इसका निर्माण किया है, जबकि गोखुलम मूवीज़ और ड्रीम बिग फिल्म्स ने इसे वितरित किया है।

आईडेंटिटी की सफलता साबित करती है कि दर्शकों में सिनेमाघरों के प्रति रुचि बढ़ रही है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो सुपरहिट है ही, इसके साथ ही आगे रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए भी अब उम्मीदें बढ़ गई हैं।आपको बता दें कि राम चरण की फिल्म गेम चेंजर भी कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुई है। यह एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन एस। शंकर ने किया है। फिल्म में राम चरण के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। बॉक्स ऑफिस पर, गेम चेंजर ने अपने पहले दिन 51 करोड़ की कमाई की थी। हालांकि, बाद के दिनों में कमाई में गिरावट देखी गई। चौथे दिन, फिल्म ने लगभग 6।9 करोड़ कमाए, जिससे कुल भारतीय कलेक्शन लगभग 95।4 करोड़ हो गया।

## शाहिद कपूर की फिल्म देवा का पहला गाना भसड़ मचा रिलीज

अभिनेता शाहिद कपूर पिछले कुछ समय से फिल्म देवा को लेकर चर्चा में हैं। इसे लेकर दर्शकों का उत्सह तभी बढ़ गया था, जब फिल्म से शाहिद की पहली झलक सामने आई थी।पिछले दिनों देवा का टीजर रिलीज हुआ, जिसे देख फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों का उत्साह दोगुना हो गया।शाहिद के प्रशंसकों ने पहले ही इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर बता दिया है।अब देवा का पहला गाना भसड़ मचा भी रिलीज हो गया है।फिल्म के गाने में शाहिद के साथ-साथ लीड हीरोइन पूजा हेगड़े ने ऐसा धमाकेदार डांस किया है, जिसे देखकर आप भी खुद को थिरकने से रोक नहीं पाएंगे।गाने में शाहिद की मस्ती और जोश देखने लायक है।भसड़ मचा गाने को मीका सिंह, विशाल मिश्रा और ज्योतिका तंगरी ने अपनी आवाज दी है।

विशाल मिश्रा का म्यूजिक और राज शेखर के लिखे बोल इसे खास बनाते हैं।फिल्म के इस पार्टी नंबर पर लोग खूब प्यार लुटा रहे हैं।इस गाने में जहां एक ओर पूजा और शाहिद की जोड़ी जबरदस्त लग रही है, वहीं शाहिद का स्वैग देखकर प्रशंसकों को उनकी फिल्म कमीने की याद आ गई है।देवा का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म बनी है। देवा 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।शाहिद फिल्म में एक पुलिस अधिकारी तो पूजा पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी।

### 29वीं पुण्यतिथि पर विशेष

## कइयों के स्फूर्ति मूर्ति हैं- एन.टी. रामा राव

एक गरीब परिवार से आकर कठोर परिश्रम, अनुशासन, एकाग्रता, दृढ़संकल्प द्वारा समाज में कई ऊंचाइयों को छू लिया। जी हाँ हम प्रख्यात कलाकार, स्टोरी राइटर, फिल्म निदेशक, निर्माता, फिल्म स्टूडियो के मालिक, फिल्म एडिटर, अविभाज्य आंध्र प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे, नैशनल फ्रन्ट के अध्यक्ष एवं यशोभूषण परलोकगत एन.टी. रामा राव के बारे में बात कर रहे हैं। उनकी 29वीं पुण्यतिथि इस माह की आज, शनिवर 18 जनवरी को है।

एन.टी. रामा राव बी.ए. की पढ़ाई पूरी कर सरकारी नौकरी के रूप में सब-रजिस्ट्रार पद को संभाला। पर उस कार्य से संतुष्ट न होकर वह तुरंत मुह मोड़ कर अपनी मौज के मुताबिक फिल्म अभिनेता बने और फिल्म 'पाताला भैरवी' ने उन्हें रातों रात सूपस्टार बना दिया। फिर वह तेलुगु फिल्म श्रोताओं के केवल चहेते अदाकार ही नहीं बल्कि भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के पात्रों के सुपोषण से डेमी-गॉड रह गए। अब तक उनके यह स्थान को कोई दूसरा व्यक्ति छीन नहीं पाया ।

उन्होंने एक राजनीतिक दल स्थापित कर केवल नौ महिने में ही आंध्र प्रदेश की सत्ता पर काबिज होना जैसे नामुमकिन कार्य को यकीन में बदल कर दिखाया। एन.टी. रामा राव के प्रति तेलुगु जन-साधारण के मन में पनपी प्रेम एवं विश्वास का यह अनुपम करामात थी और फिर एन.टी. रामा राव ने सदैव एक मुख्यमंत्री के रूप में जन कल्याण को सर्वोपरि रखा। उनके द्वारा किये गये कई कार्य आज भी याद किये जाने हैं, उदाहरण के तौर 2 रुपये किलो चावल का वितरण करना, जनता साड़ी, धोती, घर स्कीम लागू करना, कक्षा 12 या इसके समकक्ष के विद्यार्थियों के लिए एमसेट परीक्षा पद्धति लाना, परिवार में बेटियों को पैतृक या मातृक संपत्ति में हिस्सा का हक दिलाना, महिलाओं के लिए विश्वविद्यालयों की स्थापना करना ऐसे कार्य हैं जिनकी प्रेरणा से उनके बाद भी सत्तासीन हुए लोगों ने उनका अनुकरण अथवा अनुसरण किया। यानि एन.टी. रामा राव उनके पथ प्रदर्शक सिद्ध हुए।

श्रीमद्भगवद्गीता में यह बात कही गयी है कि-

'यद्यदाचरती श्रेष्ठ: स्तत्त देवे तरो जन: स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते'।

अर्थात यह है कि हमें महा पुरुषों के दिखाई गई पथ पर चल कर अपनी जीवन के गम्य को तय करना हैं । एन.टी. रामा राव भी एक महान पुरुष से काम नहीं थे, वह कईयों को प्रेरित किया है और आगे भी करते रहेंगे । एन.टी.आर की 29वीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में यह कुछ अक्षर पुष्पों की अंजलि।

**–दिलीप**

## पारुल गुलाटी कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी?

एक्ट्रेस पारुल गुलाटी ने अपने लेटेस्ट पोस्ट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। इस पोस्ट ने फैंस को उनकी अगली फिल्म को लेकर कयास लगाने पर मजबूर कर दिया है। पारुल ने कुछ मज़ेदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक स्क्रिप्ट पकड़े नज़र आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, जल्द आ रही हूं, आप सभी को हंसाने के लिए!इस खुलासे ने उनके फॉलोअर्स के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, और अब सभी अंदाज़ा लगा रहे हैं कि पारुल अपनी पहली कॉमेडी फिल्म में नज़र आने वाली हैं।

हालांकि, इस प्रोजेक्ट से जुड़ी ज़्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चाएं हैं कि फैंस उन्हें एक बिल्कुल नए अवतार में देखेंगे, जो हंसी से भरपूर अनुभव देगा।पारुल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने मज़ाकिया अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं और कई लोग उन्हें मालकिन कहकर भी बुलाते हैं। एक सूत्र ने बताया, पारुल ने इस फिल्म के लिए एक एक्टिंग मेंटर के साथ तैयारी शुरू कर दी है। वह लंबे समय से कॉमेडी प्रोजेक्ट्स में काम करने की इच्छुक थीं। उन्होंने एक प्रोजेक्ट साइन किया है, लेकिन फिलहाल सब कुछ गोपनीय है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। फैंस अब बेसब्री से इंतेज़ार कर रहे हैं कि पारुल अपने इस नए प्रोजेक्ट से उन्हें किस तरह सरप्राइज देंगी।

# एसएस राजामौली की आगामी फिल्म के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हैदराबाद पहुंचने के बाद सुर्खियों में छा गईं। वैश्विक स्टार की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छा गए, जिसमें वह कैजुअल बेज हुडी और कैप में एयरपोर्ट पर शांति से टहलती नजर आईं। प्रशंसकों ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रसिद्ध निर्देशक एसएस राजामौली के साथ आगामी परियोजना में उनके शामिल होने की अटकलें लगाईं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा का हैदराबाद दौरा एसएस राजामौली की महेश बाबू अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म की एक बड़ी घोषणा से संबंधित है। अगर यह सच है, तो यह चोपड़ा की 23 साल बाद तेलुगु सिनेमा में शानदार वापसी होगी। अभिनेत्री को इससे पहले 2002 में पी रविशंकर द्वारा निर्देशित तेलुगु फिल्म अपुरूपम में देखा गया था।

सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की टिप्पणियों की बाढ़ आ गई, जिसमें उम्मीद जताई गई कि प्रियंका को फिल्म में मुख्य महिला किरदार के रूप में लिया जाएगा। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं कि एसएस राजामौली की फिल्म में प्रियंका ही मुख्य महिला किरदार हो, जबकि दूसरे ने लिखा, मुझे उम्मीद है कि वह फाइनल हो जाएगी... यह वाकई महाकाव्य होगा। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एसएस राजामौली के साथ यह आगामी प्रोजेक्ट प्रियंका की तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में बहुप्रतीक्षित वापसी हो सकती है। उनकी आखिरी तेलुगु फिल्म 2002 में अपुरूपम थी , जिसमें उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में अभिनय किया था। यह चोपड़ा के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि होगी, क्योंकि वह दो दशकों से अधिक समय से क्षेत्रीय सिनेमा से दूर हैं।राजामौली की फिल्म में अपनी संभावित भूमिका के अलावा, प्रियंका चोपड़ा कई रोमांचक अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्हें टोरंटो, कनाडा में जोनास ब्रदर्स की आगामी क्रिसमस फिल्म के सेट पर देखा गया। तस्वीरों की एक श्रृंखला में, प्रियंका और उनके पति निक जोनास बर्फ में टहलते हुए, सेट पर अपने समय का आनंद लेते हुए देखे गए। फिल्म के 2025 में रिलीज़ होने की उम्मीद है, जहाँ प्रियंका अपने पति निक और उनके भाइयों जो और केविन जोनास के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। प्रियंका चोपड़ा इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ एक्शन-कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट में भी नज़र आएंगी, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया है। अभिनेत्री फ्रैंक ई. फ्लावर द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म द ब्लफ़ में भी नज़र आएंगी , जिसमें वे कार्ल अर्बन के साथ नज़र आएंगी।

इन आगामी परियोजनाओं और तेलुगु सिनेमा में उनकी संभावित वापसी के साथ, प्रियंका चोपड़ा के प्रशंसक बड़े पर्दे पर उनके अगले कदम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा वैश्विक मनोरंजन परिदृश्य पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं, हैदराबाद में उनके आगमन ने प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों के बीच उत्साह जगा दिया है। एसएस राजामौली के साथ संभावित सहयोग सहित कई हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट्स के साथ, उनका करियर हमेशा की तरह गतिशील बना हुआ है। प्रशंसक दो दशकों से अधिक समय के बाद तेलुगु फिल्म उद्योग में उनकी भूमिका का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उनकी आगामी अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

## बॉक्स ऑफिस पर सोनू सूद की फतेह का हाल-बेहाल

सोनू सूद आजकल फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हो रही है, वहीं इसने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन भी ठीक-ठाक किया है। हालांकि, इसके बाद से ही फिल्म के कारोबार में गिरावट देखने को मिली है।अब फतेह की कमाई के छठे दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।सैकनिल्क के मुताबिक, फतेह ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.20 करोड़ रुपये हो गया है।फतेह ने 2.4 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर ठीक-ठाक शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 2.1 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे दिन यह फिल्म 95 लाख रुपये और पांचवें दिन 1.5 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए सोनू बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। आजकल वह फिल्म के प्रचार में जुटे हैं।फतेह में जैकलीन फर्नांडिस के साथ सोनू की जोड़ी बनी है। नसीरुद्दीन शाह और विजय राज भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।फिल्म के एक्शन दृश्यों को हॉलीवुड तकनीशियनों द्वारा डिजाइन किया गया है।फतेह ऑनलाइन धोखाधड़ी और सुरक्षा के विषयों पर आधारित है, जो डिजिटल युग के काले रहस्यों को उजागर करती है।

## एक्टिंग के बाद अब म्यूजिक में दमखम दिखाएगी काजोल सोलंकी

काजोल सोलंकी एक बेहतरीन मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट और मॉडल है। हाल ही में इन्हें वड़ोदरा में निधि फाउंडेशन की ओर से ब्यूटी सेलिब्रिटी आवर्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड इन्हें मशहूर टीवी अभिनेत्री रुपाली गांगुली के हाथों मिला। अहमदाबाद में सम्पन्न हुए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी काजोल सम्मानित हुई हैं। यह अवार्ड इन्हें महाभारत में द्रोणाचार्य की भूमिका निभाने वाले एक्टर सुरेंद्र पाल के हाथों प्राप्त हुआ।काजोल बेहद मेहनती और प्रतिभावान है। उन्होंने बताया कि वह एक के बाद एक ऐसे विशेष अवार्ड मिलने से बेहद प्रसन्न और उत्साहित है। काजोल सोलंकी ब्यूटी पार्लर और मेकअप का काम बेहद पसंद है। अप एक्टिंग के बाद अब म्यूजिक में दम कम दिखाएंगे काजल सोलंकी ने दम पर इन्होंने अपने हुनर को संवारा और आज वह कई मॉडल्स का मेकअप और हेयर स्टाइल का काम करती है। यह काम करते हुए वह इतनी पारंगत हो गई कि उन्होंने खुद मॉडलिंग शुरू कर दिया। हॉल ही में वियतनाम में इन्होंने रैम्प वॉक किया, साथ ही कई शो में वह रैम्प वॉक कर चुकी हैं। अब वह अभिनय में भी आ रही हैं, जनवरी माह में उनकी म्यूजिक वीडियो लॉन्च होने वाली है। काजोल सोलंकी अहमदाबाद की रहने वाली है। इन्हें इनके परिवार का प्यार और सपोर्ट दोनों मिला है। जिन्हें ट्रेवलिंग और ट्रेकिंग करना पसंद है। भगवान शिव में इनकी बड़ी आस्था है और यह सारे ज्योतिर्लिंग और शिव जी के स्थानों का दर्शन करना चाहती हैं। इस कड़ी में वह आठ ज्योतिर्लिंग, पशुपति नाथ और कई मंदिरों का दर्शन कर चुकी हैं। वह अपनी गुरु गिरिजा पटेल का बहुत सम्मान करती हैं, जिन्होंने मेकअप और हेयर स्टाइल सिखाया। वह बॉलीवुड में अभिनेता सलमान खान और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की बहुत बड़ी फैन है। काजोल अपने बड़े भाई को अपना आदर्श मानती है। उनके बड़े भाई हमेशा काजोल का मार्गदर्शन करते हैं और हर परिस्थिति में साथ देते हैं।

काजोल सोलंकी ने बताया कि आज वह जिस मुकाम पर है वहाँ तक का सफर तय करने के लिए कड़ी मेहनत की है और आज उनका धैर्य और मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने इंडस्ट्री के बारे में कहा कि यहाँ पॉजीटिविटी और निगेटिविटी दोनों है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप क्या चूज़ करते हो। सकारात्मकता के साथ रहोगे तो देर से ही सही पर आपकी मंजिल जरूर मिलेगी। साथ ही आप काम ऐसा करो कि आपके परिवार और समाज को आप पर गर्व महसूस हो।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जी–वनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा ।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप–रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक़्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है । लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिल–एँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिले–गी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस–पास सैर–सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है– इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल–पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

## शनिवार का पंचांग

दिनांक : 18 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी अहोरात्र
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 02:52 तक
योग : शोभन रात्रि 01:15 तक
करण : कौलव सायं 06:29 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 09:29 तक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:03 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:14 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:05 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:56 ( विजयवाडा )

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कुंभ महापर्व चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

### राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवाओं से की अपील

# एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना मजबूत करें

**चंडीगढ़,17 जनवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवाओं से आगे आकर समावेशी विकसित भारत के निर्माण के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और अधिक मजबूत करने का आग्रह किया है। दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत करने में देश के युवाओं के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है।

दत्तात्रेय शुक्रवार को राजभवन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश और राज्य के अन्य हिस्सों के छात्रों, संकाय सदस्यों के एक समूह के साथ बातचीत कर रहे थे। उनके साथ डॉ राजेंद्र प्रसाद मीना, नोडल अधिकारी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, डॉ मनोज कुमार पांडे, नोडल अधिकारी, अमरकंटक और अन्य शोध विद्वान भी थे।

दत्तात्रेय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध विविधता का जश्न मनाने के दृष्टिकोण की आधारशिला है। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि इसका उद्देश्य सांस्कृतिक समझ को बढ़ाना, भावनात्मक बंधनों को मजबूत करना और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई और शैक्षिक आदान–प्रदान में शामिल होकर एकता की भावना को बढ़ावा देना है।

दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बहुलता की अंतर्निहित ताकत को उजागर करने के लिए इस पहल की कल्पना की थी, यह सुनिश्चित करते हुए कि नागरिक अन्य क्षेत्रों की परंपराओं, व्यंजनों, त्योहारों और कला रूपों का अनुभव करें और उनकी सराहना करें। यह विविधता में एकता के लोकाचार को रेखांकित करता है, इस विचार को पुष्ट करता है कि भारत की ताकत इसकी जीवंत विविधता में निहित है।

दत्तात्रेय ने कहा कि आपसी सम्मान और सहयोग को बढ़ावा देकर, यह पहल एक समेकित और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण करने की आकांक्षा रखती है, जहां विविधता सामूहिक विकास और सद्भाव के लिए प्रेरक शक्ति बन जाती है। उन्होंने हरियाणा के विभिन्न स्थानों जैसे राखी गढ़ी, मोरनी हिल्स, ब्रह्म सरोवर, धरोहर और राज्य के अन्य स्थानों और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, सुखना झील, रॉक गार्डन और वायु सेना विरासत संग्रहालय की अपनी यात्रा पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करने वाले छात्रों की सराहना की। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित युवा संगम के पांचवें चरण के एक भाग के रूप में छात्रों और संकाय सदस्यों की यात्रा को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के सहयोग से CUH, महेंद्रगढ़ द्वारा सुगम बनाया गया था और इसका उद्देश्य हरियाणा और मध्य प्रदेश के छात्रों के बीच संस्कृति का आदान–प्रदान करना था। इस अवसर पर राज्यपाल के एडीसी, स्क्वाड्रन लीडर मोहन कृष्ण पी, राज्यपाल के ओएसडी, बखविंदर सिंह और राजभवन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन आईपीआरओ राजभवन सत्यवान महिवाल ने किया।

## हरियाणा सरकार कराएगी महाकुंभ के दर्शन

**चंडीगढ़,17 जनवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा सरकार ने घोषणा की है कि वह 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' का विस्तार करेगी। अब गरीब परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी खर्च पर प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ तीर्थ यात्रा के लिए भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रशासनिक सचिवों की बैठक में यह जानकारी दी। इस योजना के तहत, प्रत्येक जिले से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को महाकुंभ तीर्थ यात्रा के लिए भेजा जाएगा।

इससे पहले इस योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या में रामलला, श्री माता वैष्णो देवी और शिरडी साईं बाबा के दर्शन कराए जाते थे। अब इस योजना में प्रयागराज में महाकुंभ तीर्थ को भी शामिल किया गया है, जिससे बुजुर्गों को अयोध्या, माता वैष्णो देवी, शिरडी और महाकुंभ जाने का अवसर मिलेगा।

हरियाणा सरकार की इस पहल से राज्य के गरीब परिवारों के बुजुर्गों को महाकुंभ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव समृद्ध होगा। यह कदम वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उनकी धार्मिक मान्यताओं के प्रति सम्मान को दर्शाता है।हरियाणा सरकार की 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' के तहत महाकुंभ 2025 के दर्शन की यह सुविधा राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

# आगामी बजट में जनजाति क्षेत्रों के विकास को मिलेगी नई गति : भजनलाल

**जयपुर,17 जनवरी (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति क्षेत्र का विकास देश और प्रदेश की समावेशी प्रगति का आधार है तथा आदिवासी कल्याण एवं सशक्तीकरण से ही प्रदेश का सर्वांगीण एवं समावेशी विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय व एकात्मक मानववाद की अवधारणा को आत्मसात् करते हुए आदिवासी समाज के समग्र उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के विकास के लिए अहम निर्णय लिए है, जिससे समाज को मूलभूत जरूरतों से लेकर उन्नति के अवसर तक हर कदम पर मदद मिल रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के हितधारकों के साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2025–26 के संबंध में आयोजित बजट पूर्व बैठक में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी वर्गों एवं उनके लिए कार्य करने वाली संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए समावेशी बजट तैयार किया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनजाति क्षेत्र के विकास व उत्थान से संबंधित विषयों पर मिले सुझावों का उचित परीक्षण कर आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आगामी बजट में जनजाति क्षेत्रों के विकास को और गति दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत को संजोये रखने के साथ ही विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे है। हमारी सरकार भी आदिवासी समाज की संस्कृति के संरक्षण और उनके गौरव को पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार द्वारा जनजाति के नायकों को पहचान दिलाने के लिए उदयपुर में कालीबाई भील, बांसवाड़ा में बांसिया चरपोटा और डूंगरपुर में डूंगर–बरंडा स्मारक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए आदि गौरव सम्मान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए शिक्षा के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का मैस भत्ता 2 हजार 500 से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। उन्होंने कहा कि खेल अकादमियों में रह रहे खिलाड़ियों का भत्ता 2 हजार 600 से बढ़ाकर 4 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनजाति के युवा अब खेल क्षेत्र में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। जनजाति की बालिकाओं ने लेक्रोस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार परिवर्तित बजट 2024–25 में की गई बजट घोषणाओं को धरातल पर लागू कर रही है। बजट घोषणा की अनुपालना में 7 नए आश्रम छात्रावासों और 3 नए आवासीय विद्यालयों के लिए भूमि आवंटन और संचालन की स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही, चार एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल में क्षमता वृद्धि एवं विस्तार का काम भी पूरा कर लिया गया है। इसी तरह मां–बाड़ी केंद्रों में कार्यरत रसोइयों और शिक्षकों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि की है और 250 नए मां–बाड़ी केंद्र स्वीकृत किए हैं।

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजाति क्षेत्र को विकास की धारा से जोड़ने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में पशुपालन, मत्स्यपालन आदि अन्य संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

# राजस्थान सरकार ने ओपीएस छीनने का प्रयास किया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे : बन्ना राम

**भीनमाल,17 जनवरी (एजेंसियां)।** राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) का दो दिवसीय 62वां शिक्षक शैक्षणिक राज्य सम्मेलन जालौर जिले की भीनमाल कस्बे में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान बनाराम ने की। मुख्य महासचिव पूनम चंद बिश्नोई द्वारा संचालित इस सम्मेलन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अखिल राजस्थान संयुक्त राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा, स्थानीय कांग्रेस विधायक समरजीत सिंह, वरिष्ठ नेता नेना राम चौधरी व एनईसी मेम्बर रोशनदीप के अलावा विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बतौर मुख्य वक्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जो केंद्र सरकार पिछले संसद सत्र में आठवें पे कमीशन के गठन करने से इंकार कर चुकी थी, उसी सरकार को करोड़ों कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के बढ़ते आक्रोश व विरोध को देखते हुए आठवें सेंट्रल पे कमीशन के गठन को मंजूरी देने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहाकि केंद्र सरकार ने बजट में पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली, आयकर छूट सीमा बढ़ाकर 10 लाख करने, 18 महीने के बकाया डीए डीआर का भुगतान करने, जन सेव–ाओं एवं पीएसयू के निजीकरण पर रोक, ठेका संविदा, आउटसोर्स व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को रेगुलर करने, खाली पदों को स्थाई भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार देने, एनईपी व लेबर कोड्स को वापस लेने आदि मांगों को संबोधित नहीं किया तो देशभर में कर्मचारी 7–8 फरवरी को 24 धंटे जिला मुख्यालयों पर धरने प्रदर्शन करेंगे। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री पूनम चंद बिश्नोई व अध्यक्ष बनाराम ने राजस्थान सरकार को चेतावनी दी कि अगर संधर्ष के बल पर हासिल की गई ओपीएस को छीनने का प्रयास किया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

### अजमेर में फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान

## नेशनल कांफ्रेंस और भाजपा कभी एक नहीं हो सकते

**अजमेर,17 जनवरी (एजेंसियां)।** अजमेर में मीडिया से बात करते हुए जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस और भाजपा का एक होना कभी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो नफरत फैलाते हैं, हम उनके साथ नहीं चल सकते।अजमेर में दरगाह जियारत करने पहुंचे अब्दुल्ला ने मुल्क में अमन और भाईचारे की कामना की। सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसे हमले होते रहते हैं, ये कोई बड़ी बात नहीं है।

इसके साथ ही उन्होंने राजौरी में हुई 15 मौतों पर कहा कि वहां एक वायरस फैला हुआ है, जिसका पता लगाने का काम चल रहा है। उन्होंने इस मौके पर जम्मू–कश्मीर में बर्फ की कमी और पानी की संकट की चिंता भी व्यक्त की। अब्दुल्ला ने अपने काफिले के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में भी बताया कि दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस वे पर नीलगाय के कारण उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, लेकिन हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

## हरियाणा सरकार के 100 दिन पूर्ण : भाजपा चुनावी वादों का हिसाब दें : हुड्डा

**चंडीगढ़,17 जनवरी (एजेंसियां)।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बिजली महंगी करने के फैसले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट लगाना तो दूर, एक यूनिट भी बिजली उत्पादन नहीं किया। बावजूद इसके वो लगातार बिजली दरों में बढ़ोत्तरी कर रही है। जबकि प्रदेश में कांग्रेस के दौरान 4 पावर प्लांट और 1 न्यूक्लियर पावर प्लांट स्थापित हुए। बावजूद इसके कांग्रेस ने देश में सबसे सस्ती बिजली हरियाणावासियों को उपलब्ध करवाई।

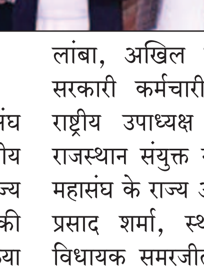

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में बिजली उपभोक्ताओं के 1600 करोड़ रुपए के बिल माफ किए थे। लेकिन बीजेपी ने उनका एक भी रुपया माफ नहीं किया और ऊपर से वो लगातार उपभोक्ताओं पर जुर्माना, एफएसए, नए मीटर के चार्ज समेत अलग–अलग तरह की वसूली कर रही है। अब सरकार ने 84 लाख बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 47 पैसे फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट के नाम पर लूटने का फरमान सुनाया है। इसके चलते 201 यूनिट बिजली खर्च होने पर प्रत्येक उपभोक्ता को 94.47 रुपये ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा।

इसके अलावा भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी की नई सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 100 दिनों को सिर्फ व्यर्थ किया है और इतने दिन में कोई भी काम नहीं किया। प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और बेरोजगारी व महंगाई चरम पर है। बेर–ोजगारी का यह आलम है कि 5700 युवाओं ने, जिसनें ज्यादातर हाईली क्वालिफाइड हैं, उन्होंने चपरासी की नौकरी के लिए अप्लाई किया है। शिक्षा तंत्र की बात की जाए तो आज सरकारी स्कूलों में ना बच्चे बचे हैं और ना अध्यापक। बीजेपी ने 10 साल से किसी गरीब को 100 गज का प्लॉट नहीं दिया। जबकि कांग्रेस ने लगभग 4 लाख परिवारों को प्लॉट बांटे थे। निकाय चुनाव में देरी को लेकर हुड्डा ने कहा कि पहले बीजेपी ने पंचायत चुनाव में भी इसी तरीके से देरी की थी और अब निकाय चुनाव में भी सरकार की कोई रुचि नहीं है। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 100 दिन पूरे होने पर बीजेपी को बताना चाहिए कि उसे चुनावी वादों का क्या हुआ।

## प्रदेश के सभी तालाबों की सफाई करवाएं : सैनी

**चंडीगढ़,17 जनवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी तालाबों की सफ़ाई करवाई जाए ताकि उनका पानी पशुओं के पीने या सिंचाई आदि के कार्यों में प्रयोग किया जा सके। पंचायतों के सहयोग से ग्रामीणों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि वे तालाबों में कूड़ा – कर्कट एवं घरों से निकला गंदा पानी न जाने दें। मुख्यमंत्री वीरवार को चंडीगढ़ में द हरियाणा पौंड एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस अवसर पर अथॉरिटी के अलावा विकास एवं पंचायत विभाग, सिंचाई विभाग, वन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, मछली पालन विभाग, लोक निर्माण विभाग , भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण समेत कई विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने गिरते भू –जल स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रथम चरण में 500 गांवों के भू–जल को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय करें और इस कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भू–जल स्तर के नीचे जाने पर चिंता जताई है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भूजल का कम होना देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती से निपटने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने लोगों को जल प्रदूषण का मुकाबला करने का आह्वान किया था।

# सीएम नीतीश आज बेगूसराय में शुरू करेंगे 600 करोड़ की योजनाएं

**बेगूसराय (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 18 जनवरी को अपने तीसरे चरण की प्रगति यात्रा के दौरान बेगूसराय पहुंचेंगे। इस यात्रा के तहत वह 600 करोड़ से अधिक की लागत से बनी 630 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इन योजनाओं में सबसे प्रमुख है मंझौल अनुमंडलीय अस्पताल, जो 16 साल की देरी और राजनीतिक अड़चनों के बाद अब जाकर जनता को समर्पित होने वाला है।

मंझौल अनुमंडलीय अस्पताल का शिलान्यास 2008 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री चंद्र मोहन राय ने किया था। 75 बेड वाले इस अस्पताल का निर्माण कार्य 2009 में शुरू हुआ, लेकिन यह परियोजना कई बार बाधित हुई।

4.91 करोड़ की स्वीकृति से शुरू हुई योजना की लागत तीन गुना बढ़कर 12 करोड़ हो गई। यह देरी राजनीतिक असहमति, ठेकेदारों की लापरवाही और कानूनी अड़चनों के कारण हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, अस्पताल का निर्माण 2007 में स्वीकृत हुआ था। जब मंझौल के लोगों ने स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर जोरदार प्रयास किए। शुरुआती योजना के तहत यह अस्पताल पुराने रेफरल अस्पताल के परिसर में बनना था। लेकिन भूमि विवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते इसे दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया।

मंझौल अस्पताल की कहानी विकास की बजाय राजनीति का शिकार होने का उदाहरण है। 2010 में जदयू की मंजू वर्मा के विधायक बनने के बाद परियोजना पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कई ठेकेदारों ने निर्माण अधूरा छोड़ दिया और जमीन विवाद अदालत तक जा पहुंचा।

2015-16 में काम फिर शुरू हुआ, लेकिन पर्याप्त निगरानी के अभाव में यह अधूरा रह गया। 2020 में चेरिया बरियारपुर के विधायक बने राजवंशी महतो ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया, जिसके बाद काम तेज हुआ।

मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान अस्पताल का उद्घाटन होना जिले के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह अस्पताल छौड़ाही, खोदावंदपुर, चेरिया बरियारपुर, गढ़पुरा और नावकोठी जैसे क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवनरेखा बनेगा। स्थानीय निवासी इस पहल से बेहद खुश हैं, क्योंकि अब उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। शताब्दी मैदान में दो हेलीपैड बनाए जा रहे हैं और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं।

अब मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा पर मटिहानी विधानसभा क्षेत्र के मनियप्पा गांव में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस यात्रा को लेकर जनता में उत्साह है। स्थानीय निवासी मानते हैं कि इस बार मुख्यमंत्री की पहल से न केवल यह अस्पताल बल्कि अन्य विकास योजनाएं भी पूरी होंगी। पूर्व सांसद और कृषि मंत्री रामजीवन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डेवलपमेंट माइंडेड हैं। उनकी यह यात्रा जिले के विकास के लिए बड़ी उम्मीद लेकर आई है। जब वे आ रहे हैं, तो निश्चित रूप से कुछ देकर जाएंगे।

कुछ लोग मानते हैं कि अस्पताल का उद्घाटन और विकास योजनाओं की घोषणाएं आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। मंझौल अस्पताल के निर्माण में लंबे समय तक देरी और बार-बार काम रुकने का मुख्य कारण राजनीति ही रहा है।

# खिलाड़ी को बैडमिंटन रैकेट से पीटने वाले एडीएम निलंबित

**कोसी (एजेंसियां)।** मधेपुरा के बीपी मंडल इंडोर स्टेडियम में खिलाड़ियों के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज करने के मामले में एडीएम (विभागीय जांच) शिशिर कुमार मिश्रा पर बड़ी कार्रवाई हुई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने डीएम के जांच रिपोर्ट के आधार पर एडीएम को निलंबित कर दिया है। साथ ही निलंबन अवधि में शिशिर कुमार मिश्रा का मुख्यालय भागलपुर आयुक्त कार्यालय निर्धारित किया गया है। इस संबंध में राज्यपाल के आदेश से सरकार के अवर सचिव उमेश प्रसाद ने अधिसूचना जारी कर दी है। 30 नवंबर 2024 को बीपी मंडल इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन खेलने के क्रम में स्थानीय खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन रैकेट फेंककर मारने एवं गाली-गलौज करने की घटना वायरल वीडियो के माध्यम से प्रकाश में आने के उपरांत मामले की जांच मधेपुरा डीएम तरनजोत सिंह द्वारा की कराई गई।

डीएम द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि शिशिर कुमार मिश्र द्वारा खिलाड़ी का पीछा करते हुए बैडमिंटन फेंक कर मारा गया है। साथ ही जब एडीएम शिशिर कुमार मिश्रा खिलाड़ी का बाहरी परिसर तक पीछा करने के बाद इंडोर स्टेडियम में वापस आए तो उपस्थित खिलाड़ी राजकुमार से उलझ गए और उनका महंगा बैडमिंटन रैकेट भी तोड़ दिया गया। बयान में यह भी वर्णित है कि पिटाई के कारण खिलाड़ी राजकुमार के माथे एवं गले पर चोट आई है, जिसके इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया। पत्र के अनुसार शिशिर कुमार मिश्र द्वारा प्रदर्शित किया गया उक्त व्यवहार एवं आचरण किसी भी सरकारी सेवक से अपेक्षित नहीं है तथा यह कृत्य उनके पदीय गरिमा के विपरीत है।

उनका यह कृत्य एवं आचरण बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रावधानों के भी प्रतिकूल है। अतएव शिशिर कुमार मिश्र को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में शिशिर कुमार मिश्र को जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबन अवधि में शिशिर कुमार मिश्र का मुख्यालय आयुक्त कार्यालय, भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर निर्धारित किया जाता है।

# बर्फीली हवाओं के कारण शीत लहर जैसे हालात, ठिठुरन बढ़ी, कई जिलों में घना कोहरा

**पटना (एजेंसियां)।** बिहार में सर्द पछुआ हवा ने शीत लहर जैसे हालात उत्पन्न कर दिए हैं। पटना, गया, सारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, भागलपुर, पूर्णिया, कोसी और मुंगेर प्रमंडल के कई जिलों में शुक्रवार सुबह भी कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो से तीन दिन बाद ठंड बढ़ सकती है। 18 जनवरी से 22 जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ आएगा। इसके कनकनी बढ़ेगी। राज्यवासियों से अपील है कि वह हर हाल में ठंड से सावधानी बरतें। इधर, शुक्रवार सुबह कई इलाकों में तो दृश्यता 50 मीटर से भी कम है। इसका असर रेल और विमान सेवा पर भी पड़ा है। कई फ्लाइट और ट्रेनें लेट से बिहार पहुंच रही।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटे बाद पश्चिमी विक्षोभ आयेगा। इससे तापमान में तीन से चार डिग्री तक गिरावट आ सकती है। पटना, गया, नवादा, नालंदा, औरंगाबाद, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, जहानाबाद, अरवल समेत कई इलाकों में बादल छाए रहेंगे। इधर, आज के मौसम की बात करें तो सर्द पछुआ हवा के कारण न्यूनतम और अधिकतम तापमान में अंतर को कम कर दिया है। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा ठंड बांका में पड़ी। यहां का तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद डेहरी का 8.5 डिग्री, पूसा का 8.8 डिग्री, समस्तीपुर का 9.6, मोतिहारी 9.5, समस्तीपुर व दरभंगा का 9.6 डिग्री, भागलपुर का 10.1 डिग्री, गया का 11.1 डिग्री, मुजफ्फरपुर का 11.4 पूर्णिया का 11.8 डिग्री और पटना का 12.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बक्सर का 11 डिग्री सेल्सियस, समस्तीपुर और गया का 12.4 डिग्री सेल्सियस और पटना का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

# सीएम नीतीश के कार्यक्रम में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को बाइक ने मारी टक्कर, थानेदार समेत तीन घायल

**पटना (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री ड्यूटी के दौरान एक अनियंत्रित बाइक ने पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। इसमें थानेदार समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में फतुहा थाने के सबइंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह और नदी थाना अध्यक्ष राजू कुमार को गंभीर चोटें आईं। वहीं महिला दरोगा अंजलि कुमार बाल-बाल बच गई। सत्येंद्र कुमार सिंह को इलाज के लिए छचउक रेफर किया गया है। पुलिस ने बाइक सवार को खदेड़ कर पकड़ लिया और मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री बख्तियारपुर में एक कार्यक्रम में शरीक होने गए थे। वापसी के दौरान फतुहा फोरलेन पर रेल ओवर ब्रिज के पास दनियावां के ओर से आ रहा बाइक को ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मी द्वारा रोकने का प्रयास किया गया।

इसमें अनियंत्रित बाइक ने दो पुलिस कर्मी को चपेट में ले लिया। दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन अन्य पुलिसकर्मियों ने खदेड़ कर दोनों बाइक सवार को पकड़ कर लिया और थाने ले आई। इस घटना में फतुहा थाना के सबइंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह को इस घटना में बाया हाथ फ्रेक्चर कर गया है जो अभी इलाजरत है। वहीं नदी थाना अध्यक्ष राजू कुमार को गंभीर चोटे आई है।

पुलिस ने दोनों युवक को पकड़ कर थाने ले आई है। युवक की पहचान हिलसा के कौशिक नगर का रहने वाला अजीधी कुमार एवं गौरव कुमार है। फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि मुख्यमंत्री का काफिला गुजर रहा था जिसे लेकर पुलिस कर्मी ड्यूटी में तैनात थे तभी अनियंत्रित बाइक ने ठोकर मार दिया जिससे पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं, साथ ही नदी थाना अध्यक्ष राजू कुमार को भी चोटे आई है। बाइक सवार युवकों को थाना लाया गया है। पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

# बहन को कोचिंग छोड़ने जा रहे भाई की मौत, गिट्टी लदे ट्रक ने रौंदा, छात्रा घायल

**सुपौल (एजेंसियां)।** सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। जहां गुरुवार की सुबह एनएच 327 ई त्रिवेणीगंज-जदिया मार्ग पर समधीनिया रोड के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित गिट्टी लोड ट्रक (बीआर 11 एम 6173) ने एक बाइक सवार युवक को कुचल दिया।

इस हादसे में बाइक चला रहे युवक बबलू कुमार (24) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर पीछे बैठी उसकी बहन खुशबू कुमारी (21) गंभीर रूप से घायल हो गई।

इधर, घटना के दौरान ट्रक भी सड़क से पलटकर खाई में गिर गया। हालांकि, ट्रक चालक और सह चालक बाल-बाल बच गए और उन्हें मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान जदिया निवासी भोगेंद्र यादव के पुत्र बबलू कुमार के रूप में हुई है।

बबलू कुमार त्रिवेणीगंज बाजार में किराए पर रह कर कोचिंग का संचालन करता था। इसके साथ ही वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करता था। हादसे के समय वह अपनी बहन को कोचिंग छोड़ने जदिया जा रहा था। बबलू अविवाहित था और परिवार की जिम्मेदारियां उसके कंधों पर थीं। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। बबलू की घायल बहन खुशबू कुमारी का त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इधर, घायल ट्रक चालक रविंद्र कुमार ने बताया कि वह झारखंड के मिर्जाचौकी से 600 सीएफटी गिट्टी लोड कर त्रिवेणीगंज बाजार आ रहा था। अचानक सामने बाइक आने से ट्रक पलट गया। वही प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय सह चालक विकास कुमार ट्रक चला रहा था। वही इस बाबत त्रिवेणीगंज थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि ट्रक पुलिस की निगरानी में है और क्षतिग्रस्त बाइक को थाना लाया गया है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वही ट्रक चालक व खलासी को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

# विजिलेंस का बड़ा एक्शन, पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रोजेक्ट इंजीनियर के ठिकानों पर छापेमारी

**पटना (एजेंसियां)।** निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रोजेक्ट इंजीनियर जंग बहादुर सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड पटना के कार्यालय और बक्सर सहित पटना के कई ठिकानों पर एक साथ की जा रही है।

इस संबंध में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम का कहना है कि गुप्त सूचना मिली है कि बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रोजेक्ट इंजीनियर जंग बहादुर सिंह अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम से करोड़ों का जमीन एवं फ्लैट खरीद रखे हैं। टीम का यह भी कहना है कि जानकारी के मुताबिक यह अवैध संपत्ति पटना के साथ साथ बक्सर शहर में भी है। जानकारी मिलने के बाद इस संबंध में निगरानी के द्वारा गोपनीय तरीके से जांच की गई, जिसमें आरोपी के विरुद्ध लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गये।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बताया कि जांच के क्रम में आय से अधिक संपत्ति का साक्ष्य पाए जाने के बाद निगरानी थाना में कांड संख्या 3/ 25 के तहत 16 जनवरी 2025 को धारा 13(2) सा पठित धारा 13(1)(बी) भ्र. नि. अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी दर्ज होते ही अनुसंधान के क्रम में न्यायालय से सर्च वारंट निकाला गया। फिर तलाशी दलों का गठन कर अभियुक्त के विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की जा रही है, जिसमें बक्सर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दुधानी गांव में छापेमारी की जा रही है। इसके अलावे पटना जिला के रूपसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वेद नगर मोहल्ला और पुनाइचक स्थित फ्लैट एवं बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड पटना के कार्यालय की तलाशी की जा रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो का कहना है कि तलाशी आज देर रात तक चलेगी। तलाशी के दौरान पाए गए नगद, निवेश से संबंधित कागजात, आभूषण एवं अभिलेख आदि की जांच की जा रही है।

# गंगा-कोसी नदियों पर छह जिलों में बनेंगे पीपा पुल, नीतीश सरकार ने मंजूर की करीब 57 करोड़ की राशि

**पटना (एजेंसियां)।** बिहार सरकार ने गंगा और कोसी नदियों पर भोजपुर, बक्सर, मधेपुरा, खगड़िया, समस्तीपुर और वैशाली जिलों में तीन बड़े पीपा पुल बनाने की घोषणा की है। इन पुलों के निर्माण के लिए 56 करोड़ 81 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इन पुलों से नदियों के दोनों ओर बसे सैकड़ों गांवों के करीब 10 लाख लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उनकी नावों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

भोजपुर जिले के महुली घाट से सिताब दियारा के बीच गंगा नदी पर 732 मीटर लंबा पीपा पुल बनेगा। यह पुल बिहार के भोजपुर जिले और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सिताब दियारा के दर्जनों गांवों को जोड़ेगा। इसके निर्माण के लिए 15 करोड़ 20 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह पुल इन इलाकों में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने और आवागमन को सरल बनाने में मदद करेगा।

मधेपुरा और खगड़िया जिलों को जोड़ने के लिए मधेपुरा के जीरो माइल से कपासिया घाट तक कोसी नदी पर 500 मीटर लंबा पीपा पुल बनेगा। इसके निर्माण पर 25.13 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह पुल मधेपुरा और खगड़िया जिले के करीब 14 पंचायतों के 80,000 लोगों को लाभान्वित करेगा। पुल बनने के बाद इन इलाकों में आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा और लोगों को नावों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

बक्सर जिले के नैनीजोर गांव और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के हल्दी गांव के बीच गंगा नदी पर 732 मीटर लंबा पीपा पुल बनाया जाएगा। इस पुल के लिए 16.47 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। पुल के बनने से बक्सर और बलिया जिलों के दर्जनों गांवों के बीच आवागमन सुगम होगा और यातायात में लगने वाला समय भी कम होगा।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि इन पीपा पुलों के निर्माण से न केवल ग्रामीण इलाकों का आपसी जुड़ाव मजबूत होगा, बल्कि ग्रामीणों को नावों पर निर्भरता से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पुल राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो हर क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए काम कर रही है। पीपा पुलों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को बेहतर बनाएगा। इससे गांवों के आर्थिक और सामाजिक विकास को बल मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर जिले के गांवों को बेहतर यातायात सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com